जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, बुधवार 26 अगस्त, 2026

विचार बिन्दु

यह मेरा है-यह तेरा है ऐसा संकीर्ण हृदय वाले मानते हैं। उदार चित्त वाले तो सारे संसार को एक कुटुंब समझते हैं। –हितोपदेश

शासन से आमजन का हमेशा असंतोष क्यों रहता हैं?

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सत्ता और जनता के संबंध जटिल, संवेदनशील और कई बार टकरावपूर्ण हो जाते हैं। 'राज से नाराज़गी' कोई नई भावना नहीं है, लेकिन आज के दौर में यह और अधिक मुखर और व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया, बढ़ती राजनीतिक चेतना और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता ने इस असंतोष को स्वर भी दिया है और बल भी। जब राज जनप्रतिनिधियों की सरकार ही चलाती है, तब लोग 'राज' से हमेशा असन्तुष्ट क्यों रहते हैं? यह बहुत स्पष्ट है कि जनता की शासन से अपेक्षा और यथार्थ के बीच बड़ी खाई है जो कम नहीं हो पा रही है। वह गहरी होकर निरंतर बनी हुई है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में अनेक सरकारें आईं और गईं, योजनाएं बनीं, वादे किए गए, लेकिन आमजन के जीवन में परिवर्तन की रफ्तार उतनी नहीं रही जितनी नेता लोग बढ़-चढ़ कर दावे करते रहे। बुनियादी सुविधाएं, जैसे स्वच्छ जल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार आज भी सबके आक्रोश का कारण बनी हुई है। जब जीवन की मूलभूत ज़रूरतें भी सरकारी नीतियों से पूरी नहीं हो पातीं, तो आम जन का असन्तुष्ट रहना स्वाभाविक ही है। इसीलिए 'राज' से हमेश नाराजगी बनी रहती है। संसदीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था में कहने को तो राज जनप्रतिनिधियों के हाथ में होता है मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार राज चलाने वाली मशीनरी –कार्यपालिका – होती है। कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है इसलिए निर्वाचित शासन के प्रति निष्ठावान होती है। कार्यपालिका का 'स्टील फ्रेम' ढांचा हमें अंग्रेजों से विरासत में मिला। इस ढांचे की अपनी कुलीनता थी, जो लोकतान्त्रिक शासन में भी बनी रही। आजादी के नये दौर में इस बड़े देश को चलाने के लिये इस सोच के साथ वह स्टील फ्रेम ढांचा अपनाए रखा कि इस तंत्र के लोग गणतांत्रिक भारत में आम जन के प्रति उत्तरदायी होंगे। नौकरशाही को सेवा सुरक्षा का अधिकार इसीलिये मिला कि कार्यपालिका बिना किसी बाहरी दबाव के विधिसम्मत तरीके से काम करेगी। विधायिका के लिये निर्वाचित प्रतिनिधियों के भोलेपन का फायदा उठाना कार्यपालिका के लोगों ने शीघ्र ही सीख लिया। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक कौशल नहीं होने से कार्यपालिका का वर्चस्व बढ़ता गया। यह यदि सर्वजन हिताय होता तो कोई समस्या नहीं होती। कार्यपालिका के भ्रष्ट लोगों ने सबसे शासन में आने वाले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बड़ी खूबी से बोतल में उतार कर गलत राह की तरफ धकेला। कार्यपालिका का काम कानून के राज की रक्षा करना था। वह सरकार में बैठे लोगों के हितों की होकर रह गई। इस प्रकार राजनेताओं तथा प्रशासनिक अफसरों का गठबंधन स्वरूप लेने लगा जो जनहित के लिये नहीं, व्यक्तिगत हितों का था। पिछले 75 वर्षों में हिमालय से ना जाने कितनी बर्फ पिघल गई। कार्यपालिका में कभी उंगलियों में गिने जा सक्ने वाले भ्रष्ट अधिकारी होते थे आज उंगलियों पर गिने जा सकने वाले ईमानदार खोजने पड़ सकते हैं। राजस्थान में ही क्यों देश भर में शीर्ष अफसरों तथा मंत्रियों की भ्रष्टाचार के पुराने मामलों में गिरफ़्तारी और सजाएं अब आम हैं। साथ ही कार्यपालिका के लोग भी अपने रिश्तों से राजनीति की रह पकड़ विधायिका में स्थान बनाने के उस्ताद हो गये।

सत्ता का दुरुपयोग और राज को केवल शासक वर्ग तक सीमित रखने की प्रवृत्ति, जनभागीदारी की भावना को कमजोर करती है। जब नागरिक महसूस करते हैं कि उनकी आवाज़ अनसुनी हो रही है, तब जनता में असंतोष उपजाता है। ब्रिटिश राज के दौरान सत्ता का अनुभव भारतीयों के लिए एक शोषणकारी व्यवस्था का पर्याय बना रहा। स्वतंत्र भारत में गणतंत्र की नींव रखने वाले भारतीय संविधान ने सबको समानता की व्यवस्था दी किन्तु सामंती व्यवस्था की जगह लोकतंत्र आ जाने से जिस बदलाव की अपेक्षा थी वह पूरी करने में भारतीय राजनीति असफल रही। असल में सामंती अवशेषों की इबारत को पूरी तरह पोंछ डालने में हम नाकामयाब रहे। नया लोकतान्त्रिक नेतृत्व भी सामंती व्यवहार को छोड़ नहीं सका। इसके अलावा संविधान के एक स्तम्भ कार्यपालिका जो पहले साम्राज्यवादी शासन जो सामंती रंग में रंग गया था की सेवा के लिए था वाह आमजन की सेवा वाला नहीं बन सका। जब सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ा और विकास का लाभ सब तक समान रूप से नहीं पहुंचा, तब 'राज' के प्रति अविश्वास की भावना का प्रबल होना स्वाभाविक ही था। इसके अतिरिक्त, आज के दौर में राजनीति का चरित्र परिणामकारी कम और प्रचारवादी अधिक हो गया है। चुनावी वादों की चमक और कार्यान्वयन की धीमी गति भी जनता की निराशा को जन्म देती है। 'नेता बोलते बहुत हैं, करते कम हैं' – यह धारणा आम जनमानस में गहराई से पैठ चुकी है।

भारत में आम जनता की सरकार से अपेक्षाएं बहुत अधिक भी नहीं हैं। किसी ने यह मांग नहीं की कि सरकारी स्कूलें तथा अस्पताल पांच सितारा जैसे हों। सिर्फ मूलभूत गुणवत्तापूर्ण सुव्यवस्था की मांग ही होती है। युवकों को उनकी पढ़ाई लिखाई और कौशल के हिसाब से काम मिल जाए, वह भी ऐसी सरल मांग ही है।

लोकतंत्र में आलोचना और असंतोष नकारात्मक नहीं, बल्कि सुधार का मार्गदर्शक हो सकते हैं। अगर सरकारें जनता की नाराजगी को विरोध न मानकर संवाद का अवसर मानें, तो नीतियों में बदलाव, पारदर्शिता और जनहित की भावना को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था में सत्ता का मतलब राज करना नहीं होता, सेवा होता है। राज तभी सार्थक है जब वह जन की सेवा के लिए हो। जनता की नाराज़गी कोई समस्या नहीं, बल्कि एक चेतावनी होती है – कि अब समय आ गया है कि 'राज' और 'जन' के बीच की दूरी कम की जाए। गणतांत्रिक संविधान ने सबके लिए समानता और न्याय की व्यवस्था दे रखी है और राज्य की संप्रभुता यहां के नागरिकों के हाथ में है। अब कोई राजा और कोई प्रजा नहीं है। सभी बराबरी के नागरिक है जिनके वोट से सरकारें बनती और गिरती है। नागरिकों के प्रतिनिधि संसद और विधान सभाओं में बैठ कर कानून बनाते हैं। निर्वाचित सरकार तथा कार्यपालिका नागरिकों के प्रतिनिधियों के प्रति जवाबदेह होती है। संविधान के दोनों पाये विधायिका और कार्यपालिका विधि सम्मत काम करते रहें और उसमें कोई संशय हो तो फैसला करने के लिए न्यायपालिका का दोनों से स्वतंत्र तीसरे पाये की संविधान ने व्यवस्था दे रखी है। यह संविधान दुनिया भर के लोकतान्त्रिक देशों के संविधानों की अच्छी चीजें ले कर बनाया गया गया है जिसमें एक बेहतरीन लोकतान्त्रिक राज्य की व्यवस्था है। लेकिन अचरज होता है कि संविधान लागू होने के 75 वर्ष बाद भी यहां के नागरिक – हम भारत के लोगों में – अपने ही राज से असंतोष रहता है। आमजन जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के ढांचे से बाहर है वह इस लिए बेचैन है कि उसे वे मूलभूत सुविधाएं भी ठीक से नहीं मिल रही है जिसके लिए संविधान निर्माताओं ने इतनी मशक्कत की थी। आम नागरिक का सारा असंतोष इस बात का है कि विधायिका और कार्यपालिका अपना दायित्व पूरी तरह नहीं निभा पा रहीं हैं। आम आदमी की उचित सुनवाई नहीं होती। लोगों को आज के अधिकांश राजनेता अहंकारी और अज्ञानी नज़र आते हैं। जनता के असंतोष को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है। न्यायपालिका को लेकर भी लोगों में इसीलिए बेचैनी है कि वहां कब सुनवाई होगी और कब फैसला सुनाया जाएगा इसका कुछ पता नहीं है। निचली अदालतों में जितनी भीड़ हमें दिखती है और जितना मुकदमों का अंबार है उससे वहां नागरिक को सिर्फ तारीखें मिलती हैं।

लोगों का राज से असंतोष का अध्ययन इसलिए बहुत दिलचस्प है क्योंकि वह राजनीति, समाज और नागरिकों की अपेक्षाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। राज से असंतोष का कारण केवल किसी एक घटना या सरकार से नहीं होता, बल्कि यह ऐतिहासिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं का मिश्रण होता है। भारत में आम जनता की सरकार से अपेक्षाएं बहुत अधिक भी नहीं हैं। किसी ने यह मांग नहीं की कि सरकारी स्कूलें तथा अस्पताल पांच सितारा जैसे हों। सिर्फ मूलभूत गुणवत्तापूर्ण सुव्यवस्था की मांग ही होती है। युवकों को उनकी पढ़ाई लिखाई और कौशल के हिसाब से काम मिल जाए, वह भी ऐसी सरल मांग ही है। राजनीतिक दलों और सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, पक्षपात और जवाबदेही की कमी लोगों में एक गहरा अविश्वास पैदा करती है। लोग मानते हैं कि 'राज' यानि सरकार या सत्ता आम आदमी के लिए नहीं, बल्कि खास लोगों के लिए काम करता है। औपनिवेशिक काल में अंग्रेज और रियासती सत्ता शोषण का प्रतीक थी। इस कारण 'राज' शब्द से जुड़ा हुआ एक संदेह और विरोध का भाव लोगों के मन में बैठा रहता है। भारतीय जनता अब पहले से ज्यादा जागरूक है। सोशल मीडिया और न्यूज़ चैनलों की वजह से लोग हर छोटी-बड़ी नीति या निर्णय पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। यह सक्रियता सरकार के हर कदम की आलोचना को बढ़ावा देती है।लोकतंत्र में नागरिकों का असंतोष जताना एक सामान्य और ज़रूरी प्रक्रिया है। सरकार पर सवाल उठाना, उसकी आलोचना करना – यह किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। यह जरूरी भी है, ताकि सत्ता में बैठे लोग जनता के प्रति जवाबदेह बने रहें। बहुत से लोगों को लगता है कि सत्ता और आम जनता के बीच दूरी बनी हुई है। नीतियां बनाई जाती हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर उनका लाभ नहीं पहुंचता, या पहुंचने में बहुत देरी होती है। भारत में लोग 'राज' से असन्तुष्ट रहते हैं क्योंकि वे बेहतर जीवन, ईमानदार प्रशासन और समान अवसरों की अपेक्षा करते हैं। यह नाराजगी कभी-कभी क्रोध का रूप भी ले लेती है। लेकिन कई बार यह बदलाव की प्रेरणा भी बनती है। यदि सरकारें इस असंतोष को सही ढंग से समझें और उसे सुधार का माध्यम बनाये, तो यही असंतोष भविष्य का सुधार बन सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

विरासत में मिली कमियों से समाधान की ओर बढ़ती राजस्थान की स्कूली शिक्षा

ओमवती पारीक

राजस्थान की सरकारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था में लंबे समय से पाठ्यक्रम, परीक्षा और परिणामों की चुनौती रही है। जर्जर भवन, अपर्याप्त कक्षा-कक्ष, शौचालयों की कमी, प्रयोगशालाओं का अभाव और बदलते समय के अनुरूप डिजिटल संसाधनों की सीमित उपलब्धता जैसी बुनियादी समस्याएं भी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती रही है। ऐसे में किसी भी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती योजनाएं शुरू करने के साथ ही वर्षों से जमा इन कमियों का स्थायी समाधान करना है। राजस्थान सरकार ने अब इसी दिशा में एक दीर्घकालिक रोडमैप के साथ कदम बढ़ाये हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष निर्देशों पर सरकारी विद्यालयों के कायाकल्प के लिए करीब 12,500 करोड़ रुपए का तीन वर्षीय रोडमैप तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों को सुरक्षित, सुविधायुक्त, आधुनिक, समावेशी और तकनीक-सक्षम शिक्षण केंद्रों में विकसित करना है। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें समस्या की पहचान से लेकर उसके चरणबद्ध समाधान तक की प्रक्रिया को एक साथ जोड़ा गया है। वर्तमान राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के बाद जर्जर भवनों में चल रहे विद्यालयों के लिए समुचित भवन प्रबंधन के लिए कार्य प्रारंभ किया। इस वर्ष के प्रारंभ में मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के सभी 41 जिलों में जिला कलेक्टरों के माध्यम से राजकीय विद्यालय भवनों का व्यापक तकनीकी सर्वे कराया गया। इसका उद्देश्य विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के आकलन के आधार पर प्राथमिकताएं तय करना था। वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक के लिए तैयार रोडमैप इसी तकनीकी सर्वे से सामने आई जरूरतों पर आधारित है।

इस व्यापक रोडमैप के तहत 3,587 नए विद्यालय भवनों पर करीब 2,488 करोड़ रुपए, 83,783 नए कक्षा-कक्षों पर करीब 8,378 करोड़ रुपए, 22,589 विद्यालयों में मेजर रिपेयर पर करीब 1,129 करोड़ रुपए तथा 13,616 नए शौचालय परिसरों पर करीब 340 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्तावित हैं। यानी सरकार का जोर नये भवन बनाने के साथ विद्यालय के पूरे भौतिक वातावरण को बेहतर बनाने पर है। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दीर्घकालिक योजना के साथ तत्काल क्रियान्वयन भी प्रारंभ कर दिया गया है।

करीब 3,006 करोड़ रुपए के विद्यालय विकास कार्य स्वीकृत, निविदा अथवा क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें 518 नए विद्यालय भवनों के लिए करीब 620 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत या निविदा प्रक्रिया में हैं और 181 भवनों पर निर्माण शुरू हो चुका है। साथ ही 2,906 नए कक्षा-कक्षों के लिए करीब 300 करोड़ रुपए के कार्य भी स्वीकृत हैं। शिक्षा सुधार का दूसरा बड़ा आयाम डिजिटल शिक्षा है। आज के दौर में केवल भवन और फर्नीचर से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। सरकारी स्कूल के विद्यार्थी भी उसी डिजिटल दुनिया का हिस्सा हैं, जिसमें निजी विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। इस अंतर को कम करने के लिए दिसंबर 2026 तक करीब 1,087 करोड़ रुपए खर्च कर 9,000 स्मार्ट क्लास, 7,000 आईसीटी लैब और 80,000 टैबलेट उपलब्ध कराने की योजना है। इनमें करीब 107 करोड़ रुपए स्मार्ट क्लास, 880 करोड़ रुपए आईसीटी लैब और 100 करोड़ रुपए टैबलेट पर खर्च किए जाने हैं। इस पहल के तहत तकनीकी उपकरण बांटने के अतिरिक्त इसका उपयुक्त उपयोग कर इसकी वास्तविक सफलता के लिए स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब का कक्षा में प्रभावी ढ़ंग से उपयोग पर भी बल दिया जा रहा है। शिक्षकों को भी डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण तथा दूरदराज के विद्यालयों में इसकी पहुंच पर ध्यान दिया जा रहा है।

वर्तमान राज्य सरकार दो वर्षों के कार्यकाल में वर्ष 2024-25 और 2025-26 में समग्र शिक्षा एवं राज्य मद के अंतर्गत 1,220 करोड़ रुपए की लागत से 3,364 महत्वपूर्ण निर्माण एवं मरम्मत कार्य स्वीकृत किए गए। इनमें 614 नए विद्यालय भवन और 2,750 विद्यालयों में मेजर रिपेयर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 2,256 विषय प्रयोगशाला कक्षों के लिए 508 करोड़ रुपए तथा विशेष योग्यजन विद्यार्थियों के लिए सुलभ सुविधाओं पर 40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। पांच बालिका सैनिक स्कूल, 13 डाइट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 79 छात्रावास भवनों पर भी काम किया जा रहा है।

बालिकाओं की सुरक्षा, स्वच्छता और गरिमा को भी इस अभियान में अलग महत्व दिया गया है। 2,326 सरकारी विद्यालयों में बालिका शौचालयों की स्थापना के प्रस्ताव पंचायती राज विभाग को भेजे गए हैं। साथ ही बजट 2026-27 के तहत राजकीय विद्यालयों में मरम्मत कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक सहमति प्राप्त की गई है। यह कदम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि विद्यालय में छात्राओं की उपस्थिति और निरंतरता के लिए सुरक्षित तथा सम्मानजनक वातावरण बुनियादी आवश्यकता है।

एक उल्लेखनीय पहल यह भी है कि विद्यालय विकास को केवल शिक्षा विभाग के बजट तक सीमित नहीं रखा गया है। विधायकों के 5 करोड़ रुपए के वार्षिक विधायक कोष में से 20 प्रतिशत राशि राजकीय विद्यालयों के बुनियादी ढांचे पर खर्च करने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार डांग, मगरा और मेवाड़ योजनाओं में विद्यालय मरम्मत के लिए बजट हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत की गई है। ग्रामीण राजस्थान में शिक्षा को व्यापक सामाजिक विकास से जोड़ने के लिए पांच हजार ग्राम पंचायतों में 750 करोड़ रुपए की लागत से अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए 15 लाख रुपए का प्रावधान है। इसी क्रम में वीबीजी रामजी योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर चरणबद्ध तरीके से स्टेडियम निर्माण की भी योजना है, जिसके लिए प्रतिवर्ष 500 से 1,000 करोड़ रुपए का प्रावधान बताया गया है। इससे शिक्षा को खेल, ज्ञान और सामुदायिक विकास के साथ जोड़ने की व्यापक सोच सामने आती है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में जुलाई 2026 तक 179 विद्यालय भवन निर्माण कार्यों पर 183 करोड़ रुपए तथा 7,945 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण पर 757 करोड़ रुपए खर्च किए गये हैं। इसी अवधि में करीब 14 लाख साइकिलों का वितरण किया गया है। छात्राओं के लिए 'आपकी बेटी', 'बालिका प्रोत्साहन', 'गार्गी पुरस्कार' और अन्य योजनाओं में भी लाभार्थियों को सहायता दी गई है। शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ शिक्षक हैं। इसलिए केवल भवन निर्माण से शिक्षा का कायाकल्प संभव नहीं है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रारंभिक शिक्षा विभाग में लेवल-1 और लेवल-2 को मिलाकर 9,206 नई नियुक्तियां/भर्तियां तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग में 39,259 नई नियुक्तियां/भर्तियां की गई हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग में 66,047 पदोन्नितयां भी हुई हैं।

शिक्षा जैसी विशाल व्यवस्था में बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करना अपने आप में एक बड़ा काम है। उपलब्ध तुलनात्मक विवरण में दिसंबर 2018 से नवंबर 2023 तक 314 विद्यालय भवन निर्माण कार्यों के मुकाबले दिसंबर 2023 से जुलाई 2026 तक 620 स्वीकृत विद्यालय भवन निर्माण कार्य किये गये हैं। इसी तरह मरम्मत कार्यों की संख्या 2,769 से बढ़कर 3,210 किया गया है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार ने विद्यालय के आधारभूत ढाँचे को अपने एजेंडे में प्रमुखता दी है।

राजस्थान जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध राज्य में शिक्षा का कायाकल्प एक दिन या एक बजट से संभव नहीं है। इसके लिए निरंतरता, निगरानी और परिणाम आधारित मूल्यांकन जरूरी है। सरकार का तीन वर्षीय 12,500 करोड़ रुपए का रोडमैप इसी दीर्घकालिक सोच का संकेत देता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के अनुरूप तकनीकी सर्वे, वित्तीय प्रावधान, निर्माण, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक उपलब्धता और छात्र हित की योजनाओं को एकीकृत ढंग से आगे बढ़ाने से सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदलने की संभावनाएं मजबूत हो रही है।

आखिरकार शिक्षा का असली कायाकल्प तब माना जाएगा, जब अभिभावक को यह भरोसा हो कि सरकारी विद्यालय में उसके बच्चे को सुरक्षित भवन, पर्याप्त कक्षा-कक्ष, स्वच्छ शौचालय, प्रयोगशाला, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षक-सब एक साथ मिल रहे हैं। राज्य सरकार तैयार किये गये रोडमैप को जमीन पर तेजी और गुणवत्ता के साथ उतारने के लिये संकल्पबद्ध है। योजनाबद्ध निवेश के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी से ही वर्षों से विरासत में मिली कमियों को दूर कर विद्यालयों की तस्वीर बदलती दिखाई देंगी। यही राजस्थान की स्कूली शिक्षा के भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा।

–ओमवती पारीक,
संयुक्त निदेशक एवं प्राचार्य
टीटी कॉलेज (सेनि.)।

महिला मातृत्व अवकाश : अधिकार कितना, जिम्मेदारी कितनी?

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

मातृत्व किसी भी महिला के जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। बच्चे को जन्म देना केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभव भी है। इसलिए गर्भावस्था और प्रसव के दौरान महिला को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, आराम और मातृत्व अवकाश मिलना एक संवेदनशील और सभ्य समाज की जिम्मेदारी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या मातृत्व अवकाश के अधिकार के साथ जिम्मेदारी का प्रश्न समाप्त हो जाता है? क्या किसी महत्वपूर्ण सरकारी, प्रशासनिक, राजनीतिक या निजी पद पर बैठा व्यक्ति लंबे समय तक अनुपस्थित रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों से पूरी तरह मुक्त हो सकता है? और यदि उसकी अनुपस्थिति से जनता, संस्था, कंपनी या प्रशासन प्रभावित होता है तो उस प्रभाव की जिम्मेदारी किसकी होगी? यही वह प्रश्न है जिस पर आज गंभीर और निष्पक्ष बहस की आवश्यकता है।

हाल ही में जापान के क्योटो प्रांत के यवाता शहर की 35 वर्षीय मेयर शोको कवाटा के मातृत्व अवकाश की योजना ने जापान में राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। कवाटा 2023 में 33 वर्ष की उम्र में जापान की सबसे कम उम्र की महिला मेयर बनी थीं। उन्होंने घोषणा की कि वह सितंबर में बच्चे को जन्म देने वाली हैं और कुल 16 सप्ताह का मातृत्व अवकाश लेंगी, जिसमें प्रसव से पहले आठ सप्ताह और प्रसव के बाद आठ सप्ताह शामिल हैं। उनकी अनुपस्थिति के दौरान उपमहापौर कार्यवाहक मेयर की जिम्मेदारी संभालेंगे।

इस मामले की खास बात यह है कि यवाता में सामान्य कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश की व्यवस्था पहले से थी, लेकिन मेयर के पद के लिए ऐसी स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। इसलिए कवाटा को अपने पद के लिए इस व्यवस्था को तैयार करवाना पड़ा। उनकी घोषणा के बाद जापान में यह बहस शुरू हुई कि क्या सार्वजनिक पदों पर बैठी महिलाओं को भी मातृत्व और परिवार के लिए पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। दूसरी ओर कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि लंबे समय तक अनुपस्थित रहने पर सार्वजनिक पद की जिम्मेदारियों और वेतन का क्या होगा। लेकिन इस पूरे मामले को केवल महिला अधिकार बनाम पुरुष मानसिकता के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली सवाल इससे कहीं बड़ा है: लोकतंत्र में सार्वजनिक पद अधिकार है या जिम्मेदारी?

जनता किसी व्यक्ति को केवल सम्मान देने के लिए पद पर नहीं बिठाती। वह उसे इसलिए चुनती है कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करेगा, प्रशासन को दिशा देगा और सार्वजनिक हित में निर्णय लेगा। इसलिए निर्वाचित पद के साथ अधिकारों के अलावा जनता के प्रति दायित्व भी जुड़ा होता है। यह बात महिलाओं और पुरुषों दोनों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। यदि किसी महिला को पहले से पता है कि उसे गर्भावस्था और प्रसव के कारण लंबे समय तक अवकाश लेना पड़ेगा, तो अपनी अनुपस्थिति में काम की निरंतरता सुनिश्चित करने की तैयारी करना भी उसकी पेशेवर जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि महिला को मातृत्व का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। इसका अर्थ केवल इतना है कि अधिकार के साथ व्यवस्था और जिम्मेदारी भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

भारत में तो मातृत्व लाभ की व्यवस्था और भी स्पष्ट है। मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुसार पात्र महिला कर्मचारियों को अधिकतम 26 सप्ताह का मातृत्व लाभ मिल सकता है, जिसमें अधिकतम आठ सप्ताह प्रसव की संभावित तिथि से पहले लिए जा सकते हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि काम की प्रकृति के अनुसार आपसी सहमति से मातृत्व अवकाश के बाद कुछ अवधि के लिए घर से काम की व्यवस्था भी की जा सकती है। इसलिए यह कहना गलत होगा कि मातृत्व अवकाश कोई विशेष कृपा है। यह कानूनी और सामाजिक अधिकार है। लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि इतने लंबे अवकाश के दौरान किसी महत्वपूर्ण पद का काम कैसे चलेगा?

मेरा मानना है कि इसका उत्तर मातृत्व अवकाश को कम करना या समाप्त करना नहीं है। समाधान है कार्यभार हस्तांतरण की अनिवार्य और पारदर्शी व्यवस्था। यदि कोई महिला मंत्री, मेयर, वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष या निजी संस्था की महत्वपूर्ण पदाधिकारी है और उसे लंबे समय तक अवकाश लेना है तो उसे समय रहते यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी अनुपस्थिति में जिम्मेदारी कौन संभालेगा। संबंधित विभाग को कार्यों की सूची, लंबित मामलों, महत्वपूर्ण निर्णयों और आवश्यक संपर्कों की जानकारी दी जा सकती है। एक सक्षम व्यक्ति को अस्थायी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इससे महिला को भी बिना तनाव के मातृत्व का समय मिलेगा और जनता या संस्था का काम भी प्रभावित नहीं होगा। लेकिन यह व्यवस्था केवल महिलाओं के लिए क्यों हो?

यदि कोई पुरुष अधिकारी बीमारी, व्यक्तिगत कारण या किसी अन्य वजह से लंबे समय के लिए अनुपस्थित होता है तो उसके लिए भी यही नियम होना चाहिए। किसी भी महत्वपूर्ण पद की व्यवस्था व्यक्ति-निर्भर नहीं होनी चाहिए। व्यक्ति अनुपस्थित हो सकता है, लेकिन संस्था अनुपस्थित नहीं हो सकती। यही बात हमें अपने प्रशासनिक ढांचे में समझनी होगी। दुर्भाग्य से हमारे समाज में अधिकारों की चर्चा बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों की चर्चा उतनी नहीं होती। हम अपने अधिकारों को लेकर सजग हैं, लेकिन कई बार यह भूल जाते हैं कि प्रत्येक अधिकार के साथ किसी न किसी रूप में जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

महिलाओं को केवल इसलिए महत्वपूर्ण पद से वंचित कर देना कि भविष्य में वह मां बन सकती है, अन्याय होगा। इसलिए जापान की मेयर कवाटा का मामला केवल मातृत्व अवकाश का मामला नहीं है। यह इस बड़े प्रश्न से भी जुड़ा है कि महिलाओं को सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व में आगे कैसे लाया जाए। लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि सार्वजनिक जिम्मेदारियों की गंभीरता कम कर दी जाए। बल्कि इसके विपरीत, व्यवस्था को इतना मजबूत बनाना होगा कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण जनता का काम बाधित न हो। यही सिद्धांत निजी क्षेत्र में भी लागू होना चाहिए। कर्मचारी को वेतन इसलिए मिलता है क्योंकि वह काम के बदले पारिश्रमिक प्राप्त करता है। मातृत्व अवकाश उस कर्मचारी का कानूनी अधिकार है, लेकिन संस्था की कार्य निरंतरता भी नियोक्ता की जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को एक-दूसरे के अधिकार और जिम्मेदारी का सम्मान करना होगा। इसलिए असली बहस यह नहीं होनी चाहिए कि महिला को मातृत्व अवकाश मिले या नहीं।

सही सवाल यह होना चाहिए कि महिला को आवश्यक मातृत्व अवकाश मिले और उसकी अनुपस्थिति में जनता, संस्था या सरकार का काम बिना बाधा कैसे चलता रहे। जापान का यवाता मॉडल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण देता है। मेयर को मातृत्व का अधिकार मिलता है और उनकी अनुपस्थिति में उपमहापौर प्रशासन संभालते हैं। भारत को भी इसी तरह की स्पष्ट व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों के लंबे अवकाश के लिए कार्यभार हस्तांतरण, वैकल्पिक जिम्मेदारी, निर्णय लेने की सीमा और जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। इससे न महिला के अधिकारों पर सवाल उठेगा और न जनता के अधिकार प्रभावित होंगे।

इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी भी विचारणीय है। मार्च 2026 में महिलाओं के लिए अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की मांग पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता जताई कि यदि ऐसी छुट्टी को कानूनन अनिवार्य कर दिया गया तो इसका उलटा असर महिलाओं के रोजगार पर पड़ सकता है और नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से ही हिचक सकते हैं। अदालत का आशय महिलाओं के अधिकारों का विरोध करना नहीं था, बल्कि यह चेतावनी देना था कि किसी भी कल्याणकारी प्रावधान के अनपेक्षित परिणामों पर भी विचार होना चाहिए। अदालत ने स्वैच्छिक रूप से ऐसी सुविधाएं देने को सकारात्मक माना, लेकिन अनिवार्यता को लेकर रोजगार और करियर पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान दिलाया। यही बात मातृत्व अवकाश की बहस में भी महत्वपूर्ण है। महिला को मातृत्व का अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन ऐसी व्यवस्था भी बननी चाहिए जिसमें महिला के अधिकार सुरक्षित रहते हुए नियोक्ता, संस्था और जनता पर उसका प्रतिकूल प्रभाव न्यूनतम हो।

अंततः हमें अधिकार और जिम्मेदारी को एक-दूसरे का विरोधी बनाना बंद करना होगा। मातृत्व का सम्मान होना चाहिए, महिलाओं को समान अवसर मिलना चाहिए और किसी महिला को मां बनने की कीमत अपने करियर से नहीं चुकानी चाहिए। लेकिन जिस पद को जनता या नियोक्ता ने विश्वास के साथ सौंपा है, वह पद भी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है। वह जनता की अमानत है। मातृत्व का अधिकार भी सुरक्षित रहना चाहिए और जनता का अधिकार भी। महिला को अवकाश भी मिलना चाहिए और व्यवस्था भी चलती रहनी चाहिए। यही अधिकार और कर्तव्य का संतुलन एक परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

राशिफल

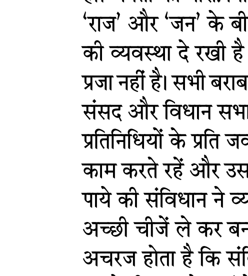

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 26 अगस्त, 2026

सावन मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, श्रावण नक्षत्र रात्रि 12:48 तक, सौभाग्य योग प्रातः 7:54 तक, तैतिल करण प्रातः 8:00 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 12:48 तक है। आज आखेटक त्रयोदशी और शिव पवित्रारोहण, ईद-ए-मिलाद (बारावफात), ओणम (केरल) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:53 से 12:29 तक, चर 3:40 से 5:15 तक, लाभ 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:50

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। चलते कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण/संयम रखना ठीक रहेगा। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे और नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

मकर
मानसिक तनाव दूर होगा। मनः स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 25 प्रभात जयपुर, बुधवार 26 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

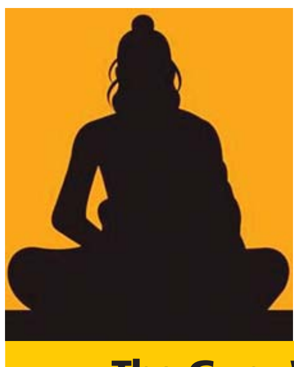

The Guru We No Longer Treat as One

The cost of that mismatch will not show up this year or next. It will show up a decade from now, in graduates who can clear an exam but struggle to hold a value, and by then, it will be too late to ask who was supposed to teach them

The Gentle Foundation of Melody and Emotion

प्र.मंत्री न तो संघ के सामने झुकना चाहते हैं और न ही ऐसी छवि चाहते हैं

इसीलिए संघ के जितने भी सुझाव आ रहे हैं, वे उन पर कोई निर्णय नहीं ले रहे

- बताया जाता है कि आरएसएस चाहता है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को संसदीय बोर्ड में शामिल किया जाए, लेकिन प्रधानमंत्री इसके पक्ष में नहीं हैं।
- अगर फड़नवीस को संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया तो अन्य मुख्यमंत्रियों को बोर्ड में शामिल करने की मांग उठ सकती है और प्रधानमंत्री मोदी संसदीय बोर्ड में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को कदापि लेना नहीं चाहते हैं।
- यह भी कहा जा रहा है कि अगर प्रधानमंत्री ने यह मांग मान ली तो अगली मांग गडकरी या राजनाथ सिंह को उपप्रधानमंत्री बनाने की हो सकती है। यही वजह है कि सभी निर्णय अधरझूल में हैं।
- सूत्रों का कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णय मोहन भागवत की विदेश यात्रा से वापसी के बाद हो सकते हैं, जो अमेरिका, कैनडा व ब्रिटेन की यात्रा पर हैं और संघ की विचारधारा के लोगों से मिल कर भारत की स्थिति पर सलाह मशविरा कर रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। नरेन्द्र मोदी सरकार इस समय असमंजस की स्थिति में फंसी हुई है। लंबे समय से चर्चित केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल, मुख्यमंत्रियों के बदलाव, संसदीय बोर्ड के गठन और अन्य महत्वपूर्ण फैसलों को फिलहाल रोक दिया गया है।

इसकी मुख्य वजह आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) है।

आरएसएस अपनी विचारधारा और दृष्टिकोण के अनुरूप कुछ बदलाव और कुछ महत्वपूर्ण फैसले चाहता है। यही वह बिंदु है, जहां मामला अटक गया है।

प्रधानमंत्री न तो आरएसएस के सामने झुकना चाहते हैं और न ही ऐसा दिखाना चाहते हैं कि वे संघ के दबाव में आ रहे हैं। यही कारण है कि वे आरएसएस की कई सिफारिशों को स्वीकार करने में हिचक रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, आरएसएस चाहता है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को भाजपा संसदीय बोर्ड में शामिल किया जाए।

लेकिन प्रधानमंत्री इसका विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यदि फडणवीस को संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया तो इसके बाद अन्य मुख्यमंत्रियों को भी इसमें शामिल करने की मांग उठेगी।

इसके बाद यह सुझाव सामने आया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी संसदीय बोर्ड में शामिल कर लिया जाए।

इस सुझाव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह दोनों को नाराज कर दिया।

यदि मोदी इस मांग को स्वीकार करते हैं तो इसके बाद अगली मांग नितिन गडकरी या राजनाथ सिंह में से किसी एक को उपप्रधानमंत्री बनाए जाने की हो सकती है।

यही वजह है कि फिलहाल सभी बड़े संगठनात्मक और राजनीतिक बदलावों को रोक दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि कई महत्वपूर्ण फैसले मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा के बाद लिए जा सकते हैं। भागवत तीन देशों, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के दौरे पर जाने वाले हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांके बिहारी मंदिर का चढ़ावा मंदिर के खाते में जमा हो

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर की प्रबन्धन समिति को चढ़ावा हासिल करने व हिसाब के लिये पारदर्शी सिस्टम बनाना चाहिये।

नई दिल्ली, 25 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान के मामले पर सुनवाई करते हुए कहा है कि मंदिर में दान किया गया एक-एक पैसा भगवान के खजाने में जमा होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मंदिर के आधिकारिक वेबसाइट या दान पेटियों के जरिए ये राशि सीधे मंदिर के खाते में जानी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मंदिर से जुड़ा कोई भी व्यक्ति मंदिर के खजाने में जमा होने से पहले चढ़ावे की राशि पर अपना अधिकार नहीं जता सकता है। उच्चतम न्यायालय ने मंदिर की प्रबंधन समिति को चढ़ावा हासिल करने और उसके हिसाब के लिए एक पारदर्शी सिस्टम स्थापित करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य गड़बड़ियों को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी प्रकार के चढ़ावे का उचित ढंग से हिसाब रखा जाए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मंदिर में दिया गया दान भगवान के लिए है।

अमेरिका और चीन के संबंध टकराहट के रास्ते पर

ईरान से ऑयल खरीदने वालों के लिए अमेरिका की नई नीति में अप्रत्यक्ष रूप से चीन को चुनौती दी गई है, क्योंकि ईरान के ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार चीन ही है

- हालांकि, अमेरिका ने अपनी इस नई नीति में ईरान से जुड़ी कंपनियों, जहाजों व लोगों को निशाना बनाया है, चीन की कंपनियों को नहीं। इससे लगता है कि वॉशिंगटन व्यापक आर्थिक टकराव शुरु किए बिना ही चीन पर दबाव बनाना चाहता है।
- यूएस-चीन इकोनॉमिक एंड सिक्युरिटी रिव्यू कमीशन के अनुसार, ईरान द्वारा निर्यात किए जाने वाले तेल का 90 प्रतिशत चीन खरीदता है, इससे ईरान को हर साल अरबों डॉलर की आय होती है और इस आय को कम करना चीन पर दबाव बनाए बिना संभव नहीं है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। अमेरिका ने ईरान से तेल खरीदने को लेकर चीन को चेतावनी दी है। इससे वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच एक नए आर्थिक टकराव की आशंका बढ़ गई है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने अभी तक चीनी संस्थाओं पर बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाने से परहेज किया है।

ईरान से तेल खरीदने वाले देशों के लिए अमेरिकी ट्रैज़री सैक्रेटरी स्कॉट बैसैंट की "आर्थिक डी-डे" (इकोनॉमिक डी-डे) की चेतावनी को मुख्य रूप से चीन के लिए माना जा रहा था, क्योंकि ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा चीन खरीदता है। फिर भी, अमेरिका के हाल के प्रतिबंधों में ईरान से जुड़ी कंपनियों, लोगों और जहाजों को निशाना बनाया गया, न कि चीन के बड़े वित्तीय संस्थानों को। इससे संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन व्यापक आर्थिक टकराव शुरू किए बिना बीजिंग पर दबाव बनाना चाहता है।

बैसैंट ने सोमवार को कहा, "हम जानते हैं कि वे कौन हैं। वे भी जानते हैं कि वे कौन हैं।" इससे संकेत मिला कि ईरान के साथ व्यापार जारी रखने वाले देशों को चेतावनी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी कड़ी कार्रवाई से पहले अपनी अपेक्षाएं बताने के लिए "शांत कूटनीति" का इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका की इस रणनीति के लिए चीन सबसे बड़ी परीक्षा है। यू.एस.-चीन इकोनॉमिक एण्ड सिक्यूरिटी रिव्यू कमीशन के अनुसार, ईरान के निर्यात किए जाने वाले तेल का लगभग 90 प्रतिशत चीन खरीदता है। इससे ईरान को हर साल अरबों डॉलर की आय होती है। इसलिए ईरान की तेल से होने वाली आय को गंभीर रूप से कम करने की कोई भी कोशिश चीन से टकराव के बिना संभव नहीं है।

तथापि, चीन ने अमेरिकी दबाव को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव की रणनीति मूल समस्याओं का समाधान नहीं करेगी, बल्कि इससे तनाव और बढ़ने का खतरा होगा।

लिन ने कहा, "चीन संबंधित घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ने चलाई स्पेशल ट्रेन "कांदा एक्सप्रेस"

प्याज़ के दामों में 59 प्रतिशत वृद्धि होने से चिंतित सरकार ने यह कदम उठाया है

- महाराष्ट्र के नासिक से चलने वाली यह ट्रेन दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि, मदुरै और गुवाहाटी तक जाएगी।
- इस पहल के तहत सोमवार को 800 टन प्याज़ नासिक से दिल्ली भेजा गया था।
- सरकार बड़ी-बड़ी मंडियों में प्याज़ का स्टॉक भेज रही है, ताकि प्याज़ के खुदरा दामों में कमी की जा सके।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। पिछले कुछ सप्ताह में प्याज की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद सरकार ने थोक और खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अपने "बफर स्टॉक" से प्याज़ की सप्लाई बढ़ाने का फैसला किया है। इसके लिए विशेष रेल शुरू की गई है।

सरकार ने "कांदा एक्सप्रेस" की पहल करते हुए, महाराष्ट्र के नासिक से पांच प्रमुख शहरों-दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि, मदुरै और गुवाहाटी तक रेल के जरिए प्याज़ भेजना शुरू कर दिया है।

ताजा हस्तक्षेप के तहत, सोमवार को नासिक के "लासलगांव" से 800 टन से अधिक बफर स्टॉक का प्याज़ दिल्ली भेजा जाएगा।

सरकार का तत्काल लक्ष्य प्रमुख मंडियों में बड़ी मात्रा में प्याज पहुंचाना है, ताकि थोक कीमतों में कमी आए। थोक दरों में स्थाई गिरावट आने से आगे चलकर खुदरा प्याज़ की कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है, खासकर दिल्ली-एनसीआर में।

प्याज़ की कीमतों में 59 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद सरकार ने बाजार में अपना हस्तक्षेप बढ़ा दिया है, हालांकि उसका कहना है कि देश में प्याज़ की कुल उपलब्धता फिलहाल पर्याप्त है।

प्याज़ की कीमतों में मौसमी उतार-चढ़ाव का असर उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है, क्योंकि अलग-अलग फसल चक्रों से आने वाली आपूर्ति में बदलाव होता रहता है। लेकिन केन्द्र सरकार का कहना है कि आने वाले महीनों में घरेलू मांग पूरी करने के लिए देश में प्याज़ का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

सरकार बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अपने प्याज़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्रीमी लेयर लागू करने के लिये दो साल का समय दें- केन्द्र सरकार

- सरकार का कहना है कि इस फैसले का असर सरकारी नौकरियों, सीनियॉरिटी, उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिलों पर पड़ सकता है।

नई दिल्ली, 25 अगस्त। केन्द्र सरकार ने क्रीमी लेयर मामले में उच्चतम न्यायालय के 11 मार्च के फैसले को पिछली तारीख से लागू करने के लिए दो साल का समय देने की मांग की है। केन्द्र सरकार का कहना है कि इस फैसले का असर सरकारी नौकरियों, सर्विस और कैंसर आवंटन, सीनियरिटी, उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला और 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों पर पड़ सकता है।

केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने सोच समझकर निर्णय लिया, सीजेपी के रूल्स को दूर से देखें व कुछ सीखें

इस नीति के तहत कांग्रेस ने अपनी राजनैतिक रैलियों का स्वरूप भी बदला है

- इस संबंध में पुणे में हुए राहुल गांधी के "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम का उदाहरण दिया जा सकता है, जिसमें सिर्फ लड़कियों की समस्याओं पर फोकस किया गया था।
- राहुल गांधी ने कार्यक्रम में कहा, जंतर-मंतर के प्रदर्शनकारियों के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी का लड़के-लड़कियों के प्रति पक्षपात पूर्ण रूख था। जिस बात के लिए लड़कियों से माफी मंगवाई गई, उसके लिए लड़कों को कुछ नहीं कहा गया।
- कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सामान्यतौर पर युवा की बात करने से काम नहीं चलेगा। युवा लड़कों व युवा लड़कियों की समस्याओं और मुद्दों को अलग-अलग नज़रिए से देखना होगा।
- हालांकि, सीजेपी आंदोलन की शुरुआत में कांग्रेस ने जानबूझ कर इससे दूरी रखी, क्योंकि तब पार्टी को आशंका थी कि यह भाजपा द्वारा प्रायोजित अभियान हो सकता है और इसका लक्ष्य पेपर लीक व अयोध्या राम मंदिर की चढ़ावा चोरी से संबंधित कांग्रेस के अभियानों को कमज़ोर करना हो सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को 22 अगस्त को पुणे ले गए, जहां विशेष रूप से युवा महिलाओं के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सतही तौर पर यह केवल कार्यक्रम के आयोजन से जुड़ा एक छोटा-सा फैसला लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह कांग्रेस के भीतर पिछले दो महीनों से चल रही बहस के नतीजे को दर्शाता है।

कार्यक्रम का प्रारूप भी महत्वपूर्ण था। छात्राओं ने हिंसा, आवाजाही पर पाबंदियां, घर की असमान जिम्मेदारियां, आर्थिक स्वतंत्रता की कमी और सुरक्षा के नाम पर लगाए जाने वाले सामाजिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर बात की।

राहुल गांधी ने इन शिकायतों को जंतर-मंतर के प्रदर्शनों से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी ने विशेष रूप से युवा महिलाओं द्वारा किये गये अभद्र भाषा के इस्तेमाल को "सांस्कृतिक झटका" बताया, लेकिन पुरुष प्रदर्शनकारियों के इसी तरह के व्यवहार पर कुछ नहीं कहा।

जेन ज़ैड के लोकप्रिय नारे "पितृसत्ता खत्म करो" (स्मैश पैट्रिआर्की) का इस्तेमाल करते हुए ,राहुल गांधी ने कांग्रेस को उन युवा महिलाओं के साथ खड़ा करने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तरुण तेजपाल दो सप्ताह में सरैंडर करें

- सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 22 सितम्बर को।

नई दिल्ली, 25 अगस्त। अपने सहयोगी से दुष्कर्म मामले में सजायाफ्ता तहलका के पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। जस्टिस आलोक अराधे ने तरुण तेजपाल को दो हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

इस मामले की सुनवाई के दौरान, गोवा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अपने सहयोगी से दुष्कर्म के मामले में दोषी करार दिए गए तहलका के पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल करने के पहले सरेंडर कर देना चाहिए था। सुनवाई के दौरान तरुण तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि तरुण तेजपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान से व्यापार के कारण अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों को दंड के लिए चिन्हित किया है

क्या यह अमेरिका द्वारा भारत की संप्रभुता को चुनौती देना नहीं है

- ईरान को सैन्य युद्ध में झुकाने में असफल रहने के बाद अब अमेरिका अनुचित आर्थिक युद्ध का सहारा ले रहा है आर अन्य देशों को ईरान के खिलाफ अपने साथ आने के लिए मजबूर कर रहा है।
- अमेरिका के इस कदम ने मोदी सरकार को अटपटी स्थिति में डाल दिया है और विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा थमा दिया है। देखना यह है कि मोदी सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।
- भारत की जिन चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगे हैं, उन पर ईरान से पैट्रोलियम व पैट्रोलियम उत्पादों की खरीद, अधिग्रहण, बिक्री, परिवहन व बिक्री के आरोप लगाए गए हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। अमेरिकी विदेश विभाग की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार के स्वीकृत नियमों और तौर-तरीकों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए, अमेरिका ने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात करने वाली भारत स्थित चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह जानकारी अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

ईरान को युद्ध के मैदान में अपनी मनमानी के आगे झुकाने में बुरी तरह विफल रहने के बाद ट्रंप प्रशासन अब अनुचित आर्थिक युद्ध का सहारा ले रहा है। इसके तहत, वह स्वतंत्र देशों पर तेहरान के साथ व्यापार बंद करने का दबाव बना रहा है। संक्षेप में, अमेरिका अन्य देशों को ईरान के खिलाफ अपने युद्ध में शामिल होने के लिए मजबूर कर रहा है, जो उनकी संप्रभुता और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के अधिकार को चुनौती देता है।

अमेरिका के इस कदम ने एक बार फिर मोदी सरकार को असहज स्थिति में डाल दिया है, क्योंकि नई दिल्ली अमेरिका द्वारा लगातार किये जा रहे अपमान को बिना किसी विरोध के स्वीकार करती रही है।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को "ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट" की घोषणा की। इसके तहत नए प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनका उद्देश्य ईरान के लिए आय के सभी संभावित स्रोतों को रोकना है। अमेरिका ने अन्य देशों से भी तेहरान के साथ आर्थिक संबंध समाप्त करने को कहा है और ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बेसेंट ने इसे ईरान की वित्तीय जीवनरेखाओं को काटने के लिए चलाया जा रहा अभूतपूर्व अभियान बताया। इससे उन संस्थाओं, जो देश, व्यवसाय या संगठन हो सकते हैं, पर सेकेंडरी सैंक्शंस का खतरा बढ़ गया है, जो तेहरान के साथ कारोबार जारी रखते हैं।

प्रतिबंधों की कार्रवाई का सामना करने वाली चार भारत स्थित कंपनिया में कस्टम्स ब्रोकर पोर्टईज़ पार्टनर्स एलएलपी भी शामिल है। इसके साझेदार इदरीसमिया अशरफमिया शेख और हरीश रामचंद्र रंगी भी कार्रवाई के दायरे में हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इन लोगों ने ईरान से पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कई खेपों के आयात में मदद की थी।

अन्य भारतीय कंपनियों में सदाशिव ओवरसीज़ लिमिटेड, पीपी सॉफ्टटेक प्राइवेट लिमिटेड, इसके निदेशक प्रशांत गर्ग और प्रकृतिस इन्फ्रा इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

विदेश विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार, शेख, रंगी और गर्ग भारतीय नागरिक हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सदाशिव ओवरसीज़ ने विभिन्न कंपनियों से लगभग 6.9 करोड़ डॉलर मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया, जबकि पीपी सॉफ्टटेक और प्रकृतिस इन्फ्रा ने लगभग 2.5-2.5 करोड़ डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट प्रदर्शन की जांच समिति को पुनर्गठित करें'

- सुप्रीम कोर्ट में याचिका पेश।

नई दिल्ली, 25 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक याचिका का उल्लेख किया गया, जिसमें दिल्ली में हाल में छात्र प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध पुलिस की ज्यादतियों और पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हिंसा के आरोपों की जांच के लिए बनी पांच सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति के पुनर्गठन की मांग की गई है।

इस समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी हैं।

समिति के संयोजन पर आपत्ति जताते हुए कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ के समक्ष यह मामला उठाया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बड़नगर में धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा

पावटा। ग्राम बड़नगर स्थित गणेश दास मंदिर स्थित शिवालय परिसर में तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। रविवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा गोपाल बगीची महंत से प्रारंभ हुई, जिसे महंत ज्ञानदास महाराज ने विधिवत पूजा-अर्चना कर रवाना किया। श्रद्धालु धार्मिक जयकारों के साथ कलश यात्रा में शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। सोमवार को रामायण पाठ के समापन अवसर पर विधिवत हवन-पूजन किया गया। हवन कुंड में श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

राज्यपाल ने दौसा में टीबी, नशा मुक्ति व शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली

दौसा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी की स्थिति, मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई तथा शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए टीबी मरीजों को समय पर पूरा उपचार मुहैया कराने, 'नशा मुक्त दौसा' बनाने के लिए नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक ली।

- टीबी मरीजों को समय पर मिले पूरा उपचार : राज्यपाल
- बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

राज्यपाल ने जिले में टीबी की स्थिति की समीक्षा करते हुए वर्तमान में टीबी से ग्रसित मरीजों की संख्या, उनकी औसत आयु और उपचार की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त जिले का लक्ष्य रखते हुए टीबी के प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने जिले में मादक पदार्थों के उपयोग एवं नशे की स्थिति की समीक्षा करते हुए 'नशा मुक्त दौसा' बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं के मन में नशे के प्रति नकारात्मक भावना विकसित की जाए। नशीले पदार्थों के स्त्रोतों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस मादक पदार्थों के स्त्रोत तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को अपने कार्मिकों के स्तर पर भी नशा मुक्ति के लिए पहल करनी चाहिए। शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह रोकने के लिए संबंधित विभाग समन्वय से कार्रवाई करें। पुलिस नशे के नेटवर्क के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करते हुए लगातार निगरानी एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, शिक्षकों की उपलब्धता तथा विषयवार शिक्षकों की स्थिति सहित विभिन्न मानकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने और उसे आगे बढ़ाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। जितने अधिक नागरिक शिक्षित होंगे, उतना ही देश मजबूत होगा।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा, पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित, अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

कलश यात्रा में गूंजे मतदान जागरूकता के संदेश

निवाई। नगर निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह के निर्देशानुसार नगर पालिका के तत्वावधान में स्वीप प्रभारी रामेश्वर मीणा एवं सहप्रभारी मीरा चौधरी के नेतृत्व में स्वीप कार्यक्रम के तहत महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। जिसके दौरान मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर सजे हुए कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान मेरा वोट, मेरा अधिकार, मजबूत लोकतंत्र की पहचान, हर मतदाता करे मतदान सहित विभिन्न मतदाता जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान निष्पक्ष, निर्भीक एवं शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने तथा अपने मताधिकार का स्वयं प्रयोग करने के साथ अन्य मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अधिशाषी अधिकारी नवरतन शर्मा एवं विकास अधिकारी हंसराज गुर्जर, स्वीप प्रकोष्ठ की टीम सदस्य धनसिंह, पप्पूलाल, सुरेश, सुनील व रमेश सहित विकास अधिकारी, नगर पालिका, पंचायत समिति, चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजीविका, समेकित बाल विकास विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग की आशा सहयोगिनियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं एएनएम सहित विभिन्न विभागों की महिला कार्मिकों की सहभागिता रही।

टीकाराम जूली ने विधायक इन्दिरा मीणा के पिता को श्रद्धाजंली दी

टोंक। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने निवाई के जुगलपुरा ढाणी पहुँच कर बामनवास विधायक इंदिरा मीणा के पिता स्वर्गीय जगदीश प्रसाद मीणा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस दौरान कांग्रेस नेता हंसराज गाता, ब्लॉक अध्यक्ष शंकर चौधरी, शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा, ब्रह्म प्रकाश गुर्जर, राजेश चौधरी, हंसराज गुर्जर, सीताराम अलियाबाद राजेंद्र चौधरी सहित सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उर्स मुबारक के झंडे की रस्म अदा की

मनोहरपुर। हजरत ख्वाजा हाजी सूफी अब्दुल मजीद बिस्मिल रह. सीकर वाले के खलीफा ए खाश हजरत सूफी याकूब अली शाह साहब आशिकी बिस्मिल रह. का 28 वा उर्स मुबारक पर आज खानकाहे आशिकी के सज्जादा नशीन सूफी सरफुद्दीन अली बबलू शाह साहब आशिकी की सदारत में झंडे की रस्म अदा की गई सूफी सरफुद्दीन आशिकी ने बताया उर्स मुबारक की सरपरस्ती खानकाहे बिस्मिल सीकर के सज्जादा नशीन हजरत सूफी मोइनुद्दीन जिलानी शाह साहब बिस्मिल करेंगे उर्स मुबारक नाहरी का नाका कब्रिस्तान जयपुर में 27 अगस्त को बड़ी अकीदत एहतराम के साथ मनाया जाएगा दोपहर 3 बजे चद्दर महफिल क़व्वाली होगी शाम 6 बजे मजारे अकदस पर चद्दर अकीदत के फूल पेश किए जाएंगे शाम 7 बजे लंगर पर नियाज़ होगी आए हुवे जायरीन में लंगर तकसीम किया जाएगा रात 10 बजे हल्का ए जिक्र सलातो सलाम और महफिले कव्वाली होगी कव्वाल पार्टी शहादत अली जयपुर ,हाजी टीमू गुलफाम जयपुर, दीन मोहम्मद जयपुर ओर साजिद हुसैन इकबाल कादरी सीकर सूफियाना कलाम पेश करेंगे सुबह 4 बजे कुल ओर रंग की महफिल होगी हिंदुस्तान के सभी शहरों से मुरीद अकीदतमंद उर्स मुबारक में शिरकत करेंगे प्रोग्राम में सूफी सरफुद्दीन अली आशिकी, सूफी नईमुद्दीन शाह अबुल उलाई, बन्ना भाई, इकराम भाई, चांद भाई कानपुर , टीटू फूल वाला, इरशाद अली आगरा, जमालुद्दीन, मैनुद्दीन, इशाक भाई, शोएब अली, चांद कन्नौज, शकील भाई आदि शामिल थे।

पालिका चुनाव की रणनीतियों पर चर्चा

निवाई। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा के फार्म हउस पर ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल जाट एवं शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा के सानिध्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को नगर पालिका चुनाव को लेकर क्षेत्र में चल रही पार्टी की विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। शंकरलाल जाट व शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा ने संगठन की जमीनी स्तर पर मजबूती, वार्ड स्तर पर चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियानों एवं जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी के कार्यक्रमों से अवगत कराया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने एवं जनता के बीच सक्रियता बनाए रखने का आव्हान किया। इस अवसर पर ब्रह्मप्रकाश गुर्जर, सुरेंद्र बेनीवाल, सीताराम शर्मा आलियाबाद, राजेश चौधरी, जयनारायण मीणा, हंसराज गाता, शिवराज करीरिया, प्रवीण माणु, हंसराज गुर्जर, मांगीलाल गुर्जर, दुर्गालाल सैनी, गोविंद चौधरी, सीताराम कटारा, आरिफ कुरैशी एवं तनवीर सहित कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर सामान बेचने पर कार्रवाई

अलवर। जिले में उपभोक्ता संरक्षण के लिए अधिक मूल्य पर वस्तुओं की बिक्री (अंकित मूल्य/एमआरपी से अधिक) की जांच हेतु संचालित विशेष अभियान के तहत आज 4 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 2 प्रतिष्ठानों से 10 हजार रूपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। उपभोक्ता मामले विभाग के विधिक माप विज्ञान अधिकारी ब्रिजेश सेठी ने बताया कि विभागीय टीम द्वारा अलवर शहर में रिलायंस मार्ट मॉल एवं राजा रिटेल शॉप पर डिब्बा बंद वस्तु अधिनियम 2011 के तहत 5-5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा एमआरपी पर वस्तुएं बेचने हेतु पाबंद किया गया। उपभोक्ता हितों के संरक्षण हेतु विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी अभियान जारी रहेगा।

कांग्रेस के मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन आज

निवाई। निकाय चुनाव 2026 को लेकर कांग्रेस के तत्वावधान में 26 अगस्त सुबह 10 बजे गंगा-जमना गार्डन में प्रधान चुनाव कार्यालय का विधिवत समारोह पूर्वक उद्घाटन किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल जाट व शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि उद्घाटन समारोह में सभी 40 वार्डों से टिकट के दावेदार अपने समर्थकों के साथ शामिल होंगे। इस अवसर पर सांसद हरीश मीणा, राजस्थान प्रभारी राजेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, जिलाध्यक्ष सउद सईद सहित सभी वार्ड प्रभारी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

लक्खी मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आज

निवाई। श्री देवनारायण मन्दिर ट्रस्ट जोधपुरिया के तत्वावधान में आयोजित लक्खी मेले की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर 26 अगस्त को ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गुर्जर दौसा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। देवनारायण जी के लक्खी मेले को लेकर बुधवार को प्रात: 11 बजे मन्दिर प्रांगण में बैठक आयोजित होगी। जिसमें फ्लावर डेकोरेशन, लाइट डेकोरेशन, माइक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, टेन्ट व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था व भोजन व्यवस्था हेतु खुली बोली द्वारा टेन्डर प्रक्रिया आयोजित होगी।

शिक्षा व्यवस्था की हालत खराब, सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार : जूली

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की जर्जर शिक्षा व्यवस्था, खाली पदों और सरकारी दावों की पोल खोलते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है।

- 'बहलाना-फुसलाना बंद करे सरकार, बचे हैं सिर्फ 2 साल, बताओ स्कूलों के 12 हजार करोड़ कब और कैसे खर्च करोगे'

उन्होंने कहा कि सरकार ने एक आँकड़ा जारी किया है कि हम स्कूलों के लिए 12,000 करोड़ से अधिक के काम कराएँगे तो सवाल यह है कि कब करवाएँगे और अब तक क्यों नहीं करवाया गया ?

जूली ने स्पष्ट शब्दों में पूछा है कि सरकार का 3 साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है, तब 12,000 करोड़ रुपये का बजट बताने का क्या तुक है? सरकार जवाब दे कि जब समय ही बहुत कम बचा है, तब यह पैसा कब और कैसे खर्च होगा? यह पैसा आखिर है कहाँ, किस स्कीम का है और इसका रोडमैप क्या है? केवल खोखले दावों से जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता।

प्रदेश में शिक्षा की बदहाली सुधारने के लिए जूली ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है, उनका कहना है कि सर्वदलीय बैठक बुलाएँ, आम जनता से भी सुझाव माँगिए, मीडिया से सुझाव माँगिए।

जूली ने कहा कि प्रदेश में स्कूलों की हालत दिन-ब-दिन खतरनाक होती जा रही है। कल ही डूंगरपुर में एक स्कूल की इमारत गिर गई। सरकार ने खुद 3,768 से अधिक स्कूलों को जर्जर घोषित कर रखा है और 85,000 से ज्यादा क्लासरूम की स्थिति बेहद खराब है।

पावटा में शोभायात्रा निकाली

पावटा। रिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पावटा पहुंचे डाक कांवड़ियों का मंगलवार को नगर में भव्य शोभायात्रा के साथ जोरदार स्वागत किया गया। 13 डाक कांवड़िये व 2 सेवादारों इस दौरान श्रीराम डाक कावड़ सेवा संघ राजू शर्मा, प्रहलाद सैन के नेतृत्व में आशीष पंचोली,राहुल शर्मा भांजा, वैभव सोनी, हरिओम भारद्वाज, मनोज सैनी, सोहनलाल सैनी, राजू सैनी, गजेंद्र सिसोदिया, अशोक जांगिड़, महेश सिसोदिया महेश कुमावत, रामोतार यादव ने करीब 62 घंटे में 450 किलोमीटर का पैदल दौड़ सफर तय कर पवित्र डाक कांवड पावटा पहुंचाई। ाचीन गोपाल भैया मंदिर के महंत मोहनदास रामायणी महाराज एवं बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर के महंत जयराम दास त्यागी महाराज, महंत श्री पुरुषोत्तम दास जी महाराज आश्रम श्री पोद्दार दास मंदिर, जोहड़ा धाम के सान्निध्य में निकली शोभायात्रा में साधु-संतों के साथ डाक कांवड़िए शामिल रहे।

स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

कोटपूतली। आगामी नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर जिले में मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता की उपस्थिति में राजकीय महाविद्यालय बानसूर परिसर में 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सहित उपस्थित अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया

अपर्णा गुप्ता ने युवाओं को मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से आगामी नगरीय निकाय चुनाव में अपने मताधिकार का आवश्यक रूप से प्रयोग करने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के अन्य मतदाताओं को भी मतदान के लिए जागरूक करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' जैसी गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश भी आमजन तक पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम नवनीत कुमार, डीएसपी, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विशाल यादव सहित विद्यार्थी एवं महाविद्यालय स्टाफ मौजूद रहे।

चौमूं में भाजपा चुनाव संचालन समिति की बैठक आयोजित

चौमूं / कालाडेरा । आगामी नगर निकाय चुनाव- 2026 की तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा संगठनात्मक रणनीति को गति देने हेतु मंगलवार को चौमूं के खादी बाग रोड स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा चुनाव संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

- चुनावी रणनीति के तहत कार्यों का बंटवारा किया

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा तथा चुनाव प्रभारी सुमन शर्मा ने संचालन समिति के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठक में भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा तथा चुनाव प्रभारी सुमन शर्मा ने संचालन समिति के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और चुनावी रणनीति के तहत कार्यों का बंटवारा किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि "आगामी नगर परिषद चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती और योजनाबद्ध रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी। इस बार प्रत्येक वार्ड में केवल जिताऊ और समर्पित उम्मीदवार को ही पार्टी का प्रत्याशी बनाया जाएगा।

कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत के बल पर हम निश्चित रूप से चौमूं नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनाएंगे।

नगर परिषद चुनाव प्रभारी सुमन शर्मा ने बताया कि वार्डों में नियुक्त प्रभारी एवं सह-प्रभारियों ने अपना कार्य पूर्ण कर रिपोर्ट सौंप दी है। अब प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रत्याशियों के पैनल तैयार कर पार्टी कार्यालय भेजे जाएंगे, जिसके बाद प्रदेश चुनाव समिति बैठकर अंतिम प्रत्याशी का चयन करेगी। उन्होंने जानकारी दी कि मदनलाल अग्रवाल को चुनाव संचालन समिति का संयोजक बनाया गया है, जो पूरे चुनाव की मॉनिटरिंग का कार्य संभालेंगे। इस अवसर पर नगर मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, नानूराम सैनी, कालूराम जाट, मुकेश सैनी, मातादीन अग्रवाल, हजारी लाल शर्मा, प्रहलाद टेलर, जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र कुमावत, एन.आर. यादव, महावीर सिंह, रूपकिशोर शर्मा, सुमन सैनी, वंदना दीक्षित, नेमीचंद बुनकर, महेश मीणा, अरविंद राव, सत्यनारायण पारीक, राजेन्द्र पाटनी अभिषेक सौरेला, राहुल बिवाल, मुकेश जिंदल, मनीष बजाज, सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फुलेरा में शिव चालीसा पाठ सम्पन्न

फुलेरा। सावन माह के पावन अवसर पर स्कूल की ढाणी स्थित श्री काशी विश्वनाथ शिवालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह के प्रत्येक सोमवार को संगीतमय शिव चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

सोमवार को सावन के चौथे सोमवार के अवसर पर आयोजित शिव चालीसा पाठ के साथ कार्यक्रम का समारोहपूर्वक समापन हुआ। आयोजन सहकर्ता सीताराम गौड़ ने बताया कि सनातन धर्म में सावन माह के दौरान भगवान शिव की उपासना का विशेष धार्मिक महत्व है।

इसी भावना के साथ सावन के प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर में संगीतमय शिव चालीसा पाठ एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार सहित भाग लेकर भगवान भोलेनाथ की आराधना की तथा धर्मलाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आरती में भाग लिया। शिव की उपासना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम में सीताराम गौड़, माधोलाल बड़ीवाल, छीतरमल बड़ीवाल, रामलाल बरड़वाल, चन्द्रप्रकाश किरोड़ीवाल, दीपक शर्मा, दौलतराम धांधल, राजू शर्मा, महेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे।

अमरपुरा में 'कानूनी अधिकार' विषय पर शिविर

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने लविन इंटरनेशनल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी अमरपुरा नगरपरिषद शाहपुरा क्षेत्र में दिव्यांग अधिनियम एक्ट 2016 के तहत कानूनी अधिकार विषय पर शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता प्रिंसिपल सुरेन्द्र कुमार यादव द्वारा की गई।

इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने दिव्यांग पीड़ित के साथ दुर्व्यवहार, उनकी सुरक्षा, एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र कैसे बनता है। उसके क्या दूरगामी क्या प्रभाव होते है पर जानकारी दी गई।

सुप्रीम कोर्ट नेदिव्यांग अधिनियम 2016 के अंतर्गत दिव्यांग पीड़ित को प्रताड़ित करने वालों, उसके साथ मारपीट करने वालों को तत्वरित पुलिस कार्यवाही होती है। किसी सार्वजनिक स्थान पर दिव्यांग पीड़ित को जानबूझकर प्रताड़ित करने वाला व्यक्ति कोई भी हो, उसके विरूद्ध अपराधिक मामले बन सकता है, उस पर 5 लाख की पैनाल्टी भी हो सकती है और न्यायिक अधिकारियों द्वारा सजा का प्रावधान भी है। दिव्यांग पीड़ित को प्रधानमंत्री दिव्यांग पैंशन योजना, मुख्यमंत्री दिव्यांग पेंशन योजना, राजस्थान सरकार की रोडवेज बस में दिव्यांग प्रमाण 40 का है तो निशुल्क स्मार्ट कार्ड बनाये जाते है। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नालसा जाग्रति योजना 2025 पर गरीबों और कमजोर वर्गों के लोगों को जागरूक बनाना एवं न्याय को पार्दर्शिता पहल को जमीनी स्तर पर उतारना जिसके गरीब परिवार के अंतिम छौर पर ग्रामीण, ढाणी ढाणी, आदिवासी जाति जनजातियों को सरल सस्ता सुलभता से न्याय मिले।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल से एक ही स्थान पर सभी विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों के संयुक्त प्रयास से शिविर आयोजित कर उनकी समस्याओ को तत्वरित निस्तारण कराया जा सके। गरीबों की महिलाओं बच्चों, अनपढ़ दिव्यांग पीड़ित, वरिष्ठ नागरिकों को घरेलू हिंसा से पीड़ित सभी को किसी विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और निश्चित दिन पर पूर्व घोषित शिविर का प्रचार प्रसार करके आयोजित शिविर में सभी को एक स्थान पर न्याय उपलब्ध कराया जा सके।

'मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करें'

कोटपूतली। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता ने मंगलवार को बानसूर एवं नारायणपुर में संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर बानसूर एवं नारायणपुर में बैठक ली

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं, कार्मिकों की उपलब्धता एवं प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतदाता जागरूकता एवं स्वीप गतिविधियों, स्ट्राँग रूम, मतदान केंद्रों की स्थिति तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सहित विभिन्न बिंदुओं की विभागवार समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी दायित्वों का समयबद्ध एवं गंभीरता से निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। मतदान केंद्रों पर बिजली, प्रकाश, पेयजल, रैंप सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें तथा मानसून को देखते हुए भवन एवं परिसर की व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर किसी भी प्रकार की कमी शेष नहीं रहनी चाहिए और आवश्यक व्यवस्थाओं को मतदान से पूर्व ही पूर्ण कर लिया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में सभी अधिकारी आपसी समन्वय एवं प्रभावी संचार के साथ कार्य करें। निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

किशनगढ़ बास में कलैक्टर व एसपी ने मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

किशनगढ़ बास। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश व एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय, ने मंगलवार को किशनगढ़ बास नगर पालिका क्षेत्र का सघन दौरा कर 8 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम सत्यवीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहे।

किशनगढ़ बास में मतदान केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर, एसपी, एसडीएम सहित अधिकारी।

- पेयजल, बिजली, रैंप सहित मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त करने एवं संवेदनशील बूथों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम के निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने किशनगढ़ बास क्षेत्र में स्थापित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बासकृपाल नगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ बास तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय दयालपुरा के सभी 8 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित बीएलओ से मतदाताओं की संख्या, मतदान केन्द्रों की स्थिति एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली और मतदान कक्षों में आवश्यकतानुसार पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त लाइट लगवाने के निर्देश दिए।

साथ ही प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पेयजल, विद्युत, रैम्प, शौचालय सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने अधिकारियों एवं कार्मिकों को चुनाव संबंधी सभी प्रोटोकॉल की पूर्ण पालना करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने भय एवं दबाव का वातावरण बनाने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर उड़न दस्ते के साथ पर्याप्त पुलिस जाप्ते की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शांतिपूर्ण एवं निर्भीक मतदान के लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी करने पर जोर दिया।

पैसों के विवाद में राजीनामे करने के बहाने बुलाकर युवक की हत्या

चाकू घोंपकर युवक की हत्या करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

- आरोपियों ने मृतक के भाई पर भी चाकू से जानलेवा हमला किया
- गिरफ्तार बदमाशों में भट्टा बस्ती थाने का हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में पैसों के लेनदेन के विवाद का राजीनामा कराने के बहाने बुलाकर युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें भट्टा बस्ती थाने का हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है। वारदात में मृतक का भाई भी चाकू लगने से गंभीर घायल हुआ था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि शास्त्री नगर में पानी की टंकी के पास कुछ दिन पहले कय्युम और रफीक उर्फ बकरी चोर के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। विवाद को सुलझाने और राजीनामा कराने के बहाने दिलशाद उर्फ ढिल्लू ने कय्युम को मंदिर मोड पर बुलाया। कय्युम अपने भाई शाकिर देशवाली के साथ वहां पहुंचा।

पुलिस के अनुसार मौके पर बातचीत के दौरान आरोपियों ने पूर्व नियोजित तरीके से गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान रफीक उर्फ बकरी चोर ने शाकिर देशवाली पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में शाकिर गंभीर घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। बीच-बचाव करने आए कय्युम पर भी हारून ने चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

वहीं इस घटना की गंभीरता को देखते हुए विद्याधर नगर थानाधिकारी सज्जन कुमार और डीएसटी प्रभारी दिलीप सोनी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान कर दबिश दी गई।

पुलिस ने मोहम्मद फरीद उर्फ फर्दू चाचा (37) निवासी न्यू संजय नगर, भट्टाबस्ती, शाहरुख (32) निवासी न्यू संजय नगर, भट्टाबस्ती और दिलशाद उर्फ ढिल्लु (40) निवासी सुदामापुरी, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार मोहम्मद फरीद भट्टाबस्ती थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट व रंगदारी सहित 17 से अधिक मामले दर्ज हैं। शाहरुख के खिलाफ पांच और दिलशाद के खिलाफ तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज बताए गए हैं। पुलिस मुख्य आरोपी रफीक उर्फ बकरी चोर, हारून, आसिफ उर्फ चाकू सहित अन्य फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर वारदात में उनकी भूमिका और हत्या की साजिश से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

शाकिर की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों के अनुसार, शाकिर के घर में करीब दस दिन पहले ही बेटे का जन्म हुआ था। परिवार को क्या पता था कि नवजात के जन्म की खुशियां कुछ ही दिनों में मातम में बदल जाएंगी।

मालवीय नगर में फर्नीचर शोरूम में आग लगी

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में स्थित रस्तौगी फर्नीचर गैलरी में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग शोरूम की तीसरी मंजिल पर लगी, जहां सीतापुरा स्थित फैक्ट्री में तैयार होने वाला फर्नीचर स्टॉक करके रखा जाता था। आग की चपेट में आने से यहां रखा करीब 30 लाख रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया। हालांकि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

मालवीय नगर थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि देर रात शोरूम की तीसरी मंजिल से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। देखते ही देखते आग ने वहां रखे फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। शोरूम में फर्नीचर का स्टॉक होने के कारण आग तेजी से फैल गई और आसपास के इलाके में धुआं फैल गया। दमकल की करीब पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकलकर्मियों की मशक्कत के बाद रात करीब साढ़े 12 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग से शोरूम की तीसरी मंजिल पर रखा फर्नीचर पूरी तरह जल गया। प्रारंभिक तौर पर करीब 30 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है।

होटल के कमरे में चल रहा था ऑनलाइन जुआ-सट्टा

युवती समेत तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

आरोपी परीना गिरी, अशोक पौडेल और पवन वैष्णव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में मेलोडी होटल के कमरे में ऑनलाइन जुआ-सट्टा संचालित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को होटल के कमरा नंबर 204 में दबिश देकर एक युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से दो लैपटॉप, एक टैबलेट और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच के जरिए सट्टे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशोक पौडेल निवासी कुर्गा, जिला पर्वत, नेपाल, परीना गिरी (23) निवासी पड़रिया, जिला बाड़गंगा, नेपाल और पवन वैष्णव (38) निवासी इटरनल एग्जोटिया, पुणे, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर मेलोडी होटल के कमरा नंबर 204 में दबिश दी। मौके पर दो युवक और एक युवती मिले। पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन माध्यम से क्रिकेट सहित अन्य खेलों पर लोगों से रुपए लगवाकर सट्टा संचालित कर रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर ऑनलाइन सट्टा चलाते थे। मौके पर करीब छह लाख रुपए के लेन-देन का हिसाब मिला, जबकि एक महीने का अनुमानित कारोबार करीब 18 लाख रुपए बताया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी नेपाल और महाराष्ट्र से जयपुर पहुंचे थे और यहां होटल में कमरा लेकर ऑनलाइन सट्टे का संचालन कर रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क से कितने लोग जुड़े हुए हैं और ऑनलाइन सट्टे के जरिए होने वाले लेन-देन का संचालन कहां से किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो लैपटॉप, एक टैबलेट और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। सभी आरोपियों और बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए वैशाली नगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है। पुलिस बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क, उससे जुड़े अन्य लोगों और आर्थिक लेन-देन की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में आर्थिक पहलू की भी जांच की जाएगी, ताकि दूसरे शहरों से आकर जयपुर में ऑनलाइन सट्टे का संचालन करने वाले लोगों के नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

100 किलो खराब मावा और गुलाब जामुन का पेस्ट नष्ट कराया

जयपुर। 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत त्यौंहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को फुलेरा कस्बे में मिठाई प्रतिष्ठानों और कारखानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की। इस दौरान करीब 100 किलो खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट कराई गई और विभिन्न खाद्य पदार्थों के 10 नमूने जांच के लिए लिए गए।

सीएमएचओ द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि टीम ने मैसर्स राहुल मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया। यहां बाहर से मंगाए गए मावा से मिठाइयां तैयार की जा रही थीं। निरीक्षण के दौरान मावा प्रथम दृष्टया घटिया और खट्टा पाया गया। टीम ने मावा का नमूना लिया और मौके पर ही मावा नष्ट करवा दिया। इसके अलावा मावा बर्फी का एक नमूना जांच के लिए लिया गया। दूसरी कार्रवाई मैसर्स शर्मा मिष्ठान भंडार के पिपली का बास स्थित मिठाई कारखाने में की गई। यहां गुलाब जामुन तैयार करने के लिए मावा और मैदा का करीब 50 किलो पेस्ट तैयार कर कोल्ड स्टोर में रखा हुआ था। जांच के दौरान पेस्ट खराब पाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने इसका नमूना लेकर करीब 50 किलो पेस्ट मौके पर ही नष्ट करवा दिया। इसके अलावा मिल्क केक और दूध के नमूने भी लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान लिए गए सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजा है। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, राजेश नागर और ओमाशंकर शामिल रहे।

वाणिज्यिक कर विभाग की कार्रवाई में चिन्हित हुआ 2.83 करोड़ रु. टैक्स

- **खैरथल, अलवर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, सांगड़िया, श्रीगंगानगर, कोटपूतली-बहरोड़, सवाईमाधोपुर, नीमराना एवं भिवाड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों में की थी कार्रवाई**

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग ने कर चोरी एवं अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के खिलाफ 14 से 19 अगस्त के दौरान राज्यभर में सघन सर्वे एवं तलाशी अभियान चलाया। खैरथल, अलवर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, सांगड़िया, श्रीगंगानगर, सवाई माधोपुर, नीमराना, कोटपूतली-बहरोड़ एवं भिवाड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में करीब 2.83 करोड़ रुपए की प्रारंभिक कर देयता चिन्हित की गई।

कार्रवाई के दौरान करदाताओं ने करीब 2.06 करोड़ रुपए स्वेच्छा से जमा या रिवर्स किए। खैरथल की रामचंद्र राम निवास ऑयल मिल्स के मामले में गैर-मौजूद फर्म से करीब 20 लाख रुपए की आईटीसी लेने का मामला सामने आया। फर्म ने 19.05 लाख रुपए जमा किए। अलवर की आर.आर. ऑयल एंड फैट्स प्राइवेट लिमिटेड में भी गैर-मौजूद फर्म से करीब 15 लाख रुपए की आईटीसी लेने का मामला सामने आया, जिसमें 14.85 लाख रु. जमा किए गए। चित्तौड़गढ़ की मेवाड़ इन्फ्रा डेवलपर्स एलएलपी में करीब 32 लाख रुपए की अपात्र आईटीसी पाई गई, जिसे करदाता ने रिवर्स किया। नीमराना की कमल सीईडी सॉल्यूशंस एलएलपी में करीब 20.51 लाख रुपए की अपात्र आईटीसी का मामला सामने आया। भिवाड़ी की विरगो ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड में करीब 50 लाख रुपए की आईटीसी की जांच के दौरान 74.15 लाख रुपए स्वेच्छा से जमा किए गए। श्रीगंगानगर की श्री टायल इंडस्ट्रीज में स्टॉक एवं उत्पादन में अंतर से करीब 22 लाख रुपए की संभावित कर देयता चिन्हित हुई, धौलपुर की यादव इलेक्ट्रिकल्स में 19.73 लाख रुपए की संभावित देयता सामने आई। सांगड़िया की वीर चंद एंड संस में 10.08 लाख रुपए तथा सवाई माधोपुर की अंबिका बल्क कैरियर में 78.58 लाख का कर प्रभाव चिन्हित किया।

कलाकारों ने बिखेरे मल्हार के इंद्रधनुषी रंग

जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान की ओर से मंगलवार को दो दिवसीय संगीत समारोह शुरू हुआ। समारोह के पहले दिन मल्हार के विभिन्न रूपों में सावन की छटा निखर उठी।

बाल एवम् युवा कलाकारों ने सुरीले सुरों में राग मल्हार के इंद्रधनुषी रंग दर्शाए। कलाकारों ने मेघ मल्हार, गौड़ मल्हार, रामदासी मल्हार, सुर मल्हार, मियां की मल्हार, मोद मल्हार के सुर साधे। इस दौरान कलाकारों ने कहीं काली घटाओं की आहट, कहीं फुहारों की चंचलता, कहीं गंभीरता को सुरों में पिरोया। खुशबू कंवर, वनिता हिरानी, वरुण जांगिड़, अंजलि शर्मा, गर्विता मंगल, निधि कुमारी, जयति कुमारी, विशाल, नीरव शर्मा, दिव्यांगिनी शर्मा, रियाशी अग्रवाल, पुष्पेंद्र सिंह जैसे कलाकारों ने विभिन्न तालों में बंदिशों में राग मल्हार के कई रूपों को साकार किया। सभी कलाकारों ने सुरों के खूबसूरत लगाव, ठहराव से खासा प्रभावित किया। सचिव अमित अनुपम ने बताया कि समारोह के आखिरी दिन बुधवार को बॉलीवुड के अमर गायक मुकेश की याद में कार्यक्रम होगा।

सार-समाचार

सरलता सिद्धि का मार्ग व साधना का द्वार'

जयपुर। अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर में सोमवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्य तुलसी की कृति 'भरत मुक्ति' पर प्रवचन करते हुए मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि सरलता सिद्धि का मार्ग है और साधना का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव जी की माता भगवती मरुदेवा अपनी सहज आंतरिक निर्मलता और हृदय की सरलता के कारण सिद्धत्व को प्राप्त हुई थीं। मुनिश्री ने जीवन में ऋजुता का गुण अपनाने का आ ान करते हुए कहा कि सरल रहकर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि निष्कपट भाव बालक की विशेषता है, इसलिए सरलता सफलता और सिद्धि का मार्ग है। मुनिश्री संभव कुमार ने कहा कि धर्म साधना में सरलता पहली शर्त है। सरलता के बिना धर्माराधना फलदायी नहीं होती। उन्होंने कहा कि साधना में प्रवेश के लिए सरलता जरूरी है, क्योंकि सरल भाव रखने से शुद्धि और सिद्धि दोनों प्राप्त होती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत तीर्थंकर संभव प्रभु की भक्ति गीत से हुई। इस दौरान तनाव मुक्ति एवं स्मरण शक्ति के लिए प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाए गए तथा मंगल संगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एमएनआईटी में मैटेरियल्स क्विज

जयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स, जयपुर चैप्टर की ओर से आयोजित 34वीं प्रो. ब्रह्म प्रकाश मेमोरियल मैटेरियल्स क्विज-2026 में जैपुरिया विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एमएनआईटी जयपुर परिसर में आयोजित दूसरे चरण में विद्यालय की दो टीमों ने प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। कार्तिकेय नरेड़ा एवं सिद्धांत सांड़िल्य की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनिरुद्ध सिंह एवं अनमोल सोनी की टीम द्वितीय स्थान पर रही। विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रथम चरण में जैपुरिया विद्यालय की तीन टीमों ने दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई किया था। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कार्तिकेय नरेड़ा एवं सिद्धांत सांड़िल्य की टीम अब राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विजेता टीम को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

एसडीआरएफ मुख्यालय में पौधारोपण

जयपुर। मानसून सत्र के मद्देनजर एसडीआरएफ बटालियन मुख्यालय गाडोता में सघन वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया। कमांडेंट एसडीआरएफ रेवन्त दान ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य बटालियन परिसर को हराभरा बनाना, पर्यावरण संतुलन बनाए रखना और जवानों में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट नरेश शर्मा, सहायक कमांडेंट जग्गूराम, संजय कुमार शर्मा, दीपक कुमार, उमेश गौतम, रोहित चौधरी और अजय कुमार सहित बटालियन मुख्यालय के अधिकारी तथा रेस्क्यू टीम के जवानों ने पौधारोपण किया। बटालियन के प्रत्येक जवान की ओर से स्वप्रेरणा से पौधे लगाए जा रहे हैं। पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बटालियन स्तर पर विशेष 'ग्रीन टीम' का गठन किया गया है। यह टीम पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और संरक्षण की निगरानी करेगी। अभियान के जरिए एसडीआरएफ परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के साथ जवानों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत किया जा रहा है।

विद्युत निगमों में भर्ती आवेदन की तिथि बढ़ाई

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने कनिष्ठ अभियंता-प्रथम, कनिष्ठ लेखाकार एवं कनिष्ठ सहायक/वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय के कुल 2005 पदों पर सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 25 अगस्त थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 की रात 12 बजे तक कर दिया गया है। अभ्यर्थी विद्युत निगमों की वेबसाइट से ऑनलाइन प्रक्रिया से आवेदन कर सकेंगे।

आईएएस वर्मा और रोडवेज एम.डी. के खिलाफ श्रम न्यायालय के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रोडवेज बस कंडक्टर के बकाया भुगतान से जुड़े मामले में आरएसआरटीसी के तत्कालीन एमडी आईएएस संदीप वर्मा व आरएसआरटीसी के एमडी पुरुषोत्तम शर्मा के खिलाफ श्रम न्यायालय के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही प्रतिवादी को जवाब का समय देकर सुनवाई एक सितंबर को रखी है। जस्टिस अनुरूप सिंघी ने यह आदेश आरएसआरटीसी के एमडी व अन्य की याचिका पर दिए।

जयपुर मेट्रो-द्वितीय के श्रम न्यायालय-1 ने बस कंडक्टर सीताराम के मामले में रोडवेज के तत्कालीन एमडी आईएएस संदीप वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनके वेतन से कटौती कर वार्षिक ब्याज वसूलने सहित बकाया राशि वसूली नहीं होने तक उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही आरएसआरटीसी के एमडी पुरुषोत्तम शर्मा के वेतन से भी कटौती कर अतिरिक्त 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की वसूली करने और वसूली पूरी होने तक उनका वेतन रोकने के लिए कहा था। आरएसआरटीसी की ओर से एएजी भुवनेश शर्मा व अधिवक्ता तुषार शर्मा ने याचिका में अदालत को बताया कि इस मामले में हाईकोर्ट ने 27 जुलाई को ही श्रम न्यायालय के 30 जून, 2026 के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए कहा था कि साल 2002 से पूर्व की अवधि के साप्ताहिक अवकाश के 52 दिनों का भुगतान दस दिन में किया जाए। जिस पर 13,076 रुपए उसी दिन कर्मचारी को दे दिया थे। ऐसे में लेबर कोर्ट को अतिरिक्त निर्देश देने की जरूरत नहीं थी। ऐसे में लेबर कोर्ट के आदेश पर रोक लगाई जाए। जिस पर अदालत ने लेबर कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए प्रतिवादी कर्मचारी को जवाब देने के लिए एक सितंबर तक का समय दिया है।

गणेश चतुर्थी पर्व की व्यवस्थाओं पर चर्चा

गणेश चतुर्थी पर्व तथा शोभायात्रा को लेकर जयपुर में की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा के लिए मंगलवार को मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन की बैठक आयोजित हुई।

जयपुर (कासं)। गणेश चतुर्थी पर्व एवं 15 सितंबर को प्रस्तावित श्री गणेशजी की शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर परिसर में जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में बैठक हुई। कलक्टर ने संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 14 सितंबर को मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी स्थित श्री गढ़गणेश मंदिर, नहर के गणेश मंदिर सहित शहर के अन्य मंदिरों में गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। 15 सितंबर को शाम 4 बजे शोभायात्रा मोती डूंगरी गणेश मंदिर से रवाना होकर मोती डूंगरी रोड, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, चौगान चौराहा एवं ब्रह्मपुरी होते हुए श्री गढ़ गणेशजी मंदिर पहुंचेगी। कलक्टर ने पुलिस एवं यातायात पुलिस को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, यातायात डायवर्जन एवं पार्किंग की व्यवस्था के निर्देश दिए। नगर निगम को सफाई, प्रकाश, पेयजल, अग्निशमन, चल शौचालय एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्था करने को कहा गया। चिकित्सा विभाग को एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम, जेडीए को सड़कों की मरम्मत तथा पीडब्ल्यूडी को बैरिकेडिंग की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। जयपुर डिस्कॉम को निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं ढीले तारों के दुरुस्तीकरण, पीएचईडी को पेयजल, आरटीओ को वाहनों की व्यवस्था तथा नागरिक सुरक्षा विभाग को स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश दिए गए। मंदिरों का फायर ऑडिट कराने के साथ संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित कर सभी विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा गया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मंदिर में 7 से 15 सितंबर तक विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। इनमें 7 सितंबर को कलश यात्रा एवं जलाभिषेक, 8 को पुष्प नक्षत्र पंचामृत अभिषेक एवं विशेष केले की झांकी, 9 को मोदक की झांकी, 10 को फलों की, 11 को सब्जियों की, 12 को फूलों की झांकी, 13 को मेहंदी पूजन एवं सिंजारा तथा 14 सितंबर को विभिन्न आरतियों का आयोजन होगा। 15 सितंबर को शाम 4 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन, डीसीपी यातायात योगेश बंसल, अतिरिक्त जिला कलक्टर दक्षिण युगांतर शर्मा सहित संबंधित विभागों एवं मंदिर प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निकाय चुनाव से पहले प्रदेश में कड़ी नाकाबंदी

राजस्थान पुलिस ने 929 स्थानों पर 50 हजार 662 वाहनों की जांच की

जयपुर। निकाय चुनाव से पहले राजस्थान पुलिस ने अपराधियों व संदिग्ध गतिविधियों पर शिकंजा कसने के लिए प्रदेशभर में 929 स्थानों पर विशेष नाकाबंदी कर 50 हजार 662 वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एमवी एक्ट में 9421 कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था वीके सिंह ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान वाहन चालकों के लाइसेंस, दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच के साथ संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और तस्दीक की गई। पुलिस ने चोरी के वाहनों, अवैध हथियार, मादक पदार्थ और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर भी नजर रखी।

इस नाकाबंदी में 27 हजार 397 दोपहिया और 23 हजार 265 चौपहिया वाहनों की जांच हुई। बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 2,685, बिना सीट बेल्ट 987 और शराब पीकर वाहन चलाने वाले 345 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं अस्पष्ट, निर्धारित पैटर्न से अलग या बिना नंबर प्लेट वाले 779 वाहनों, काली फिल्म लगे 741 वाहनों और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने वाले 171 चालकों पर भी कार्रवाई हुई। पुलिस ने आबकारी, आर्म्स, एनडीपीएस, लोकल एवं स्पेशल एक्ट के तहत 75 एफआईआर दर्ज कर 81 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं धारा 170 बीएनएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई में 205 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान 37 वाहन जब्त किए गए। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से अवैध शराब, मादक पदार्थ और हथियार भी बरामद किए।

अपहरण करके 25 लाख रुपए की फिरौती मांगने वाले बदमाश पकड़े

जयपुर। खोह नागोरियान पुलिस ने अपहरण और फिरौती की वारदात का खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा के अनुसार 24 अगस्त को मुनेश कुमार मीणा ने खोह नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि उसका भतीजा पंकज कुमार मीणा 23 अगस्त की सुबह करीब 3 बजे अपने दोस्त योगेश शर्मा के साथ खातीपुरा आया था। इसी दौरान एक सफेद रंग की चार पहिया गाड़ी ने पंकज की मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद बदमाश पंकज को जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए। इस वारदात के बाद व्हाट्सएप कॉल के जरिए पंकज को छोड़ने के एवज में 25 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने तकनीकी व पारंपरिक पुलिसिंग के साथ सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने अपहृत पंकज को सकुशल दस्तयाब कर लिया। इसके बाद वारदात में शामिल विशु पाराशर (23) निवासी भरतपुर और मंजीत शर्मा (21) निवासी दौसा को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
26 August 2026
A-B

Honouring Our Furry Friends

Observed every year on August 26, National Dog Day is a heartfelt celebration of the loyalty, companionship, and unconditional love that dogs bring into our lives. Founded in 2004 by animal advocate Colleen Paige, the day aims to raise awareness about the plight of rescue and shelter dogs, and to encourage adoption from shelters and rescue organizations. Whether it's a trained service dog or a playful family pet, dogs play countless roles in human lives, from protectors and helpers to loyal friends. On this day, dog lovers across the world honour their furry companions and advocate for their well-being.

#RAAG BILAVAL

The Gentle Foundation of Melody and Emotion

The melody of Jana Gana Mana, India's national anthem, is rooted in Bilaval, which means that millions unknowingly engage with its structure daily

Raga Bilaval is often described as the musical equivalent of first light, clear, balanced, and quietly uplifting. It holds a special place in Indian classical music not because of complexity, but because of its purity. Built entirely on *shuddha swaras* (natural notes), it corresponds closely to the Western major scale, making it one of the most accessible ragas for both learners and listeners. In fact, for many students of Hindustani music, Bilaval is among the very first ragas they encounter before moving on to more intricate melodic frameworks.

Its familiarity runs deep in everyday life. The melody of Jana Gana Mana, India's national anthem, is rooted in Bilaval, which means that millions unknowingly engage with its structure daily. This inherent simplicity, paired with emotional clarity, gives the raga a universal appeal. It evokes feelings of calmness, optimism, and gentle joy, making it ideal for morning performances, devotional music, and reflective compositions.

Bilaval is traditionally performed in the early hours of the day, a time associated with renewal and spiritual clarity. Its tonal openness lends itself beautifully to prayer and hymn-based music. Many compositions in the Guru Granth Sahib are set in Bilaval, reinforcing its connection with devotion. Chants like Onkar Satnam resonate deeply when rendered in this raga, as the unembellished notes allow the meaning to shine without distraction.

The raga has also found rich expression in Indian cinema. Lyricist Gulzar and composer R. D. Burman beautifully explored its scale in "Sa Re Ke Sa Re Ko Lekar Chalo" from *Parichay*, turning a simple note progression into a philosophical journey. Similarly, the composer duo Laxmikant-Pyarelal created the timeless "Ek Pyaar Ka Nagma Hai" from *Shor*, capturing the raga's serene and reflective mood.

Another notable variant is Alhaiya Bilaval, which introduces subtle nuances while preserving the core identity. This variation has inspired composers like Madan Mohan, who used it evocatively in "Bhor Aayi Gaya Andhiyara" from *Bawarchi*, aligning perfectly with the imagery of dawn breaking through darkness.

Interestingly, the origins of Bilaval are sometimes linked to the city of Veraval, and its structure bears resemblance to the Arabic Maqam Ajam, which similarly uses a major scale to convey spiritual elevation and joy. This cross-cultural parallel highlights how certain tonal arrangements resonate universally across musical traditions.

Even in modern Bollywood, traces of Bilaval can be found in songs like "Dil Hai Chhota Sa" from *Roja*, "Yeh Shaam Mastani" from *Kati Patang*, and the playful "Golmaal Hai Bhai Sab Golmaal Hai" from *Golmaal*. The qawwali "Bhar Do Jholi Meri" from *Bajrangi Bhaijaan* also carries shades of this raga, especially in its uplifting, devotional passages.

Raga Bilaval may appear simple on the surface, but its strength lies in that very simplicity. It teaches musicians the value of clarity before complexity, and listeners the beauty of unadorned emotion. Like the morning it represents, Bilaval doesn't overwhelm, it gently awakens.

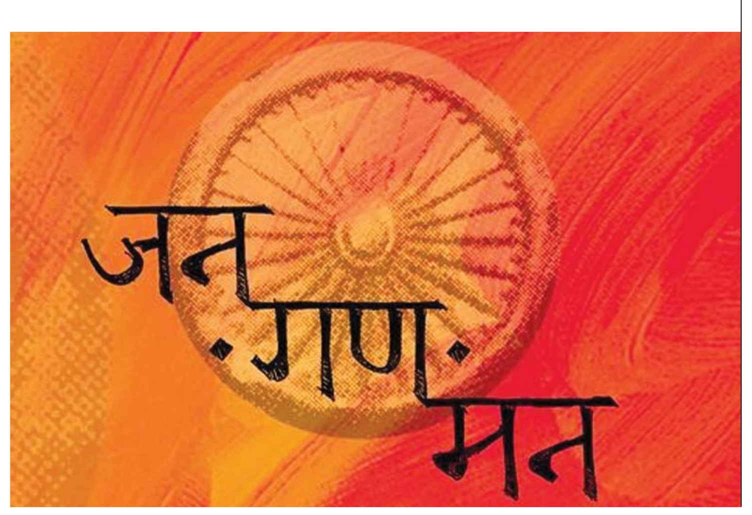

The Guru We No Longer Treat as One

If the last two decades reshaped the teacher's job, the next one is likely to reshape it faster. The National Education Policy 2020 and NCERT's new AI Cell are already pushing artificial intelligence into the curriculum, but the deeper shift is in what students will need from a teacher at all. Career paths that once ran on rails, engineering, medicine, a government job, are being reorganised by automation in ways no textbook has caught up with yet. Someone will have to help a fifteen-year-old understand not just how to use AI tools but which professions AI is quietly redefining, and that job will fall, as it always does, on the teacher, without new training budgets, without smaller class sizes, and without any guarantee that the school itself will modernise at the same pace it expects the teacher to.

Adv. Shashank Agarwal
(Ex Sr Vice President of the High Court Bar Association)

Twenty-five years ago, a teacher's word in an Indian household was close to law. If a teacher scolded a child, parents did not storm the school demanding an apology, they usually apologised on the child's behalf. Today, in a growing number of homes, the very opposite happens. A child comes home with a complaint, and before the teacher's version is even heard, a parents' WhatsApp group has already decided the verdict. Somewhere between then and now, the relationship between teacher and student, the one Indian tradition once called guru and shishya, has quietly turned upside down. We still use the word "guru" with reverence in our festivals and our films. We have simply stopped extending it, in practice, to the people doing the job.

The Many Hats of a Modern Teacher

The change is not merely about respect; it is about what the job has become. A generation ago, the joint family absorbed much of a child's emotional and moral education. Grandparents told stories that carried values, uncles and aunts filled in when parents were away, and an elder sibling's supervision was almost automatic. The nuclear family, combined with both parents working, now the norm rather than the exception in urban India, has quietly outsourced much of that role to the school, and specifically to the teacher. A single teacher today is expected to be an instructor, a disciplinarian, a counselor, a substitute parent, an elder sibling and a friend, often to forty or more children at once, and to do it within five or six teaching hours a day that leave barely an hour of real one-to-one attention per child across a week. Textbook learning, board examination pressure, "holistic development" mandates, cultural and sports events, and now digital literacy have all been added to that same job description, while the number of hours in a school day has not grown at all.

This is not a complaint invented by teachers. It shows up in how policy itself describes the job. The Right of Children to Free and Compulsory Education (RTE) Act, 2009, fixed a pupil-teacher ratio of 30:1 at the primary level and 35:1 at the upper primary level specifically because the law recognised that a teacher spread thinner than that cannot deliver both instruction and attention. Government data compiled from the UDISE+ system shows large numbers of Indian states still exceed these ratios, and government schools running with a single teacher for an entire school are not a rare exception. Recent official figures put the count of such single-teacher schools at over a lakh across the country, serving more than 33 lakh students. The law drew a line; the ground reality routinely crosses it.

> When the state's School Service Commission recruitment process was found by the courts to be riddled with fraud, the Supreme Court's order to cancel the tainted appointments swept up thousands of teachers, including many who had cleared the process fairly, into a single mass termination.

#REVERENCE

When the System Fails, the Teacher Pays

Nowhere was the gap between who is responsible and who is punished more visible recently than in West Bengal. When the state's School Service Commission recruitment process was found by the courts to be riddled with fraud, the Supreme Court's order to cancel the tainted appointments swept up thousands of teachers, including many who had cleared the process fairly, into a single mass termination. Teachers who had taught for years, drawn salaries, and built relationships with students found themselves suddenly jobless through no fault of their own, and when they took to the streets in 2025 to protest, several were detained by police while marching towards the state secretariat. Whatever one's view of the underlying scam, the optics were unmistakable: the people who had signed off on a corrupt recruitment system faced far less immediate consequence than the teachers standing in classrooms who had simply been hired under it. The teacher, once again, became the face of a failure that was not hers to own. Even in smaller, everyday incidents, the pattern of a rushed public verdict recurs: a viral video from a classroom, whether it captures genuine misconduct or an ambiguous, out-of-context moment, tends to result in near-instant suspension long before any inquiry is completed. Due process still exists on paper, service rules require notice, a hearing and a reasoned order before disciplinary action, but the speed of social media routinely outruns it, and the teacher is presumed guilty in the public eye well before any committee has looked at the facts.

The Law Recognises the Problem - Enforcement Lags Behind

To be fair to policymakers, Indian law is not silent on any of this. The RTE Act's Section 27 explicitly bars deploying teachers for non-educational work outside decennial census, disaster relief and election duties, precisely to protect classroom time. And yet, the exemptions have swallowed the rule: teachers remain the default workforce for election Booth Level Officer duty every election cycle, prompting Maharashtra's own education minister to publicly ask the state's chief minister to exempt teachers from BLO duty, and the Orissa High Court to seek an affidavit from the state government after a public interest litigation flagged how routinely non-teaching assignments eat into instructional days. Punjab's education department has had to separately issue a directive insisting that teachers not be pulled away from the classroom, an order that would be unnecessary if the practice was not widespread. Section 17 of the same Act bans corporal punishment and mental harassment of children, a welcome protection for students that also, implicitly, stripped teachers of a disciplinary tool many once relied on, without anything structured being offered in its place.

On pay, the picture is similarly split between law and practice. The Delhi High Court ruled in 2023, relying on Section 10 of the Delhi School Education Act, 1973, that private unaided school teachers are legally entitled to the same pay scale as government school teachers, backed by Seventh Pay Commission rates. The Supreme Court's 2025 decision in State of Nagaland v. Amos Seb similarly pushed for salary parity for teachers under central schemes. These are real, binding legal wins. But they exist because the disparity they correct is still the norm rather than the exception across most of the country, private school teachers in large parts of India continue to earn a fraction of their government counterparts for comparable work, and enforcement of these judgments is patchy at best. Twenty years on, the government-versus-private divide in teacher pay and status that ought to have narrowed has, in most states, barely moved.

> But the same period that produced viral videos of misconduct also produced Vijay Kumar Chansoriya, a government primary school teacher in Panna district, Madhya Pradesh, who, on retiring after 39 years, donated his entire provident fund and gratuity to underprivileged students...

It Is Not All Bleak

None of this means that teachers, as a profession, have become indifferent, or that quality concerns are imaginary, both are fair conversations to have separately. But the same period that produced viral videos of misconduct also produced Vijay Kumar Chansoriya, a government primary school teacher in Panna district, Madhya Pradesh, who, on retiring after 39 years, donated his entire provident fund and gratuity, around Rs. 40 lakh, to underprivileged students, because, as he put it, he had once been poor himself and knew what that money could do for a child. Stories like his rarely trend the way a scandal does, but they are far from rare in Indian schools; they simply do not generate outrage, and outrage is what travels.

The Next Test: Artificial Intelligence

If the last two decades reshaped the teacher's job, the next one is likely to reshape it faster. The National Education Policy 2020 and NCERT's new AI Cell are already pushing artificial intelligence into the curriculum, but the deeper shift is in what students will need from a teacher at all. Career paths that once ran on rails, engineering, medicine, a government job, are being reorganised by automation in ways no textbook has caught up with yet. Someone will have to help a fifteen-year-old understand not just how to use AI tools but which professions AI is quietly redefining, and that job will fall, as it always does, on the teacher, without new training budgets, without smaller class sizes, and without any guarantee that the school itself will modernise at the same pace it expects the teacher to.

What We Owe Them

The honest answer to why this has happened is not that teachers changed. It is that families and communities changed, and quietly reassigned the work of raising a child, emotional grounding, moral instruction, discipline, attention, to the one adult institution left holding it for six hours a day. We then withdrew the authority, the pay and the respect that used to come with that responsibility, while keeping the expectations intact. The cost of that mismatch will not show up this year or next. It will show up a decade from now, in graduates who can clear an exam but struggle to hold a value, and by then, it will be too late to ask who was supposed to teach them that. If we want a different outcome, the fix does not start with a new circular for teachers. It starts with parents and communities picking back up the part of the job they quietly set down, and giving teachers, once again, the standing to act like the gurus we still claim, in every other sentence, that they are.

rajeshsharma1049@gmail.com

#THE ORGANIST

He Never Sent a Bill

The parish priest often scolded him. "Bughden, take something. You deserve it."
His answer never changed. "I live on bread, and that is enough."

For thirty-five years, every funeral at Holy Cross Parish in Mielet passed to the sound of the same organ.

The music was never hurried. Every hymn was played with the same care, whether the church was filled with hundreds of mourners or only a handful of grieving family members. Every note carried dignity. Every farewell carried compassion.

And for every one of those funerals, the organist accepted exactly the same payment.

Nothing.

From 1989 until 2024, Mr. Bughden, the parish organist, never charged a family for playing at a funeral or a Mass for the dead. There were no envelopes quietly slipped into his pocket, no suggested donations, no conditions.

People insisted. He always refused.

The parish priest often scolded him.

"Bughden, take something. You deserve it."

His answer never changed.

"I live on bread, and that is enough."

As other organists gradually raised their fees, he continued to play without asking for a single coin. His music became known not because it was expensive, but because it was exceptional. Every chord was polished. Every hymn was performed as though it were the most important farewell of his life.

No one knew why.

Then, in January 2024, the music stopped.

While playing during a service, Mr. Bughden suffered a heart attack. Witnesses later recalled that he finished the final chord before quietly resting his head. He never rose from the organ bench again.

As parish members sorted through his belongings, they discovered an old notebook tucked inside the organ.

Inside were 1,024 names.

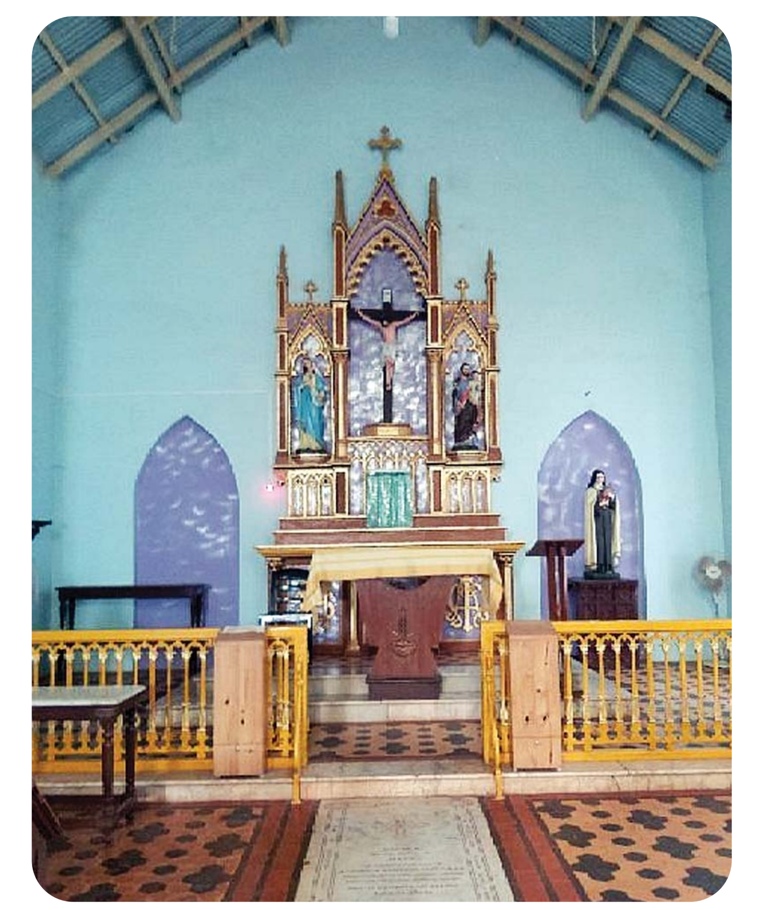

Each name was followed by a funeral date.

The first entry was dated 14 February 1989.

It read:

"Anna. My daughter. Leukemia. Funeral paid by the parish because I had no money. Father Stanislaw played for free. He told me, 'Become an organist. One day, you will repay me, not with money, but with notes for others.' I promise."

The mystery was solved.

That promise became the purpose of his life.

The notebook revealed that Mr. Bughden had kept count of every funeral he played without charge. There were exactly 1,024 names, the same number of days his daughter Anna had lived before leukemia claimed her life.

Each funeral was a repayment of a kindness once shown to him. Each hymn honoured not only the deceased before him but also the memory of the little girl he had lost. The final page carried one last entry.

Dated 14 January 2024, it simply read:

"Anna. I may come to you now."

Whether measured in money or recognition, Mr. Bughden left very little behind.

Measured in compassion, he left a legacy that cannot be counted.

Sometimes, the greatest promises are not fulfilled through wealth or fame. Sometimes, they are fulfilled quietly, one act of kindness at a time, one note at a time, for thirty-five faithful years.

THE WALL

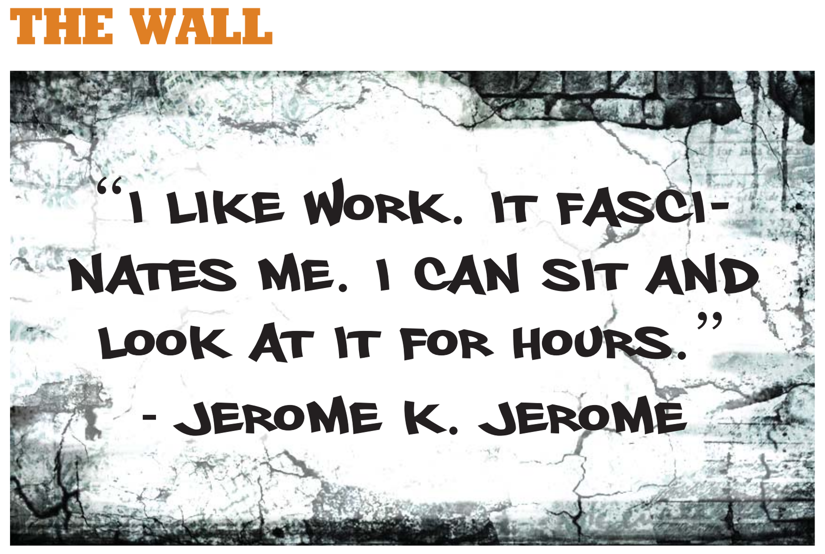

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

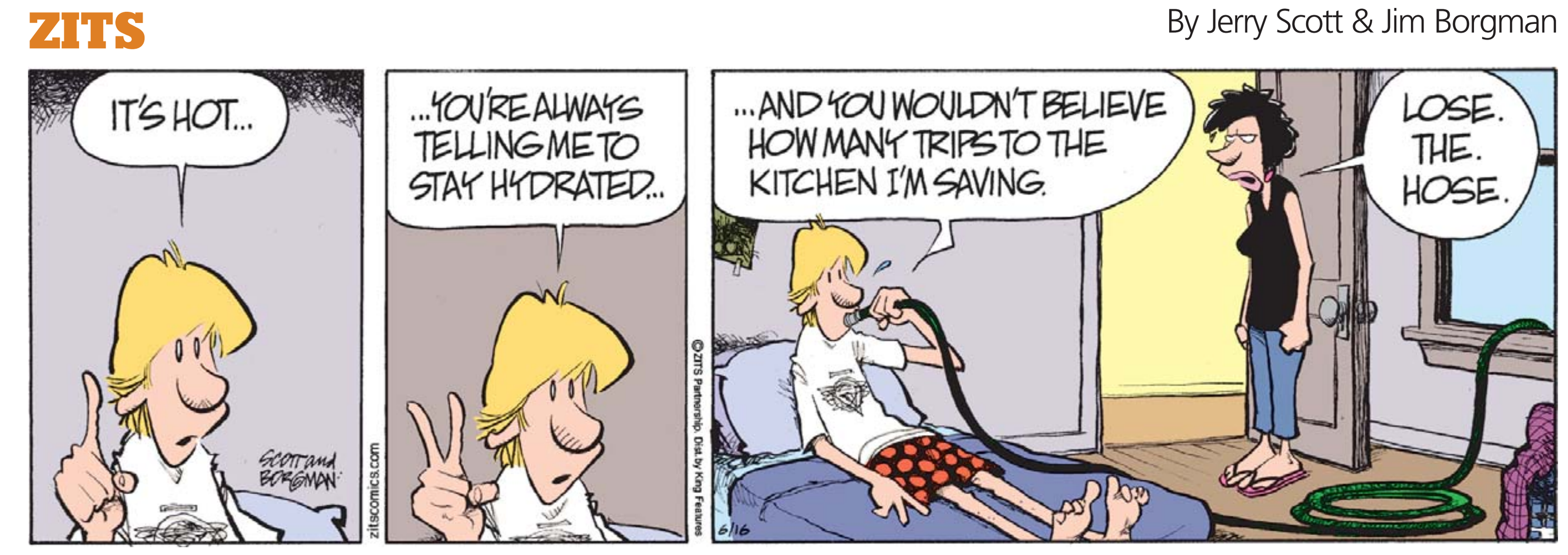

कोटा में बीस लाख कीमत का डोडा-चूरा बरामद, दो तस्करों को पकड़ा

आरोपियों ने पूछताछ में मादक पदार्थ झालावाड़ से बीकानेर ले जाना बताया

कोटा, (निसं)। सिमलिया पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ 44 किलो डोडा-चूरा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस चलाया जा रहा है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि सिमलिया थानाधिकारी नन्दसिंह ने मय जाप्ता एनएच-52 कराडिया इंटरचेंज के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की। पुलिस नाकाबंदी के दौरान बारां की तरफ से एक कार आती हुई दिखी दी, कार चालक पुलिस नाकाबंदी को देखते हुए कार को कराडिया इंटरचेंज से पहले वाले रोड पर मोड़कर भगाकर ले जाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस जाप्ता ने संदेह होने पर आगे जाकर कार को रोककर कार में सवार लोगों से पूछताछ की, कोई संतोषप्द जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने कार में सवार दोनों को डिटेन कर कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार से अवैध मादक पदार्थ 44 किलो डोडा-चूरा बरामद किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस कार्रवाई में बरामद अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की बाजार में कीमत करीब 20 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला बीकानेर के कांकडा निवासी प्रदीप (21) एवं जिला बीकानेर के उडसर निवासी दिनेश कुमार (25) को गिरफ्तार किया गया है। मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में मादक पदार्थ झालावाड़ से बीकानेर ले जाना सामने आया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

सिमलिया पुलिस टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

अवैध हथियार सप्लायर अजय उर्फ धोलू गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। आचार संहिता के दौरान अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और सप्लाई के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सप्लायर के वांछित आरोपी अजय कुमार उर्फ धोलू को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियार सप्लाई के नेटवर्क और अन्य जुड़े लोगों के संबंध में अनुसंधान कर रही है। मेहाड़ा थाना प्रभारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक 2 अगस्त को मेहाड़ा थाना पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बांसियाल से कुड़ो की ढाणी जाने वाले रास्ते पर कार्रवाई की थी। इस दौरान बलबीर पुत्र मातादीन, निवासी ढाणी बड़ियाला, तन बांसियाल के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान बलबीर ने पुलिस को बताया कि उसने उक्त अवैध देशी कट्टा अजय उर्फ धोलू पुत्र गिरधारी, निवासी ढाणी राजाला, तन बांसियाल से लिया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में अजय उर्फ धोलू की तलाश शुरू की।

लगातार तलाश और अनुसंधान के बाद पुलिस टीम ने 24 अगस्त को अवैध हथियार सप्लायर के वांछित आरोपी अजय कुमार उर्फ धोलू पुत्र गिरधारी, निवासी बांसियाल, थाना मेहाड़ा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

फलोदी : महिला की हत्या के आरोप में बेटा और बहू गिरफ्त में

- सास-बहू के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े और विवाद की भी पुलिस जांच कर रही है
- हत्या के पीछे क्या कारण रहा और वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया, इसका खुलासा आरोपियों से पूछताछ के बाद होगा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के सांवरीज गांव में मांगीदेवी की हत्या की घटना आम आदमी के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के बेटे और बहू को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तथा अन्य साक्ष जुटाकर हत्या के कारण और वारदात के पूरे घटनाक्रम का पता लगाने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार मृतका की बेटी पुष्पा पत्नी गवाराम, निवासी रामदेवनगर, एका भाटियान ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी। उसने कहा कि भाई और भाभी ने मेरी मां की हत्या कर दी और ये सब सास-बहू के क्लेश के कारण हुआ है। दर्ज रिपोर्ट में उसने आरोप लगाया कि उसकी मां मांगीदेवी की हत्या उसके भाई मुकेश और उसकी पत्नी सदामी उर्फ सदू ने मिलकर की है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों से पूछताछ की। पुलिस अधीक्षक सतनामसिंह के निर्देशन में गठित टीम ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और प्राप्त सूचनाओं को जोड़ते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में मुकेश पुत्र बंशीलाल (32) और उसकी पत्नी सदामी उर्फ सदू (27) दोनों निवासी फलोदी जिले के सांवरीज को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सास-बहू के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े और विवाद की भी जांच की जा रही है। हत्या के पीछे क्या कारण रहा और वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया, इसका खुलासा आरोपियों से पूछताछ के बाद होगा। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस हत्या के कारण, वारदात के समय मौजूद परिस्थितियों और दोनों की भूमिका को लेकर साक्ष्य जुटा रही है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

10 फीट लंबा अजगर दिखाई देने से लोगों में दहशत

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के समीप से गुजर रही नाली में मंगलवार को करीब 10 फीट लंबा अजगर दिखाई देने से लोगों व आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। नाली में अजगर होने की सूचना पर मौके पर लोगों की काफी भीड़ एकत्र हो गई। अजगर की सूचना लोगों ने स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन को दी। सूचना पाकर स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन अपने साथी जितेन्द्र कोली के साथ मौके पर पहुंचा और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद नाली में छिपे अजगर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अजगर के रेस्क्यू होने के बाद स्थानीय लोगों व पास के दुकानदारों ने राहत की सांस ली।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने निजी स्कूल भी संचालित होता है, जहां बड़ी संख्या में छोटे बच्चे आते-जाते हैं। वहीं, पास में बने एक सार्वजनिक शौचालय का उपयोग लोग सुबह और रात के समय भी करते हैं। ऐसे में अजगर की मौजूदगी से लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। हालांकि, गनीमत रही कि अजगर ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन ने बताया कि सूचना मिली थी कि सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के समीप पास से गुजर रही नाली में अजगर दिखाई दे रहा है, सूचना पाकर मौके पर पहुंचने तो देखा गया कि नाली के अंदर अजगर है, जो संभवतः शिकार की तलाश में नाली में छिपा था। स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन ने बताया कि रेस्क्यू अभियान चलाकर अजगर को बाहर निकालकर उस पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के बाद अजगर को रावतभाटा रोड स्थित जंगल में छोड़ दिया।

स्नैक रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और अजगर को रेस्क्यू किया।

टोंक में स्मैक व नशीली दवाईयां जब्त, सात गिरफ्त में

- मेडिकल स्टोर दुकान में बिना खरीद बिल के ट्रमाडोल व अल्फाजोल की टैबलेट व अन्य अवैध टैबलेट बेचने के विरूद्ध कार्रवाई की

टोंक, (निसं)। जिला स्पेशल टीम व थाना कोतवाली, पुरानी टोंक, सदर टोंक व महिला शक्ति टीम द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे में भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन अवैध मादक पदार्थ स्मैक, नशीला इंजेक्शन ट्रामाडोल अल्पाआजोलम जैसी नशीली मादक पदार्थ जब्त किया गया। इन दवाईयों को बिना डॉक्टर के राय के बेचा जा रहा था।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ क्षैत्र के तीन जगह छापामारी करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर दो के खिलाफ एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज किए गए। वहीं थाना पुरानी टोंक पुलिस टीम ने पर हाउसिंग बोर्ड इलाके से भारी मात्रा में ट्रामाडोल अल्पाजोलम व इंजेक्शन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना सदर टोंक पुलिस टीम ने 10.50 ग्राम स्मैक बरामद कर एक महिला को गिरफ्तार किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान में जिला स्पेशल टीम व शहर थानों की विभिन्न टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अन्नपूर्णा डुंगरी स्थित गणेश मन्दिर के सामने मौसम देवी पत्नी राहुल सांसी के कब्जे से स्मैक 10.50 ग्राम, दो मोबाईल फोन व 6240 रूपये बरामद किये गये। इसी प्रकार कोतवाली थाना क्षेत्र के पवेलियन ग्राउण्ड में पवेलियन के नीचे तल पर बने हॉल के लगे हुये चेनल गेट में से चार आरोपियों को स्मैक का सेवन करते पाया जाने पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से स्मैक पीने के उपकरण जप्त किये गये। वहीं डीएसटी व कोतवाली थाना पुलिस टीम ने मेडिकल बड़ा कुआ के आशीर्वाद मेडिकल स्टोर संचालक को मेडिकल स्टोर दुकान में बिना खरीद बिल के ट्रमाडोल व अल्फाजोल की टैबलेट व अन्य अवैध टैबलेट बेचने के विरूद्ध में टैबलेट्स को जब्त कर आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार अम्बेडकर कॉलोनी, हाउसिंह बोर्ड टोंक में मकान मे अवैध प्रतिबन्धित नशीली दवाईयां रखने पर आरोपी नरेश कुमार वर्मा को डिटेन कर मौके से मिली अवैध प्रतिबंधित नशीली दवाईयों को जब्त किया गया है तथा आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई

जयपुर/बाड़मेर। रक्षाबंधन एवं हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को स्थानीय उत्पादों एवं हस्तनिर्मित सामग्री के प्रदर्शन और बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बाड़मेर के महेश्वरी भवन में दो दिवसीय प्रदर्शनी के समापन अवसर पर श्योर संस्था के निदेशक एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मेरा युवा भारत के पूर्व निदेशक, पर्यावरणविद् डॉ. भुवनेश जैन ने बताया कि प्रदर्शनी में महिलाओं की इतनी वेरायटी की स्टाल और आत्म विश्वास देखकर कहीं नहीं लगा कि ये बाड़मेर में लगी है। ऐसी शानदार प्रदर्शनी अनेक बड़े शहरों में लगने से कम नहीं है। उन्होंने बाड़मेर की व्यापार में निपुणता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसको और बड़े स्तर पर आयोजन करने की आवश्यकता है।

भरतपुर में तेज स्कूटी चलाने से टोकने पर युवक को पीटा

- मारपीट का वीडियो वायरल, तीन दिन बाद भी आरोपी फरार

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दो युवक एक युवक को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। मामूली सी बात पर हुई इस मारपीट में हमलावर ने कड़े से पीड़ित के चेहरे और सिर पर कई वार किए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित कपिल गर्ग निवासी कमला रोड ने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

रिपोर्ट के मुताबिक 21 अगस्त की शाम करीब 5 बजे कपिल अपने भतीजे को स्कूल से लेकर घर लौट रहा था। घर से करीब 50 मीटर दूर सामने से तीन युवक राहुल, आवेश और कौशल तेज स्पीड में स्कूटी चलाते हुए आए और कपिल की स्कूटी को टक्कर मार दी। कपिल ने सिर्फ इतना कहा कि स्कूटी धीरे चलाओ। इसी बात पर तीनों युवक भड़क गए और झगड़ा शुरू हो गया। आरोप है कि राहुल नाम के युवक ने हाथ में पहने कड़े से कपिल के चेहरे पर तीन बार हमला किया। जिससे उसके चेहरे, सिर और कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के दौरान तीनों युवकों ने कपिल की जेब में रखे 8300 रुपए भी छीन लिए, और स्कूटी पर फरार हो गए।

सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि दो युवक कपिल को घेरकर पीट रहे हैं। एक युवक लगातार कड़े से हमला कर रहा है जबकि दूसरा उसे पकड़े हुए है। खून से लथपथ कपिल खुद को बचाने की कोशिश करता है, लेकिन हमलावर नहीं रुकते। घटना के अगले दिन 22 अगस्त को कपिल ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया। घटना को 3 दिन बीत चुके हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। इस मामले में जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल भगीरथ ने बताया कि पीड़ित का मेडिकल करवा दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मारपीट के आरोपी को पकड़ा

भरतपुर, (निसं)। थाना मथुरागेट पुलिस ने वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए मारपीट कर डरा-धमकाकर चांदी की अंगूठी व रुपये छीनने के मामले में आरोपी आकाश उर्फ कल्ला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को परिवादी सोहनसिंह पुत्र गोपालसिंह जाट, निवासी नगला चांदमारी थाना चिकसाना ने थाना मथुरागेट पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि रूपासी रेस्टोरेंट, जवाहरनगर के पास आरोपी आकाश उर्फ कल्ला पुत्र भरतसिंह उर्फ हल्लन गुर्जर, निवासी घना जाटौली थाना सेवर ने उसके साथ मारपीट की तथा डरा-धमकाकर चांदी की अंगूठी व रुपये छीन लिए।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 10 लाख के आभूषण बरामद

- पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में माउंट आबू, सिरोही, जोधपुर, सुजानगढ़, श्रीडूंगरगढ़, छापर सहित संभावित स्थानों पर दबिश दी

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर घर से सोने-चांदी के आभूषण और मोबाइल चोरी करने के मामले में राजलदेसर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 10 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण एवं अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को भावनदेसर निवासी विनोद कुमार पुत्र फेफाराम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसका पुत्र विकास 13 अगस्त की सुबह करीब 3 बजे घर से 5 जोड़ी चांदी की पायजेब, सोने का मंगलसूत्र, सोने की टॉप्स की एक जोड़ी, सोने की बालियां, तीन नाक के लूंग, सोने का बोरला, दो चांदी के सिक्के सहित अन्य पुराने सोने-चांदी के आभूषण और एक एंड्रॉयड मोबाइल लेकर चला गया। मामला दर्ज होने के बाद जांच एएसआई रामनिवास को सौंपी गई। रतनगढ़ पुलिस उपधीक्षक इनसार अली ने बताया कि थाना अधिकारी बेगाराम मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

टीम ने आरोपी की तलाश में माउंट आबू, सिरोही, जोधपुर, सुजानगढ़, श्रीडूंगरगढ़, छापर सहित आसपास के संभावित स्थानों पर दबिश दी। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए छापर से आरोपी विकास पुत्र विनोद कुमार निवासी भावनदेसर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से पांच जोड़ी पाजेब चांदी की, चांदी के 2 बड़े सिक्के 4 छोटे सिक्के, चांदी की बालाजी की मूर्ति, बिछुड़ी चांदी की, नाक कांटे सोने के मंगलसूत्र सोना का, टॉप्स की एक जोड़ी और बोरला सोना का सहित अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद माल की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई है। पुलिस का कहना है कि चोरी गए माल की शत-प्रतिशत बरामदगी की गई है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एक मामला दर्ज बताया गया है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। मामले में पुलिस का अनुसंधान जारी है।

विशेष अभियान में 72 गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के निर्देशन में भीलवाड़ा पुलिस ने एरिया डोमिनेशन और आगामी निकाय चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस ने जिलेभर में दबिश देकर 72 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

अभियान को सफल बनाने के लिए वृत्ताधिकारियों और थानाधिकारियों के साथ विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई। इसमें 127 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल कर 30 विशेष टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने एक साथ 142 चिन्हित स्थानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी। विभिन्न मामलों में वांछित कुल 72 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। भीलवाड़ा पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

जांच शिविर में सिलिकोसिस प्रमाण पत्र नहीं मिलने से पीड़ितों में निराशा

पीड़ितों के अनुसार शिविर में मरीजों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा उन्हें आगे की जांच के लिए जिला अस्पताल भेजने की सलाह दी गई

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में मंगलवार को आयोजित सिलिकोसिस जांच शिविर में बीमारी से पीड़ित एवं संभावित मरीजों ने चिकित्सकों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताकर जांच करवाई। हालांकि शिविर में किसी भी मरीज को सिलिकोसिस का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। इससे पीड़ितों में निराशा देखने को मिली।

- पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि सिलिकोसिस की जांच से लेकर प्रमाण पत्र जारी करने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए

पाटन के ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में सिलिकोसिस जांच शिविर लगाया गया।

पीड़ितों के अनुसार शिविर में मरीजों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा उन्हें आगे की जांच के लिए जिला अस्पताल भेजने की सलाह दी गई। बताया गया कि सिलिकोसिस की पुष्टि और प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार निर्धारित मेडिकल कमेटियों के पास होने के कारण स्थानीय स्तर पर आयोजित शिविर में प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा सकते। पीड़ितों का कहना है कि बीमारी से जूझ रहे लोगों को बार-बार अलग-अलग स्तरों पर जांच और प्रमाणन के लिए भेजे जाने से प्रक्रिया लंबी हो जाती है। आर्थिक सहायता के लिए पात्रता साबित करने तथा दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने में भी मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि शिविर का उद्देश्य सिलिकोसिस पीड़ितों की पहचान और उन्हें सरकारी सहायता दिलाने की प्रक्रिया को आसान बनाना है, तो केवल ऑनलाइन पंजीकरण और रेफर करने तक प्रक्रिया सीमित नहीं रहनी चाहिए। गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों को प्रमाणन, उपचार और आर्थिक सहायता की प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट मार्गदर्शन के साथ समयबद्ध कार्रवाई मिलनी चाहिए।

पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि सिलिकोसिस की जांच से लेकर प्रमाण पत्र जारी करने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जाए, ताकि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को सरकारी सहायता के लिए बार-बार कार्यालयों एवं जांच केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

सात राशन डीलर के लाइसेंस निलम्बित

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में जिला रसद विभाग प्रथम ने गेहूं की कालाबाजारी के मामले में देबारी और लकडवास लैम्पस के अधीन संचालित 7 राशन डीलर के लाइसेंस निलंबित सस्पेंड कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार गेहूं की हेराफेरी होने की शिकायत पर प्रवर्तन अधिकारी निशा मूंदड़ा मौके पर पहुंची। प्रवर्तन अधिकारी ने डीलर की दुकान पर स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य रिकॉर्ड देखे। गोदाम पर गेहूं चेक किया तो उसमें 475.78 गेहूं कम पाया। इस संबंध में दोनों लैम्पस के व्यवस्थापक मांगीलाल व्यास से कम गेहूं का कारण पूछा गया। इस पर वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

प्रवर्तन अधिकारी की जांच रिपोर्ट में अनियमितता पाए जाने पर जिला रसद अधिकारी ने लाइसेंस निलंबित कर दिया। इनके खिलाफ प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्रवर्तन अधिकारी निशान मूंदड़ा ने बताया कि देबारी लैम्पस अंतर्गत देबारी, भैंसडाकला, भैंसड़ाखुर्द और भल्लों का गुडा सेंटर आते हैं। वहीं, लकडवास लैम्पस के चांसदा व झामर कोटड़ा, धामधर और लकडवास सेंटर हैं।

किराये पर बैंक खाता देकर साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्त में

आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की 7 शिकायतें दर्ज हैं

- खाते में करीब 97 लाख रुपये के साइबर ठगी से संबंधित लेन-देन सामने आया है
- आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर ठगी करने वाले अपराधियों को 25 हजार रुपये मासिक किराये पर उपलब्ध करवाना स्वीकार किया

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपना बैंक खाता किराये पर देने वाले 21 वर्षीय युवक पुनित वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की 7 शिकायतें दर्ज हैं। खाते में करीब 97 लाख रुपये के साइबर ठगी से संबंधित लेन-देन सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 17 से 31 अगस्त तक साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश जोशी के सुपरविजन तथा थानाधिकारी फुलेरा हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने समन्वय पोर्टल के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा, काचरोदा शाखा के एक खाते की जांच की। जांच में महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, गुजरात व झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से संबंधित 7 साइबर शिकायतें मिलीं। बैंक स्टेटमेंट के विश्लेषण में अक्टूबर 2025 के दौरान करीब 97 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ठगी संबंधी लेन-देन का खुलासा हुआ। पुलिस ने खाता धारक पुनित वर्मा पुत्र लक्ष्मीनारायण, निवासी शिव विहार कॉलोनी, सांभरलेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर ठगी करने वाले अपराधियों को 25 हजार रुपये मासिक किराये पर उपलब्ध करवाना स्वीकार किया। इस पर पुलिस थाना फुलेरा में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य आरोपियों के संबंध में अनुसंधान कर रही है।

डूंगरपुर के गांव सत्तु देवकी के स्कूल में एक साल से बंद जर्जर कमरे की छत गिरी

घटना के समय स्कूल में कक्षाएं चल रही थीं और लगभग 120 छात्र पढ़ाई कर रहे थे

- **घटना की सूचना मिलने पर पीईईओ पंकज वर्मा और सीबीईओ दीपक शाह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया**
- **स्कूल में कुल 10 कमरे हैं, जिनमें से 2 कमरे जर्जर हो चुके हैं, इनमें से एक कमरे की छत अब भी जर्जर है : सीबीईओ दीपक शाह**

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत सत्तु देवकी के अपर प्राइमरी स्कूल में एक जर्जर कमरे की छत गिर गई। यह घटना सोमवार को हुई, जब स्कूल में कक्षाएं चल रही थीं और लगभग 120 छात्र पढ़ाई कर रहे थे। गनीमत रही कि यह कमरा पिछले एक साल से बंद था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब दस बजे जब बच्चे अपनी कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे थे और शिक्षक उन्हें पढ़ा रहे थे, तभी बंद पड़े जर्जर कमरे की छत अचानक भरभराकर ढह गई। तेज आवाज सुनकर स्कूल के बच्चे और शिक्षक तुरंत कमरों से बाहर निकल आए। उन्होंने देखा कि दो जर्जर कमरों में से एक की छत गिर चुकी थी। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि ये कमरे काफी समय से जर्जर हालत में थे। सुरक्षा कारणों से इन्हें असुरक्षित घोषित कर दिया गया था और पिछले एक साल से इनमें किसी भी छात्र को नहीं बैठाया जा रहा था। इसी एहतियाती कदम के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। शिक्षकों ने घटना की सूचना तुरंत पीईईओ पंकज वर्मा को दी। सूचना मिलने पर पीईईओ पंकज वर्मा और सीबीईओ दीपक शाह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

सीबीईओ दीपक शाह ने बताया कि स्कूल में कुल 10 कमरे हैं, जिनमें से 2 कमरे जर्जर हो चुके हैं। इनमें से एक कमरे की छत अब भी जर्जर है। उन्होंने कहा कि इन कमरों की मरम्मत और नई छत डालने के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं। मंजूरी मिलते ही जल्द ही कमरों को ठीक करवाया जाएगा।

डूंगरपुर के ग्राम चुंडावाड़ा में सरकारी स्कूल का भवन जर्जर अवस्था में, ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट का घेराव कर नई बिल्डिंग बनाने की मांग की

- **ग्रामीणों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जुलाई 2025 में की गई जांच में कुल 13 कक्षा-कक्षों में से 8 को पूरी तरह से जर्जर घोषित कर दिया गया था**
- **मौजूदा सत्र में 342 विद्यार्थी अध्ययनरत, कमरों की कमी के कारण एक-एक कमरे में दो से तीन कक्षाओं के विद्यार्थियों को बैठाना पड़ रहा है, बाकी बच्चों को बरामदों में पढ़ाया जा रहा है**

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की ग्राम पंचायत चुंडावाड़ा स्थित राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय का भवन जर्जर होने से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। बच्चों की सुरक्षा और नए भवन की मांग को लेकर चुंडावाड़ा गांव के ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर स्कूल के बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल का भवन असुरक्षित अवस्था में पहुंच गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जुलाई 2025 में की गई जांच में कुल 13 कक्षा-कक्षों में से 8 को पूरी तरह से जर्जर घोषित कर दिया गया था। इसके अलावा 3 कक्षाओं को बेहद मरम्मत योग्य बताया गया था। जर्जर घोषित किए गए 8 कमरों में विद्यार्थियों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध है, जिसके कारण वर्तमान में विद्यालय के पास केवल 2 सुरक्षित कक्षा-कक्ष ही उपलब्ध हैं। मौजूदा सत्र 2026-27 में नर्सरी से कक्षा 8 वीं तक कुल 342 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कमरों की भारी कमी के कारण एक-एक कमरे में दो से तीन कक्षाओं के विद्यार्थियों को एक साथ बैठाना पड़ रहा है, जबकि बाकी बच्चों को बरामदों में पढ़ाया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, जब से यह स्कूल महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम में रूपांतरित हुआ है, तब से हर साल नामांकन में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है। कमरों की कमी के कारण बरसात, गर्मी और सर्दी के मौसम में विद्यार्थियों का शैक्षणिक कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है और उनकी सुरक्षा पर भी संकट बना हुआ है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में जर्जर भवन के स्थान पर जल्द से जल्द नवीन भवन या अतिरिक्त कक्षा-कक्षों की स्वीकृति जारी करने की मांग की है। इसके साथ ही, उन्होंने विद्यालय परिसर में स्थित राजीविका के अधीन भवन को तत्काल खाली करवाकर विद्यालय को सौंपने की भी मांग की है ताकि अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सके।

स्कूलों की कैंटीन और 50 मीटर के दायरे में जंक फूड नहीं बेचे जाएंगे : हाईकोर्ट

- **कोर्ट ने स्कूलों में हाई फैट, शुगर और सॉल्ट वाले खाद्य पदार्थों को बेचने पर सख्त रोक लगाने का निर्देश दिया**
- **इन खाद्य पदार्थों में कार्बोनेटेड ड्रिंक, चिप्स, ट्रांस फैट वाले बेकरी उत्पाद और अन्य जंक फूड शामिल हैं**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य की सभी स्कूलों की कैंटीन और स्कूलों के गेट से 50 मीटर दायरे में जंक फूड बेचने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को लेकर संज्ञान लिया था। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ की बेंच ने स्कूलों में जंक फूड बेचने और बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई।

कोर्ट ने स्कूलों में हाई फैट, शुगर और सॉल्ट वाले खाद्य पदार्थों को बेचने पर सख्त रोक लगाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि स्कूलों की कैंटीन और 50 मीटर के दायरे में ये खाद्य पदार्थ नहीं बेचे जाएंगे। इनमें कार्बोनेटेड ड्रिंक, चिप्स, ट्रांस फैट वाले बेकरी उत्पाद और अन्य जंक फूड शामिल हैं। कोर्ट ने जिलाधिकारियों और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को हर महीने निरीक्षण कर इन नियमों का पालन करने के लिए कहा। हाईकोर्ट ने कहा कि साल 2020 में सुरक्षित और संतुलित भोजन को लेकर नियम बनाए गए थे। हालांकि 6 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। कोर्ट ने बच्चों को मोटापे और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाने के लिए इन नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा।

आदेश के तहत सभी स्कूलों को 4 सप्ताह में स्कूल खाद्य सुरक्षा और पोषण समिति का गठन करना होगा। इसके अलावा 8 सप्ताह में कैंटीन में उपलब्ध खाद्य पदार्थों की कैलोरी, सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी वाला मेन्यू बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। मिड-डे मील और अन्य पोषण योजनाओं में भी संतुलित आहार के मानकों की पालना के भी निर्देश दिए।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों और क्लासरूम को लेकर फरवरी 2026 को कड़ी नाराजगी जताई थी। जस्टिस महेंद्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल से कहा- आप स्वच्छ भारत मिशन की बात करते हो, लेकिन आप स्कूल में बच्चियों के लिए टॉयलेट की व्यवस्था भी नहीं कर पा रहे हैं।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में एक साथ फिज़िकल इंस्पेक्शन होगा

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में आज एक साथ फिजिकल इंस्पेक्शन होगा। अधिकारियों की टीमें जर्जर भवन से लेकर क्लासरूम, पेयजल, शौचालय और जल निकासी की व्यवस्था जांचेंगी। छात्र संख्या के मुकाबले जरूरत से ज्यादा शिक्षक मिलने पर उन्हें चिन्हित कर 27 अगस्त तक जरूरत वाले स्कूलों में लगाने के प्रस्ताव भेजे जाएंगे। स्कूल भवन की जर्जर स्थिति के साथ जरूरत से ज्यादा शिक्षकों व समस्याओं की जानकारी कलैक्टर को दी जाएगी।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक के आदेश पर बड़े और पुराने स्कूल के प्रिंसिपल आसपास के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। शहरी क्षेत्रों में यूसीईईओ और ग्रामीण क्षेत्रों में पीईईओ इसकी जिम्मेदारी संभालेंगे। इस दौरान छात्र-शिक्षक अनुपात की समीक्षा होगी। जरूरत से ज्यादा शिक्षकों को जरूरत वाले स्कूलों में लगाने के प्रस्ताव 27 अगस्त सुबह 11 बजे तक सीबीईओ को भेजने होंगे। निरीक्षण में एक-एक क्लास रूम और भवन की स्थिति देखी जाएगी। दीवारों में सीलन, पट्टियां दरकने या भवन जर्जर होने पर रिपोर्ट देनी होगी। स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पोषाहार कक्ष, छत की सफाई और जल निकासी व्यवस्था भी जांची जाएगी। परिसर या आसपास जलभराव मिलने पर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

भौतिक सत्यापन के बाद आधारभूत सुविधाओं की सभी प्रविष्टियां शाला दर्पण के इंफ्रास्ट्रक्चर मॉड्यूल में 27 अगस्त तक अपडेट करनी होंगी। जर्जर भवन के कारण दूसरे सरकारी या निजी भवन में संचालित स्कूलों में कक्षा-कक्ष, पेयजल और शौचालय की उपलब्धता भी देखी जाएगी। पीईईओ या यूसीईईओ स्तर पर समाधान नहीं होने वाली गंभीर समस्या की सूचना सीबीईओ के माध्यम से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को दी जाएगी, जो जरूरत होने पर कलेक्टर को अवगत कराकर समाधान कराएंगे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, साथी गंभीर घायल

मजदूरी कर बाइक से घर लौट रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर-बयाना रोड पर झील का बाड़ा के पास सोमवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां मजदूरी कर बाइक से अपने घर लौट रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे युवक का इलाज जारी है।

बयाना थाने के हेड कांस्टेबल गोविंद सिंह ने बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे कैलादेवी झील का बाड़ा के पास गांव बछामदी निवासी रामनिवास पुत्र तेज सिंह और कल्ला मजदूरी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने रामनिवास को मृत घोषित कर दिया, जबकि कल्ला की हालत गंभीर होने पर उसे भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक रामनिवास के शव का आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। हादसे के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और वाहन की पहचान होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल हैकर ने खाते से 5.95 लाख रुपये उड़ाए

मोबाइल पर मिले मैसेज के बाद शातिर ने फोन हैक किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा स्थित हाकिमबाग एरिया में रहने वाले एक शख्स का मोबाइल किसी शातिर ने हैक कर उसके बैंक खाते से 5 लाख 95 हजार रूपयों की निकासी कर ली गई। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दी। जिस पर एसओजी की तरफ से जारी जीरो नंबर एफआईआर पर अब सरदारपुरा पुलिस ने केस दर्ज किया है। मामले में अग्रिम जांच की जा रही है। घटना 21 अगस्त को होना बताया जाता है। रकम तीन बार में ट्रांजेक्शन की गई।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि घटना को लेकर ओलंपिक के पीछे हाकिमबाग निवासी साहिल बैग पुत्र इस्माइल बैग की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके मोबाइल पर 21 अगस्त को कोई मैसेज आया था, जिसके बाद उसका फोन हैक हो गया। तब किसी शातिर ने उसके तीन बैंक खातों से 5 लाख 95 हजार रूपयों की निकासी कर डाली। पता लगने पर उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। पुलिस ने बताया कि एसओजी की तरफ से जीरो नंबर एफआईआर थाने पर भेजी गई, जिस पर अब धोखाधड़ी और आईटी एक्ट में केस दर्ज किया गया है। मामले में जांच एएसआई हनुमानराम की तरफ से की जा रही है।

चूरू में हल्की बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली

चूरू, (निसं)। शहर में मंगलवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। दोपहर करीब दो बजे तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

बारिश के बाद आसमान में धूल का गुबार छा गया और बादल छाए रहने से बारिश की संभावना ओर बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में मानसून ट्रफ लाइन जम्मू-देहरादून के दबाव क्षेत्र से होकर गुजर रहा है। पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कुछ भागों में 25-26 अगस्त को मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

इसी अवधि में उदयपुर, अजमेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में भी हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2026-27/D - 3288 दिनांक :- 21/08/2026

ई-निविदा सूचना सं. 22/2026-27

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 02 तक की निविदा Two Bid के तहत एवं क्रम संख्या 3 की निविदा एकल मद के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 538.74 लाख
ऑन लाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	25 अगस्त 2026 दोपहर 02:00 बजे से 14 सितम्बर 2026 सायं 04.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	14 सितम्बर 2026 सायं 06.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	15 सितम्बर 2026 दोपहर 01.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा। UBN No. : RID2627WSOB00281, RID2627WSOB00282, RID2627WSOB00283

महाप्रबन्धक
राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड
राजस्थान, जयपुर।

राज.संवाद/सी/26/10452

किसानों के पांच कुओं से केबल चोरी

टोंक, (निसं)। बरौनी पुलिस थाना क्षेत्र के बस्सी गांव में चोर किसानों के पांच कुओं और ट्यूबवेलों से लाखों रुपए की केबल चोरी कर फरार हो गये।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार को किसान जब कुओं पर पहुंचे ता उन्हें केबल गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत सिरस पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना मिलने पर सिरस चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली, जहां किसानों ने कहा कि केबल चोरी होने से उन्हें न केवल आर्थिक नुकसान हुआ है, बल्कि फसलों की सिंचाई में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी पत्र भेजकर कार्रवाई की अपील की।

राजेंद्र राजन होंगे सम्मानित

जयपुर/चूरू। हिंदी साहित्य संसद्, चूरू द्वारा साहित्य सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु वर्ष 2026 के रामादेवी भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोश सम्मान एवं पुरस्कार से जयपुर निवासी राजेंद्र राजन को सम्मानित किया जायेगा। यह सम्मान संस्था द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को चूरू में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में प्रदान किया जायेगा। संस्था अध्यक्ष बनवारी खामोश ने बताया पुरस्कार स्वरूप 11 हजार नकद राशि, श्रीफल, शॉल, स्वर्ण पदक, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह आदि दिये जायेंगे।

हादसे में दो जने घायल, एक जयपुर रैफर

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती पनियाला मोड़ पर तेज रफ्तार एक अनियंत्रित मारुति कार ने मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को जयपुर रैफर कर दिया। राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के ट्रौमा सैंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि दुर्घटना में अमीलाल (50) पुत्र प्रहलाद गुर्जर व सुरेश (40) पुत्र रामशरण गुर्जर दोनों निवासी ग्राम बामनवास कोटपूतली गंभीर रूप से घायल हो गये।

श्रीगंगानगर में सिटी यूनियन बैंक का असिस्टेंट मैनेजर सहित दो गिरफ्तार

- **17.71 लाख का साइबर फ्रॉड करने का आरोप, फेसबुक पर लड़की के नाम से रिक्वेस्ट भेजकर फंसाया था**
- **आरोपियों ने जाली डॉक्यूमेंट बनाकर फर्जी बैंक अकाउंट खोला और उसे साइबर फ्रॉड में यूज किया**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां 17.71 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड मामले में सिटी यूनियन बैंक के असिस्टेंट मैनेजर सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने जाली डॉक्यूमेंट बनाकर फर्जी बैंक अकाउंट खोला और उसे साइबर फ्रॉड में यूज किया।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस थाना साइबर श्रीगंगानगर ने शिकायतकर्ता मुकेश कुमार निवासी वार्ड नंबर 05, मगरसिंह कॉलोनी, घड़साना (श्रीगंगानगर) की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। मुकेश कुमार एंजेल ब्रोकिंग के जरिए शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करता है। 16 अप्रैल को मुकेश कुमार की फेसबुक आईडी पर सोनी शर्मा नाम की लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। बाद में वही लड़की वॉट्सऐप पर बात करने लगी और क्रिप्टो करेंसी में ट्रेडिंग के नाम पर लिंक भेजकर विश्वास में लेकर करीब 17.71 लाख रुपए का साइबर फ्रॉड कर लिया। 18 जून को मुकेश कुमार ने थाना साइबर पर रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद जांच थानाधिकारी आनंद कुमार द्वारा शुरू की गई।

जांच में पता चला कि सिटी यूनियन बैंक के सहायक प्रबंधक शुभम फरक्या ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर विजय चौधरी निवासी तिलोनिया (अजमेर) के नाम से स्कैन और कट-पेस्ट तकनीक से फर्जी वोटर कार्ड बनाया। इसी के आधार पर बैंक की अजमेर शाखा में सेविंग अकाउंट खोल दिया गया। इस अकाउंट में नेट बैंकिंग के लिए सुभांशु ठाकरिया का मोबाइल नंबर लिंक किया गया। अकाउंट खोलने वाले फॉर्म पर फर्जी हस्ताक्षर खुद शुभम फरक्या ने किए और फोटो भी किसी अन्य व्यक्ति की यूज की गई। इसके बाद दोनों आरोपियों ने यह खाता गोरधन उर्फ राहुल चौधरी निवासी थानकसर, अजमेर को मात्र 12 हजार रुपए में बेच दिया। राहुल चौधरी उर्फ गोरधन ने 14 जून 2026 को इस खाते में साइबर फ्रॉड से 1,65,200 रुपए मंगवाए। इनमें से 1 लाख रुपए उसने सिटी यूनियन बैंक किशनगढ़ के एटीएम से नकद निकाले और बाकी पैसे यूपीआई के जरिए ट्रांसफर कर दिए। सोमवार को सिटी यूनियन बैंक के सहायक प्रबंधक शुभम फरक्या निवासी मंदसौर, मध्य प्रदेश और सुभांशु ठाकरिया निवासी रेगरान मोहल्ला, नयाशहर, किशनगढ़, अजमेर को गिरफ्तार किया गया।

कार्यालय आयुक्त, देवस्थान विभाग राजस्थान, उदयपुर (राज.)

आम सूचना

''सिन्धु दर्शन यात्रा योजना''

देवस्थान विभाग की सिन्धु दर्शन योजना के अंतर्गत लद्दाख स्थित ''सिन्धु दर्शन यात्रा-2026 हेतु राज्य के 200 तीर्थ यात्रियों को यात्रा पूर्ण करने के पश्चात अधिकतम 15,000/- (पन्द्रह हजार रूपय प्रति यात्री) आर्थिक सहायता देवस्थान विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी। आवेदक द्वारा योजना के तहत 31 अक्टूबर 2026 तक यात्रा सम्पन्न कर दो माह की अवधि (31 दिसम्बर 2026) तक लिखित आवेदन सम्बन्धित सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग कार्यालय में पेश करना होगा।

योजनान्तर्गत पात्रता की मुख्य शर्तें निम्नानुसार रहेंगी-

आयु सीमा न्यूनतम 21 वर्ष होनी चाहिए एवं राजस्थान का मूल निवासी हो।

आयकरदाता नहीं हो।

- यात्री को यात्रा स्वयं के स्तर से लद्दाख स्थित सिन्धु दर्शन कर सम्पन्न करनी होगी। वास्तविक व्यय का प्रमाण पत्र (टिकट, रसीदें इत्यादि) प्रस्तुत करना होगा और ऐसी यात्रा पर हुए 50% की प्रतिपूर्ति (अधिकतम 15,000/-प्रति तीर्थ यात्री की सीमा तक) देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जायेगी। अनुदान प्राप्त करने हेतु पात्र यात्री को अपना दावा निर्धारित प्रपत्र में प्रमाणित अभिलेख सहित ऑफलाइन संबंधित सहायक आयुक्त को 31 दिसम्बर 2026 से पूर्व प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित यात्री संख्या (200) से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर चयन लॉटरी द्वारा किया जाएगा।
- लॉटरी निकालते समय आवेदक के आवेदन के साथ उसकी पत्नी अथवा पति (यदि उनके द्वारा भी यात्रा कर ली हो) को एक मानते हुए लॉटरी निकाली जाएगी एवं लॉटरी में चयन होने पर दोनो अनुदान के पात्र होंगे। यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदक आ गए तो एक परिवार से अधिकतम 3 व्यक्तियों को अनुदान हेतु पात्र माना जायेगा।
- इस यात्रा के तहत उक्त अनुदान यात्री के जीवनकाल में एक ही यात्रा के लिए एक बार ही देय होगा।

उक्त योजना की विस्तृत जानकारी, आवेदन-पत्र एवं संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालयों की सूची देवस्थान विभाग की वेबसाईट devasthan.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन फॉर्म संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालय में निर्धारित तिथि तक जमा कराये जा सकेंगे।

आयुक्त, देवस्थान विभाग, उदयपुर

कोटपूतली से जब्त किये गये जाली नोटों का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

- **पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 67500 की जाली करेंसी बरामद की गई थी**

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली नोटों के रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नकली नोटों के मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर 23 अगस्त को कार्रवाई की थी। पुलिस ने बाजार में नकली नोट खपाने की कोशिश कर रहे दो संदिग्धों निशीकान्त (40) पुत्र ओमप्रकाष गुप्ता निवासी चतुर्भुज मंदिर के पास बर्डोद थाना बहरोड़ सदर व राहुल (22) पुत्र महेन्द्र सैनी निवासी भैंरू जाट के पास बर्डोद थाना बहरोड़ सदर को हिरासत में लिया था। तलाशी के दौरान उनके पास से 500-500 रुपये के 135 जाली नोट बरामद हुये थे, जिनका कुल मूल्य 67500 रुपये था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले दो दिनों से कोटपूतली कस्बे के बाजार में जाली नोट चला रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से जाली नोटों के बदले दुकानदारों से ठगी गई 14440 रुपये की असली भारतीय करेंसी भी बरामद की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार आरोपियों से सघन पूछताछ के बाद पुलिस को इस गिरोह के मुख्य सप्लायर के बारे में अहम सुराग मिले। इसके बाद पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए 24 अगस्त को मुख्य सप्लायर चिराग (24) पुत्र लोकेश भारद्वाज निवासी जोनायचा खुर्द थाना शाहजहांपुर हाल किरायेदार मकान नं. 318 वीटा डेयरी के पास सैक्टर-6 धारूहेड़ा थाना सैक्टर-6 जिला रेवाड़ी, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब मुख्य आरोपी चिराग भारद्वाज से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये जाली नोट कहां छापे जा रहे थे और इस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है।

महिला सहित दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती लूणी स्थित लोलावास गांव में एक महिला ने अपने घर में भूल से जहरीली दवाई का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। मगर अब उसकी मौत हो गई। पति की तरफ से लूणी थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

लूणी पुलिस ने बताया कि लोलावास गांव की रहने वाली 30 साल की ममता पत्नी भंवरलाल पालीवाल ने 23 अगस्त को अपने घर पर भूल से जहरीली दवाई का सेवन कर लिया था। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर गए, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। पति भंवरलाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

वहीं महामंदिर स्थित जेएसए-बीजेएस कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। महामंदिर पुलिस ने बताया कि जेएसए-बीजेएस कॉलोनी निवासी 44 वर्षीय नरपत सिंह पुत्र भंवरसिंह ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजन को पता लगने पर उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। इस बारे में मृतक के भाई वीरसिंह ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

कार्यालय आयुक्त, देवस्थान विभाग राजस्थान, उदयपुर (राज.)

आम सूचना

''कैलाश मानसरोवर यात्रा''

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of External affairs, GOI) के माध्यम से कराई जाने वाली ''कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026'' हेतु देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के 100 तीर्थ यात्रियों को यात्रा पूर्ण करने के पश्चात अधिकतम 1,00,000/- (अक्षरे-एक लाख रूपये) प्रति यात्री की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। इस हेतु यात्रा करने के पश्चात दो माह के अन्दर आवदेन कर सकते है। यह यात्रा माह जुलाई 2026 से सितम्बर 2026 के मध्य में की जा सकती है। इस वर्ष की निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में आवेदन प्राप्त होते है, तो उनका चयन लॉटरी द्वारा किया जावेगा।

योजनान्तर्गत पात्रता की मुख्य शर्तें निम्नानुसार रहेंगी-

- आवेदक राजस्थान का मूल निवासी है।
- यात्रा समाप्ति के उपरान्त विदेश मंत्रालय, (Ministry of External affairs, GOI) द्वारा सफलतापूर्वक यात्रा सम्पन्न किये जाने का प्रमाणिकरण संलग्न किया जाना आवश्यक होगा तथा यात्रा समाप्ति के दो माह के भीतर (अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2026) तक आवेदन सम्बन्धित सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग कार्यालय में पेश करना होगा। प्राप्त आवेदन संख्या (100) से अधिक होने पर चयन लॉटरी द्वारा किया जाएगा।
- इस यात्रा के तहत उक्त अनुदान यात्री के जीवनकाल में एक ही यात्रा के लिए एक बार देय होगा।

उक्त योजना की विस्तृत जानकारी, आवेदन-पत्र एवं संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालयों की सूची देवस्थान विभाग की वेबसाईट devasthan.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन फॉर्म संबंधित सहायक आयुक्त कार्यालय में निर्धारित तिथि तक जमा कराये जा सकेंगे।

DIPR/C/15396/2026 आयुक्त, देवस्थान विभाग, उदयपुर

वारदात की फिराक में घूम रहे दो कुख्यात चोर गिरफ्तार

जयपुर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए वारदात की फिराक में घूम रहे दो कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार दिन पहले एसएमएस थाना क्षेत्र से चोरी हुई बाइक और एक अवैध धारदार छुरी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी पूर्व रंजिता शर्मा ने बताया कि आदर्श नगर थाना पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए वारदात की फिराक में घूम रहे सागर सैनी उर्फ मोंटी (30) निवासी गुर्जर की थड़ी, मानसरोवर हाल जवाहर नगर और वासु परसौमा (24) निवासी बजाज नगर हाल गुर्जर की थड़ी मानसरोवर को गिरफ्तार किया है। आरोपित सैनी उर्फ मोंटी खिलाफ मानसरोवर और रामगंगरिया थानों में चोरी व अन्य अपराधों के 10 से अधिक मामले दर्ज हैं और दूसरे आरोपी वासु परसौमा के खोह नागोरियान, मालवीय नगर, ज्योति नगर, बजाज नगर, प्रताप नगर, शिवदासपुरा और महेश नगर थानों में चोरी के 8 से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। दोनों के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चोरी सहित अन्य अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी कई मामलों में वारंटी और स्थायी वारंटी भी हैं। पूछताछ में शहर में हुई अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे की संभावना है।

फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट से 12 करोड़ रु. ठगने वाला एक और बदमाश गिरफ्तार

साइबर क्राइम पुलिस ने अब तक पांच आरोपी पकड़े, बैंक खाते में पहुंची 25 लाख की रकम से सुराग खुला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12 करोड़ 9 लाख 65 हजार 512 रुपए की साइबर ठगी के मामले में राजस्थान पुलिस की स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने भोपाल निवासी विशाल शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

आरोपी विशाल शर्मा

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए परिवादी से 12.09 करोड़ रुपए से अधिक की रकम ठगी थी।

पुलिस के अनुसार 25 सितंबर 2025 को परिवादी के वाट्सऐप नंबर पर एक संदेश आया। इसमें वेबसाइट का लिंक भेजा गया था। वेबसाइट पर ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग और आकर्षक रिटर्न का प्रचार किया गया था। परिवादी ने वेबसाइट पर खाता बनाया और कथित ग्राहक सेवा के निर्देश पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करना शुरू किया। गत 7 अक्टूबर से 4 नवंबर 2025 के बीच परिवादी ने करीब 6 करोड़ रुपए विभिन्न बैंक खातों में जमा किए। वेबसाइट के वर्चुअल वॉलेट में लाभ सहित करीब 9.42 करोड़ रुपए प्रदर्शित किए गए, जिससे परिवादी को लगा कि उसका निवेश लगातार बढ़ रहा है।

जब उसने 7 नवंबर को 5,02,84,784 रुपए निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने आयकर प्रक्रिया, शुल्क और अन्य मदों के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा करवानी शुरू कर दी। गत 10 से 26 नवंबर के बीच अलग-अलग शुल्क के नाम पर रकम जमा करवाकर आरोपियों ने कुल 12.09 करोड़ रुपए से अधिक हासिल कर लिए। इसके बाद न तो मूल रकम लौटाई गई और न ही उसे निकालने दिया गया। जांच के दौरान शुरुआती 20 लाभार्थी बैंक खातों के बैंक स्टेटमेंट, खाता खोलने के फॉर्म और केवाईसी रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। मनी ट्रेल की जांच में सामने आया कि 29 अक्टूबर 2025 को ठगी की रकम में से 25 लाख रुपए विशाल शर्मा के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में जमा हुए थे। इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के जरिए जांच करने पर पता चला कि विशाल शर्मा पहले से साइबर क्राइम वेस्ट दिल्ली के एक मामले में गिरफ्तार होकर तिहाड़ जेल में न्यायिक अभिरक्षा में था। पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए उसे जयपुर लाकर न्यायालय में पेश किया और नियमानुसार गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में विशाल ने बताया कि जुलाई 2025 में उसकी पहचान अभिषेक नामक व्यक्ति से हुई थी। अभिषेक ने बैंक खाता खुलवाकर उसके इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराने के बदले 20 हजार रुपए कमीशन देने का प्रस्ताव दिया था।

आरोपी के अनुसार अभिषेक के निर्देश पर उसे लखनऊ के रास्ते नेपाल ले जाया गया, जहां उसकी मुलाकात रविकांत उर्फ रवि पांचाल और बिरेन उर्फ बिट्टू से हुई। इस दौरान कुछ समय के लिए उसका मोबाइल फोन और सिम भी अन्य लोगों ने अपने पास रख लिया। बाद में उसे भोपाल भेज दिया गया और अभिषेक शर्मा ने उसे 10 हजार रुपए कमीशन दिया।

जांच में सामने आया कि विशाल के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते का इस्तेमाल साइबर अपराध से संबंधित रकम के लेन-देन में हुआ। इसके खिलाफ पूर्व में हैदराबाद पुलिस भी कार्रवाई कर चुकी है। इसके अलावा 1 दिसंबर 2025 को साइबर पुलिस वेस्ट दिल्ली ने उसे गिरफ्तार किया था।

पुलिस अब वाट्सऐप रिकॉर्ड, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), ग्राहक आवेदन फॉर्म (सीएएफ), पहचान दस्तावेज, इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड (आईपीडीआर) और बैंकिंग लेन-देन की मनी ट्रेल का तकनीकी विश्लेषण कर रही है। ठगी की रकम आगे किन-किन बैंक खातों में पहुंची और नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

यमुना जल परियोजना में हाइड्रोलॉजी व अंतरराज्यीय स्वीकृतियां जारी हुईं

डी.पी.आर. अनुमोदन की राह आसान, एसपीवी का जल्द होगा गठन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के लिए महत्वाकांक्षी यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। परियोजना की डीपीआर के लिए आवश्यक हाइड्रोलॉजी एवं अंतरराज्यीय स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे राजस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि और प्रदेश के जल संसाधन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राजस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि और प्रदेश के जल संसाधन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे परियोजना के विभिन्न निर्माण कार्यों को गति मिलने के साथ ही राजस्थान में यमुना जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।बैठक में बताया गया कि 21 अगस्त, 2026 को नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय जल आयोग में यमुना जल परियोजना की डीपीआर की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने परियोजना के कंसल्टेंट नेबकॉन के विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों को निरंतर समन्वय कर डीपीआर के अनुमोदन की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए।अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने बताया कि परियोजना के लिए हॉसियावास (चूरू) में प्रस्तावित तीन जलाशयों में से घनोटी जलाशय की निविदा जारी की जा चुकी है तथा इसकी तकनीकी निविदा 27 अगस्त को खोली जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रक्रिया को निर्धारित समय में पूरा करने एवं 29 जून 2026 को हुए एमओयू के अनुसार एसपीवी के गठन के लिए प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वन स्टेट-वन इलेक्शन जनता के लिए लाभकारी : मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वन स्टेट वन इलेक्शन के भाव से प्रदेश में हो रहे निकाय एवं पंचायती राज के चुनावो के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव से ना केवल खर्च बढ़ता है बल्कि प्रशासनिक कामकाज में भी व्यवधान आता है जिससे लोक कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी असर पड़ता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बार बार चुनाव से सरकार एवं प्रशासनिक मशीनरी चुनाव कार्यो में व्यस्त हो जाती है और आचार संहिता की आड़ में विकास कार्य रुक जाते हैं जिसका सीधा नुकसान आम जनता को होता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधि प्रकोष्ठ द्वारा निकाय चुनाव के लिए प्रकाशित मार्गदर्शिका पुस्तक का विमोचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतान्त्रिक पर्व है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतंत्र का पहरेदार, इसलिए चुनाव चाहे पंचायत का हो या पार्लियामेंट का भाजपा का कार्यकर्ता सजगता से अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता मालिक होता है पर मतदाता को सही तथ्य और विपक्ष द्वारा दी जा रही गलत जानकारी से सनद करने की जिम्मेदारी भी हमारी है। राठौड़ ने कहा कि युवा राजनीति में आगे आए, उनकी भागीदारी बढ़े, वे प्रशिक्षित हो और जन प्रतिनिधि बनकर लोक सेवा के मिशन में लगे इसके लिए भाजपा अपने युवा कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित भी करती है और अवसर भी देती है। इस दौरान विमोचन कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरभ सारस्वत, सहसंयोजक भवानी सिंह राजावत मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हिरेन्द्र कौशिक सहित अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने क्रम-1 ने नाबालिग को डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार उर्फ धर्मा को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त के कृत्य से न केवल शारीरिक रूप से बल्कि पीडिता मानसिक रूप से भी दर्दनाक स्थिति में पहुंची है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीडिता के पिता ने 25 जून, 2022 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि बीते करीब छह माह से अभियुक्त उसके घर दूध लेने आ रहा था। इस दौरान अभियुक्त ने उसकी नाबालिग बेटी के नहाते समय के अश्लील वीडियो बना लिए। जिन्हें वायरल करने का कहकर अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 21 अगस्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि पीडित पक्ष ने उससे करीब तीन लाख रुपए उधार लिए थे। जब उसने रुपए मांगे तो पीडिता के पिता ने अपनी बेटी को ढाल बनाकर उसके खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

दूध व खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले में आरसीडीएफ ने हाईकोर्ट में जवाब पेश किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में दूध और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले में चल रही सुनवाई के दौरान आरसीडीएफ की ओर से हाईकोर्ट में जवाब पेश किया गया। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस प्रमिल माथुर की खंडपीठ ने जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले की सुनवाई 16 सितंबर को रखी है। अदालत ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

- 'प्रतिदिन 400 लाख लीटर दूध असंगठित क्षेत्र के जरिए होता है वितरित : आरसीडीएफ

आरसीडीएफ की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने जवाब में बताया कि प्रदेश में करीब एक हजार लाख लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादित होता है। इसमें से करीब पांच सौ लाख लीटर दूध घरेलू स्तर पर खपत होता है और शेष बाजार में आता है। इसमें से करीब चार सौ लाख लीटर दूध प्रतिदिन असंगठित क्षेत्र के जरिए वितरित होता है। इसमें स्थानीय विक्रेता और निजी डेयरियां शामिल हैं। इसके मुकाबले संगठित क्षेत्र करीब सौ लाख लीटर दूध वितरित करता है। आरसीडीएफ स्वयं करीब 40 से 45 लाख लीटर दूध प्रतिदिन प्रोसेस करता है। फेडरेशन की ओर से बताया गया की दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावट पकड़ने के लिए बहुस्तरीय जांच व्यवस्था है। दूध की जांच डेयरी सोसायटी, बल्क मिल्क कूलर, जिला प्रयोगशाला, उत्पाद स्तर और केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला में की जाती है। इसके साथ ही जिला प्रयोगशाला में एफटीआईआर आधारित तकनीक काम में ली जाती है। जिसमें पानी, यूरिया, डिटर्जेंट, स्टार्च और नमक सहित 22 तरह की मिलावट का पता लगाया जाता है। जयपुर की केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला में मेलामाइन, एंटीबायोटिक व कीटनाशक अवशेष सहित भारी धातुओं की भी जांच की जाती है। फेडरेशन ने कहा कि वह संगठित डेयरी क्षेत्र में काम करता है और पूरे प्रदेश के दूध बाजार पर उसका नियंत्रण नहीं है। ऐसे में मिलावट की व्यापक समस्या को देखते समय असंगठित क्षेत्र की भूमिका को भी ध्यान में रखना होगा। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने पशुपालन विभाग की ओर से जवाब पेश करने के समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 16 सितंबर को तय की है।

भर्ती के दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम जारी

जयपुर। कृषि विभाग ने सहायक कृषि अभियंता एवं कृषि अनुसंधान अधिकारी (कृषि रसायन) पदों पर भर्ती के अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम जारी कर दिया है। सहायक कृषि अभियंता के 729 और कृषि अनुसंधान अधिकारी (कृषि रसायन) के 42, कुल 771 अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन 2 से 10 सितंबर तक किया जाएगा।

अभ्यावेदन जांच में सही हो तो याचिकाकर्ताओं की वापस लें दक्षता परीक्षा : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई, प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2025 में शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान कई जगह बारिश से मैदान व ट्रैक खराब होने से जुडे मामले में अदालती आदेश के पालन में जयपुर, भरतपुर व अजमेर सहित अन्य जगहों की वीडियोग्राफी पेश की गई। अदालत ने वीडियोग्राफी देखने के बाद अभ्यर्थियों से कहा है कि वे सात दिन में इस संबंध में अपना अभ्यावेदन दें। वहीं राज्य सरकार व एडीजी भर्ती व पदोन्नित बोर्ड को कहा है कि यदि जांच में उनका अभ्यावेदन सही पाया जाए तो आगामी 9 व 10 सितंबर को उनकी शारीरिक दक्षता परीक्षा वापस ली जाए। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सीमा गुर्जर, योगिता व अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी व प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि याचिकाकर्ताओं का शारीरिक दक्षता टेस्ट, सीआरपीएफ सेंटर अजमेर व जयपुर सहित अन्य जगहों पर हुआ था। टेस्ट के दौरान लगातार बारिश के कारण मैदान व रनिंग ट्रैक खराब हो गए थे। वहां पर पानी भरने से फिसलन बढ़ गई थी। इसके चले दौड़ और कूद के दौरान अभ्यर्थी को परेशानी हुई और चोट भी लगी। याचिकाकर्ताओं ने भर्ती एजेंसी को इस संबंध में अपना प्रतिवेदन भी दिया, लेकिन उसका निस्तारण नहीं किया गया। इसलिए उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में एक और मौका दिया जाए। जिस पर अदालत ने भर्ती एजेंसी को इन जगहों की वीडियोग्राफी पेश करने के लिए कहा था।

- एसआई, प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2025 का मामला

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए सतर्क रहें : चिकित्सा मंत्री

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस एवं स्वाइन फ्लू सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने हाई रिस्क क्षेत्रों में टीम बनाकर नियमित निगरानी करने तथा स्वाइन फ्लू को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू की रोकथाम के लिए सघन मॉनिटरिंग के साथ जांच एवं उपचार सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। चिकित्सा संस्थानों में मरीजों के भार के अनुसार चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की नियुक्ति की जाए। साथ ही फर्स्ट रेफरल यूनिट्स एवं ट्रोमा सेंटर्स में आवश्यक तीन चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खींवसर ने चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक जांच, दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिन संस्थानों में सीटी-एमआरआई जांच सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां पीपीपी मोड पर सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मानव संसाधन की स्थिति की रिपोर्ट तीन दिन में भेजने को कहा। बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. नरोत्तम शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सेतु एप, टीबी मुक्त भारत अभियान, एचपीवी टीकाकरण, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीसीटीएस प्रसव वॉच कार्यक्रम एवं आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन की भी समीक्षा की गई।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर। बगरू पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी हेमराज जाजोरिया (19) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से छीना गया एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है।

नीलकंठ फर्टिलिटी के 9 केंद्रों के पंजीकरण निलंबित

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) एवं सरोगेसी सेवाओं के नियमन में प्रथम दृष्टया उल्लंघन पाए जाने पर नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। संस्थान के अधीन संचालित एआरटी क्लिनिक, एआरटी बैंक एवं सरोगेसी क्लिनिक के कुल 9 पंजीकरण प्रमाण-पत्र तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक निलंबित किए गए हैं।

- भ्रूण को नीला दिखाने वाले विज्ञापन पर कार्रवाई

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड ने बताया कि एआरटी (रेग्युलेशन) एक्ट, 2021 के प्रावधानों के उल्लंघन के तहत यह कार्रवाई की गई है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित आईवीएफ, फर्टिलिटी एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के विज्ञापन में भ्रूण को नीले रंग में प्रदर्शित किया गया था, जिसे प्रथम दृष्टया लिंग चयन से संबंधित सेवा के प्रचार का संकेत माना गया।

उन्होंने बताया कि जयपुर में 3 तथा भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, जोधपुर और अजमेर में एक-एक सहित कुल 9 एआरटी/सरोगेसी सेंटरों के पंजीकरण निलंबित किए गए हैं। इनमें भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर, अजमेर और जोधपुर के एआरटी क्लिनिक लेवल-1, जयपुर के दो एआरटी क्लिनिक लेवल-2, एक सरोगेसी क्लिनिक तथा एआरटी बैंक शामिल है। राठौड ने कहा कि लिंग चयन एवं लिंग आधारित एआरटी प्रक्रियाओं पर पूर्ण वैधानिक प्रतिबंध है। प्रतिबंधित गतिविधियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रचार को स्वीकार नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बालिका सैनिक विद्यालयों के लिए 65.24 करोड़ रु. का अतिरिक्त बजट प्रस्ताव

जयपुर। प्रदेश में बालिका शिक्षा को मजबूत करने और बालिकाओं को सैन्य सेवाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए बीकानेर एवं सीकर में संचालित बालिका सैनिक विद्यालयों को अत्याधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जाएगा। शासन सचिवालय में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में दोनों विद्यालयों के विकास को लेकर चर्चा हुई।

स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को समीक्षा बैठक हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने दोनों विद्यालयों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मॉडल के बजाय झुंझुनूं एवं चित्तौड़गढ़ सैनिक विद्यालयों की तर्ज पर विकसित करने के निर्देश दिए। इसके लिए कुल 65.24 करोड़ रुपये का संशोधित अतिरिक्त बजट प्रस्ताव तैयार किया गया है।प्रस्ताव में निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं के लिए 62.79 करोड़, आवश्यक सामग्री एवं आधुनिक आईसीटी उपकरणों के लिए 2.44 करोड़ तथा भोजन एवं दैनिक व्यवस्थाओं के लिए 1.27 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। विद्यालयों में आधुनिक छात्रावास, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कैंटीन, ऑडिटोरियम, स्मार्ट कक्षाएं, कंप्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण और खेल सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

बीकानेर के विद्यालय में मल्टीपर्पज इनडोर गेम हॉल, वॉलीबॉल ग्राउंड, तीरंदाजी मैदान, सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट, सिंथेटिक ट्रैक तथा हॉकी एवं फुटबॉल के लिए ग्रीन टर्फ मैदान विकसित किए जाएंगे। दोनों विद्यालयों में प्रति विद्यालय 80 बालिकाओं की क्षमता वाले नए हॉस्टल सहित अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

बैठक में विशिष्ट शासन सचिव स्कूल शिक्षा विश्वमोहन शर्मा, संयुक्त शासन सचिव वित्त प्रताप सिंह, संयुक्त शासन सचिव पीएचईडी सक्षम गौड़, डिप्टी कमिश्नर केजीबीवी सेल वर्षा मीणा सहित ऊर्जा, पंचायतीराज, जेवीवीएनएल एवं आरएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

400 पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण

जयपुर। पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जयपुर पूर्व पुलिस की ओर से मंगलवार को पुलिस उपायुक्त कार्यालय के सभागार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। डीजीपी-आईजीपी पुलिस सम्मेलन-2024 की सिफारिश संख्या-12 की अनुपालना तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के दो वर्षीय कार्यक्रमों के तहत आयोजित शिविर में 400 से अधिक पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर का आयोजन पुलिस आयुक्तालय के सीएसआर साझेदार संस्थानों और मेट्रो मास हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया।

नाम परिवर्तन

मेरी 10वीं, 12वीं की अंकतालिका में मेरा नाम Mohd Shoaib Khan S/o Mohd Ayub Khand है व सभी दस्तावेजों में मेरा नाम Mohammed Shoaib Khan है यह दोनों नाम मेरे ही हैं भविष्य में मुझे Mohammed Shoaib Khan S/o Mohammed Ayub के नाम से जाना पहचाना जाए।

I Kaushal resident of C,94, Behind IOC Petrol pump, Vaishali Nagar, Jaipur,302021 Raj., have changed my name from Kaushal to Kaushal Sharma Vide Affidavit No-CP982122, Dated 25.08.2026 Notary Public Jaipur Raj.

खोया पाया

मेरे प्लॉट नं. 13/1075 मालवीय नगर जयपुर का ओरिजनल डिक्लेरेशन लेटर, अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। राजेश झालानी, 9928001459

प्लॉट नम्बर 554-ए अशोक चौक आदर्श नगर जयपुर का असल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गया है। जिस किसी को मिले सूचित करें। राजू गांगुली मो.-89543 35430

मेरा प्लॉट 1392, मूर्ति कला विहार जोन 17 रोजड़ा जयपुर का पट्टा कहीं खो गया है, रमेश चंद शर्मा 9784892676

आवास संख्या 5/397, मानसरोवर जयपुर का आवंटन, कब्जा एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं गिर/खो गया, मिलने पर सूचित करें, इन्द्रजीत, मोबाइल 9610571190

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री माधोलाल अग्रवाल पुत्र श्री भागीरथ अग्रवाल व मेरे अभिभाष्य गोपीचन्द अग्रवाल व शुभम गर्ग के नाम से यूनियन बैंक आफ इण्डिया नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाजार जयपुर में एक लॉकर संख्या-22, सयुंक्त नाम से ले रखा था। श्री माधोलाल जी का सन 2020 मे देहान्त हो गया उनकी पंजीबद्ध वसीयत दिनांक 30.12.2021 के अनुसार उनकी मृत्यु के बाद गोपीचन्द अग्रवाल व शुभम गर्ग को उक्त लॉकर संख्या-22 को आपरेट करने का अधिकार दिया गया था। यदि किसी व्यक्ति को मेरे अभिभाष्य द्वारा उक्त लॉकर को आपरेट करने में कोई आपत्ति हो तो उक्त आपत्ति 15 दिवस के अन्दर प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे अभिभाष्य गोपीचन्द अग्रवाल व शुभम गर्ग को उक्त लॉकर को आपरेट करने का पूर्ण अधिकार होगा। सूचित रहे।
जयपुर दिनांक
भरत सिंह, एडवोकेट मो.न. 9414050347

कार्यालय उपायुक्त, वैशाली नगर जोन, नगर निगम जयपुर
क्रमांक:एफ-() वै.न.जोन / ज.न.नि./2026/704 दिनांक-21/8/26
सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या 56 नन्द विहार (माधव नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर) द्वारा श्रीमती मंजु शर्मा पत्नि श्री विष्णु प्रसाद शर्मा (मूल आवंटी-आवंटन पत्र क्रमांक 2688/ एल. दिनांक 11.03.1996 क्षेत्रफल 356.66 वर्गगज) का आवंटन जारी किया गया था। दिनांक 25.01.2002 श्रीमती मंजु शर्मा पत्नि श्री विष्णु प्रसाद शर्मा द्वारा श्री ललित कुमार सरावगी पुत्र श्री सोहन लाल सरावगी को जरिये पंजीकृत मुख्त्यारनामा द्वारा मुख्त्यार-आम किया गया। क्षे 356.66 वर्गगज दिनांक 03.07.2003 श्री ललित कुमार सरावगी पुत्र श्री सोहन लाल सरावगी द्वारा उक्त वर्णित भूखण्ड का उत्तरी हिस्सा क्षे0 178.33 वर्गगज का बेचान श्री हर्ष सक्सेना पुत्र श्री भगवत नारायण सक्सेना को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र बेचान किया गया। दिनांक 02.05.2007 श्री हर्ष सक्सेना पुत्र श्री भगवत नारायण सक्सेना द्वारा 1. वीना सक्सेना पत्नी स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना 2. हिमांशु राय पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना 3. प्रयास सक्सेना पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना भूखण्ड संख्या 56 का उत्तरी भाग पूर्व मुखी क्षेत्रफल 178.33 वर्गगज का बेचान जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र किया गया। दिनांक 18.02.2024 को श्री मुकेश कुमार सक्सेना के मृत्यु पश्चात् उनके वारिसो वीना सक्सेना (पत्नी), हिमांशु राय (पुत्र), प्रयास सक्सेना (पुत्र) द्वारा उक्त भूखण्ड के उत्तरी भाग क्षे0 178.33 वर्गगज का आवेदन किया गया। वर्तमान में उक्त भूखण्ड का लीज डीड पट्टा श्रीमती वीना सक्सेना पत्नी स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना, हिमांशु राय पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना, प्रयास सक्सेना पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना के नाम से लीज डीड पट्टा जारी किया जाना है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत अण्डरटेकिंग, रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम जयपुर द्वारा श्रीमती वीना सक्सेना पत्नी स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना, हिमांशु राय पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना, प्रयास सक्सेना पुत्र स्व श्री मुकेश कुमार सक्सेना के नाम से लीज डीड पट्टा किया जाना है। इस लीज डीड पट्टा को जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, वैशाली नगर जोन) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार लीज डीड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त, वैशाली नगर जोन, नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-6, जयपुर महानगर द्वितीय

बलवीर सिंह विरूद्ध आशा चौधरी व अन्य

वाद बाबत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सख्यां 43/2026

बनाम शौर्य सिंह पुत्र स्व. भगत सिंह, निवासी द्वारा: श्री रामेश्वर लाल, ग्राम पडासौली छोटी, पोस्ट पडासौली बडी, वाया फागलवा, जिला सीकर एवं प्लाट नम्बर-72, आनन्द नगर, सिरसी रोड, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान ने आपके विरूद्ध घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 02.09.2026 को दिन में 10:00 बजे दावे का उतर देने के उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उतर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उतर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा
यह आज दिनांक 19 माह अगस्त सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-6, जयपुर महानगर द्वितीय

बलवीर सिंह विरूद्ध शौर्य सिंह व अन्य

वाद बाबत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सख्यां 42/2026

बनाम शौर्य सिंह पुत्र स्व. भगत सिंह, निवासी द्वारा: श्री रामेश्वर लाल, ग्राम पडासौली छोटी, पोस्ट पडासौली बडी, वाया फागलवा, जिला सीकर एवं प्लाट नम्बर-72, आनन्द नगर, सिरसी रोड, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान ने आपके विरूद्ध घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 02.09.2026 को दिन में 10:00 बजे दावे का उतर देने के उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उतर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उतर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा
यह आज दिनांक 19 माह अगस्त सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-06, जयपुर महानगर द्वितीय

भले ही भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में पीछे छूट गया हो, लेकिन टीम की क्वालिटी को देखते हुए दो बार फ़ाइनल खेल चुकी यह टीम अभी भी रेस से बाहर नहीं हुई है। - राहुल द्रविड़

भारत के पूर्व हेड कोच, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

प्रसिद्ध कृष्णा

भारतीय तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उनका आक्रामक रवैया मैदान पर उनके व्यवहार से नहीं, बल्कि उनकी गेंदबाज़ी की तीव्रता और अनुशासन से झलकता है। उनका मानना है कि पिच और हालात के हिसाब से उनकी गेंदबाज़ी की लंबाई बदलती रहती है, और टीम के एनालिस्ट और कोच उन्हें सही जगह गेंदबाज़ी करने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि पिच के हिसाब से बॉलिंग की लेंथ बदलती रहती है। इसलिए हम एनालिस्ट और कोच के साथ बैठकर तय करते हैं कि अलग-अलग पिच पर किस लेंथ से बॉलिंग करनी है। और हाँ, जब मैं देश के लिए नहीं खेल रहा था।

क्या आप जानते हैं ?... मनप्रीत सिंह: भारत के लिए सबसे ज्यादा (415 से अधिक) अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाडी बने।

कोलंबो टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, श्रीलंका ने 8 विकेट पर बनाए 265 रन

कोलंबो, 25 अगस्त। प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार के तीन-तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल बारिश और खराब रोशनी के कारण जल्दी समाप्त होने तक श्रीलंका ने आठ विकेट पर 265 रन बनाए और वह भारत से 238 रन पीछे है। सोनल दिनूषा 85 और लाहिरू कुमारा आठ रन बनाकर नाबाद हैं।

दिन की शुरुआत श्रीलंका ने दो विकेट पर आठ रन से की। कामिल मिशारा और पसिंदु सोरियाबंदारा ने सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने मिशारा को 19 रन पर आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद सोरियाबंदारा और कामिंदु मेंडिस ने 87 रन की साझेदारी कर श्रीलंका को संभाला।

शुभमन गिल ने प्रसिद्ध कृष्णा को दोबारा गेंदबाजी पर लगाया और उन्होंने लंच से पहले कामिंदु मेंडिस को 32 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद सोरियाबंदारा ने अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया, लेकिन मानव सुथार ने धनंजय डी सिल्वा को आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई।

रवींद्र जडेजा ने सोरियाबंदारा की 80 रन की पारी का अंत किया, जबकि मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। 173 रन पर सात विकेट गंवाने के बाद दिनूषा ने केशरा नुवांथा के साथ 57 रन की साझेदारी कर श्रीलंका को संकट से उबारा।

मानव सुथार ने नुवांथा को 18 रन पर आउट किया, लेकिन दिनूषा ने लाहिरू कुमारा के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। खराब रोशनी और बारिश के कारण 83.4 ओवर के बाद खेल रोकना पड़ा।

सरफराज श्रीलंकाई कप्तान से बोले- यहां टाइमपास करने नहीं आया : भारत ने कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका के 265 रन पर 8 विकेट गिरा दिए। इससे पहले दूसरे दिन भारत ने पहली पारी 503/9 में घोषित की थी। मैदान पर सबसे ज्यादा ध्यान सब्स्टीट्ययूट फील्डर सरफराज खान की मजेदार स्लेजिंग ने खींचा। सरफराज ने श्रीलंकाई कप्तान से कहा- मैं यहां टाइमपास करने नहीं आया हूं। डरो मत, अच्छे से खेलो।

चोटिल ऋषभ पंत की जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की। श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने लगातार तीसरी टेस्ट पारी में 50 रन बनाए। बारिश की वजह से मंगलवार को 2 बार खेल रुका।

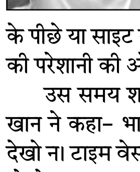

सरफराज और श्रीलंकाई कप्तान की बात स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई : श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा मानव सुथार की गेंद खेलने से ठीक पहले पीछे हट गए। वे गेंदबाज के पीछे या साइट स्क्रीन की तरफ किसी तरह की परेशानी की ओर इशारा करते नजर आए।

उस समय शॉर्ट लेग पर खड़े सरफराज खान ने कहा- भाई, कुछ नहीं है वहां। सीधे देखो न। टाइम वेस्ट कर रहे हो, डरो मत और खेलो। तुम कप्तान हो। सरफराज यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा- मैं यहां टाइमपास करने नहीं आया हूं। धनंजय ने सरफराज की बातों पर रिप्लाई नहीं किया।

सरफराज खान को कोलंबो टेस्ट की प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है। हालांकि, वे सब्स्टीट्ययूट फील्डर के तौर पर मैदान पर उतरे। उन्होंने ऋषभ पंत की जगह शॉर्ट लेग और सिली पॉइंट पर फील्डिंग की।

दलीप ट्रॉफी : शाहबाज और सुदीप के शतक से ईस्ट जोन ने दर्ज की पारी और 210 रनों से बड़ी जीत

बेंगलुरु, 25 अगस्त। शाहबाज अहमद के करियर के सर्वश्रेष्ठ 167 रन और सुदीप कुमार घरामी के 146 रन की शानदार पारियों के बाद अनुकूल रॉय और अभिजीत सरकार की पांच-पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के दम पर ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 में खेले गए मुकाबले में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 467 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शाहबाज ने 167 रनों की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली, जबकि सुदीप कुमार घरामी ने 146 रन बनाए। दोनों ने शानदार शतकीय पारियों से टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसके जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी महज 111 रन पर सिमट गई। अभिजीत सरकार ने 20 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि शाहबाज अहमद ने तीन विकेट अपने नाम किए।

नॉर्थ ईस्ट जोन की ओर से अर्पित भटेवार ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। फॉलोऑन खेलने उतरी नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम दूसरी पारी में भी ईस्ट के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। अनुकूल रॉय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। शाहबाज और वैभव सूर्यवंशी ने भी अहम विकेट चटकाए।

नॉर्थ ईस्ट जोन की ओर से पीहेरोइजाम जोतिन ने 39 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध किया। नौवें विकेट के लिए आकाश चौधरी और जोतिन ने 39 रन की साझेदारी कर हार को कुछ देर टाला लेकिन अनुकूल रॉय ने चौधरी को बोल्ड करने के बाद जोतिन को भी आउट कर ईस्ट जोन की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ ईस्ट जोन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना पिछले सत्र की चैंपियन सेंट्रल जोन से होगा। दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 30 अगस्त से खेला जाएगा।

भारतीय पुरूष हॉकी का शर्मनाक प्रदर्शन, विश्व कप चयन पर दिग्गजों ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, 25 अगस्त। विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का सपना लेकर गई भारतीय पुरूष हॉकी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहने के बाद पूर्व दिग्गजों ने युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने और उसी कोर ग्रुप के साथ लगातार खेलने पर सवाल उठाये हैं। अर्जेंटीना से 3 -5 से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें भी खत्म हो गई और इससे वे कमजोरियां भी उजागर हुई जो पेरिस ओलंपिक के बाद से लगातार चली आ रही थी। पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि धीमी शुरूआत, मौके गंवाने और डिफेंस में चूक से आगे यह समस्या और बड़ी है और इसका हल काफी पहले निकाला जाना चाहिये था। भारतीय टीम विश्व कप से पहले स्विटजरलैंड में मानसिक दृढता बढाने के लिये बूट कैंप में गई।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रभात जयसूर्या को फटकार

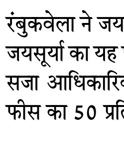

कोलंबो, 25 अगस्त। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या को आधिकारिक फटकार लगाई गई है। इसके साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। जयसूर्या को आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़े, मैदान से जुड़े उपकरण या अन्य सुविधाओं के अनुचित इस्तेमाल अथवा नुकसान पहुंचाने से संबंधित है। यह घटना दूसरे दिन (सोमवार) की आखिरी गेंद पर जयसूर्या के आउट होने के बाद हुई। पवेलियन लौटते समय उन्होंने अपने बल्ले से मैदान की सीमा पर लगे बोर्ड को मारा था। जयसूर्या ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को भी स्वीकार कर लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर अहसान रजा और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर रॉड टकर तथा चौथे अंपायर प्रगीथ रंबुकवेला ने जयसूर्या के खिलाफ आरोप लगाए थे। पिछले 24 महीनों में जयसूर्या का यह पहला अपराध है। लेवल-1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार, जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल स्पर्धाओं का आयोजन

एसएमएस स्टेडियम में मनाया जा रहा है खेल दिवस

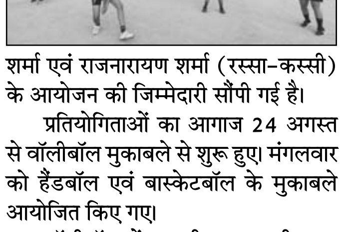

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में 24 से 29 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित हो रहे इस छह दिवसीय खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को एक प्रतिस्पर्धी खेल मंच प्रदान करना तथा हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्मृति को नमन करना है।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि यह आयोजन राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग के समन्वय से किया जा रहा है। इस हेतु खेल प्रतियोगिता संचालन समिति बनाई गई है, जिसमें मनीष वर्मा (क्रिकेट), प्रशांत सप्रे (हॉकी), अशोक ढाका (बास्केटबॉल), राजनारायण शर्मा (कबड्डी), प्रवीण शर्मा (वॉलीबॉल), प्रियदीप सिंह (हैंडबॉल), प्रेम शर्मा एवं राजनारायण शर्मा (रस्सा-कस्सी) के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रतियोगिताओं का आगाज 24 अगस्त से वॉलीबॉल मुकाबले से शुरू हुए। मंगलवार को हैंडबॉल एवं बास्केटबॉल के मुकाबले आयोजित किए गए।

वॉलीबॉल में आरवीए अकादमी पुरुष वर्ग में तथा जयपुर वॉलीबॉल अकादमी महिला वर्ग में विजेता रही। दोनों वर्गों में छह-छह टीमों ने भाग लिया।

बास्केटबॉल में राजस्थान पुलिस ने विद्याश्रम स्कूल को 45-41, एसएमएस ने संस्कार को 40-35 तथा विद्याश्रम अकादमी ने सुबोध स्कूल को 30-26 से हराया। वहीं बालिका वर्ग में एसएमएस को राजस्थान पुलिस के हाथों 30-40 से हार का सामना करना पड़ा। क्रीड़ा परिषद् ने एमपीएस को 24-20 तथा पिंकसिटी अकादमी ने संस्कार स्कूल को 21-16 से पराजित किया।

हैंडबॉल में महिला वर्ग में कनोडिया ने पिंक सिटी को 11-05 से, महारानी ने यूनाइटेड क्लब को 07-04 से तथा आरएसएससी ने रॉयल क्लब को 07-05 से हराया। पुरुष वर्ग में यूनाइटेड क्लब ने यूथ क्लब को 07-01 से तथा रॉयल क्लब ने आरपी क्लब को 06-05 से हराया।

राजकेश मीणा ने बताया कि 26 अगस्त को कबड्डी के नॉकआउट एवं फाइनल मुकाबले, हैंडबॉल फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद 27 अगस्त को हॉकी के नॉकआउट दौर तथा रस्साकशी के ऑल राउंड एवं फाइनल मुकाबले आयोजित होंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन समारोह के दिन हॉकी एवं बास्केटबॉल के खिताबी मुकाबले खेले जाएंगे। इसके साथ ही क्रीड़ा परिषद् एवं खेल विभाग के कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट प्रदर्शनी मैच का आयोजन होगा। इससे पूर्व विजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

मैनचेस्टर सिटी के विंगर साविन्हो के साथ टोटेनहम हॉटस्पर ने किया करार

लंदन, 25 अगस्त। टोटेनहम हॉटस्पर ने ब्राजील के विंगर साविन्हो को मैनचेस्टर सिटी से अपनी टीम में शामिल कर लिया है। इस ट्रांसफर के साथ नए मैनेजर रॉबर्टो डी जेरबी के नेतृत्व में टोटेनहम का इस सत्र का खर्च 30 करोड़ पाउंड के पार पहुंच गया है।

हालांकि, सौदे की आर्थिक शर्तों और अनुबंध की अवधि का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन दोनों क्लबों ने सोमवार को साविन्हो के ट्रांसफर की पुष्टि की। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार यह सौदा करीब 7.5 करोड़ पाउंड का है, जिसमें एक करोड़ पाउंड अतिरिक्त राशि के तौर पर शामिल हो सकती है। साविन्हो ने अपने करियर की शुरुआत एटलेटिको मिनेइरो से की थी और 2022 में ट्रॉयस से जुड़े। इसके बाद गिरोना के लिए लोन पर खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में गिरोना के लिए उन्होंने 41 मैचों में 11 गोल किए।

राजस्थान राज्य अंडर 23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप का उद्घाटन

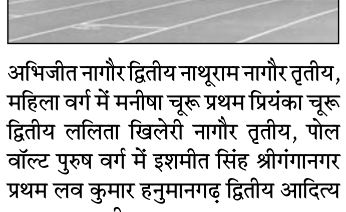

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में जिला एथलेटिक्स संघ सीकर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य अंडर 23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आज जिला खेल स्टेडियम, सीकर में उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गोपाल सैनी ओलंपियन अर्जुन अवार्डी रहे। उद्घाटन कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह गुर्जर, महासचिव राजस्थान ओलंपिक संघ, सुभाष पचार व मुकेश भडिया, डायरेक्टर स्टोनेक्स टाइल्स सीकर, देव नारायण गुर्जर, सचिव राजस्थान एथलेटिक संघ, दुर्गा शंकर शर्मा अध्यक्ष फाइनेंस कमेटी, हरिराम चौधरी, पूर्व चेयरमैन राजस्थान तीरंदाजी संघ, कार्तिक शर्मा कोषाध्यक्ष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। जिला एथलेटिक्स संघ सीकर के सचिव डॉ रामनिवास, आयोजन सचिव सुरेश भास्कर एवं जिला संघ के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम दिवस के परिणाम निम्न अनुसार हैं: 20000 मीटर रेस वॉक पुरुष वर्ग हनुमान बीकानेर प्रथम अभिजीत नागौर द्वितीय नाथूराम नागौर तृतीय, महिला वर्ग में मनीषा चूरू प्रथम प्रियंका चूरू द्वितीय ललिता खिलेरी नागौर तृतीय, पोल वॉल्ट पुरुष वर्ग में इशमीत सिंह श्रीगंगानगर प्रथम लव कुमार हनुमानगढ़ द्वितीय आदित्य हनुमानगढ़ तृतीय।

महिला वर्ग में स्नेहा हनुमानगढ़ प्रथम सरस्वती शर्मा चूरू द्वितीय, गोला फेंक पुरुष वर्ग में अंकित कुमार चूरू प्रथम दिनेश झालावाड़ द्वितीय वीरेंद्र बिश्नोई बीकानेर तृतीय महिला वर्ग में वंशिका शेखावत अलवर प्रथम चंद्रकला चूरू द्वितीय खुशबू झुन्झुनू तृतीय 100 मीटर हर्डल।

महिला वर्ग में अन्नू वर्मा झुंझुनू प्रथम जया चौधरी बीकानेर द्वितीय कृतिका राठौर अजमेर तृतीय।

ट्रिपल जंप पुरुष वर्ग में गुरप्रीत सिंह श्री गंगानगर प्रथम भविष्य सिंह अकादमी द्वितीय जगसीर सिंह श्रीगंगानगर तृतीय, तश्तरी फैंक पुरुष वर्ग में रवि चूरू प्रथम सचिन कुमार सवाई माधोपुर द्वितीय सुमित कुमार झुंझुनू तृतीय, महिला वर्ग में नीतू कुमारी चूरू प्रथम सुनैना कोटा द्वितीय प्रियंका चौधरी अजमेर तृतीय, हाई जंप पुरुष वर्ग रामनरेश श्रीगंगानगर प्रथम पुष्पेंद्र कुमार जयपुर द्वितीय अंशु राहर झुंझुनू तृतीय महिला वर्ग सारिका कुमावत अजमेर प्रथम पूजा नागौर द्वितीय अनीता नागौर तृतीय।

1500 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में महिपाल सिंह जोधपुर प्रथम विजय गुर्जर बीकानेर द्वितीय दर्शन शर्मा झालावाड़ तृतीय महिला वर्ग में दीपिका सीकर प्रथम खुशबू नागौर द्वितीय उषा जोधपुर तृतीय 400 मी हर्डल पुरुष वर्ग में राजवीर बिश्नोई जोधपुर प्रथम शिवराज झालावाड़ द्वितीय अश्वनी सियाग बीकानेर तृतीय महिला वर्ग में पूनम गहलोत जोधपुर प्रथम कृतिका राठौर अजमेर द्वितीय मुस्कान शर्मा अलवर तृतीय भाला फेंक पुरुष वर्ग रोहित अकादमी प्रथम निखिल चौधरी अजमेर द्वितीय महेंद्र भांभू नागौर तृतीय महिला वर्ग में नीलम चौधरी जोधपुर प्रथम कोमल जोधपुर द्वितीय जानवी शेखावत हनुमानगढ़ तृतीय, 3000 मी स्टीपल चेज़ पुरुष वर्ग में दीपेंद्र कुमावत सीकर प्रथम संजय मीणा दौसा द्वितीय सोनू गुर्जर धौलपुर तृतीय महिला वर्ग में मोनिका हनुमानगढ़ प्रथम टीना कुमारी भीलवाड़ा द्वितीय अनीशा हनुमानगढ़ तृतीय 10000 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग राजवीर धायल बाड़मेर प्रथम विकास कुमार दोसा द्वितीय रविकांत धौलपुर तृतीय महिला वर्ग में सुशीला प्रजापत नागौर प्रथम आरती हनुमानगढ़ द्वितीय पूजा मीणा जालौर तृतीय। इसी प्रकार 100 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में करतार सिंह कोटा प्रथम तेज राठौर कोटा द्वितीय अभिजीत सिंह अजमेर तृतीय महिला वर्ग में डोना धाकड़ जयपुर प्रथम सुनिष्ठा मिश्रा टोंक द्वितीय एंजेल कनौजिया जोधपुर तृतीय 400 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में राहुल गिग्रला जयपुर प्रथम सौरभ टाक जोधपुर द्वितीय पार्थ वर्मा योगी स्टेडियम तृतीय महिला वर्ग में आयशा खानम कोटा प्रथम नंदिनी अजमेर द्वितीय मिष्ठी काजला बीकानेर तृतीय।

धोनी और सीएसके के 16 साल के रिश्तों में दरार? आईपीएल में भविष्य पर गहराया संकट

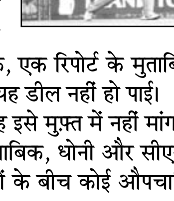

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीज़न से ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से जुड़े हुए हैं। वह इस लीग में सीएसके के लिए सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं और मेन इन येलो (सीएसके टीम) के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। अपने खेल करियर के आखिरी दौर में चल रहे धोनी, सीएसके में हिस्सेदारी खरीदकर चेन्नई की इस फ्रैंचाइज़ी के साथ अपने रिश्ते को और मज़बूत करना चाहते थे। हालांकि, एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीएसके मैनेजमेंट के उनकी शर्तों पर सहमत न होने के कारण यह डील नहीं हो पाई।

एक सूत्र ने कहा कि धोनी हिस्सेदारी खरीदना चाहते थे। वह इसे मुफ़्त में नहीं मांग रहे थे, लेकिन सीएसके मैनेजमेंट की सोच अलग थी। सूत्रों के मुताबिक, धोनी और सीएसके मैनेजमेंट के बीच ज़्यादातर बातचीत ज़ुबानी हुई और दोनों पक्षों के बीच कोई औपचारिक लिखित प्रस्ताव या समझौता नहीं हुआ।

सीनियर एवं सबजूनियर दोनों वर्गों में जयपुर की दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मालपुरा (टोंक), 25 अगस्त। 9वीं सीनियर स्टेट बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 तथा 8वीं सब-जूनियर स्टेट बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 में मंगलवार को दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। मालपुरा में चल रही प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग एवं सब जूनियर दोनों वर्गों में जयपुर की पुरुष एवं महिला दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सीनियर पुरुष वर्ग में जयपुर ने अपने मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन किया। जयपुर ने बीकानेर को कड़े मुकाबले में शिकस्त दी। इसके बाद जयपुर ने कोटा के खिलाफ भी शानदार खेल दिखाते हुए 35-25, 32-35, 35-20 से मुकाबला अपने नाम किया। सीनियर वर्ग के अन्य मुकाबलों में नागौर ने बीकानेर को 35-10, 35-10 से, चूरू ने धौलपुर को 35-8, 35-9 से तथा टोंक ने चूरू को 35-32, 35-30 से हराया। टोंक ने ब्यावर को भी 35-27, 35-29 से पराजित किया। बीकानेर ने कोटा को 35-28, 35-30 से हराया, जबकि चित्तौड़गढ़ ने बीकानेर को 35-28, 35-33 से शिकस्त दी।

सीनियर महिला वर्ग में भी जयपुर का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। जयपुर ने चित्तौड़गढ़ को 35-9, 35-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया। महिला वर्ग के मुकाबलों में बीकानेर ने चित्तौड़गढ़ को 35-30, 35-33 से तथा नागौर को भी हराया। टोंक ने बीकानेर को 35-20, 35-32 से हराया। चित्तौड़गढ़ ने नागौर को 35-33, 35-32 से मात दी।

सब-जूनियर वर्ग में भी कड़े मुकाबले : 8वीं सब-जूनियर स्टेट चैंपियनशिप में दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बीकानेर ने चित्तौड़गढ़ को 35-30, 35-33 से हराया, जबकि टोंक ने बीकानेर को 35-20, 35-32 से शिकस्त दी। चित्तौड़गढ़ ने नागौर को 35-33, 35-32 से हराया। वहीं टोंक ने चित्तौड़गढ़ को 35-32, 35-31 से पराजित किया। जयपुर ने भी सब-जूनियर वर्ग में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। जयपुर ने अजमेर तथा भरतपुर के खिलाफ जीत दर्ज की। अजमेर और भरतपुर के मुकाबले में भरतपुर ने 35-29, 35-33 से जीत हासिल की। राजस्थान बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दोनों राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 24 से 26 अगस्त तक मालपुरा, टोंक में किया जा रहा है। दूसरे दिन के मुकाबलों के बाद जयपुर की सीनियर वर्ग एवं सब जूनियर की दोनों टीमों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से पदक की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

नेशनल मास्टर्स तैराकी 11 सितम्बर से हरियाणा के बहादुरगढ में

नई दिल्ली, 25 अगस्त। इस वर्ष की नेशनल मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता 11 सितम्बर से बहादुरगढ (हरियाणा) में आयोजित की जा रही है , जो भी तैराक इसमें भाग लेना चाहते हैं अपनी एन्ट्री 1 सितम्बर तक राज्य सचिव/ अध्यक्ष के हस्ताक्षर करवा कर भेज सकते है।

इस वर्ष 2026 की बैंगलोर में होने वाली एशियन मास्टर्स प्रतियोगिता में जाने वाले तैराकों का चयन नेशनल प्रतियोगिता में किया जायेगा। हर इवेन्ट में पहले 6 तैराकों का चयन बैंगलोर में होने वाली एशियन मास्टर्स में भारतीय टीम में किया जायेगा। तैराकों को आने जाने का यात्रा व्यय, आवास, खाने एवं का खर्च स्वयं वहन करना होगा।

प्रज्ञाननंदा ने विंसेंट कीमर को रौंदकर फाइनल में जगह में बनाई जगह

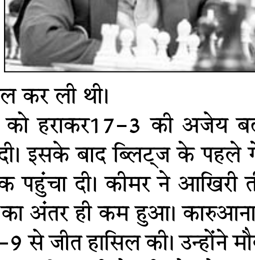

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञाननंदा का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदारऔर मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी।

उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया। जीसीटी के फाइनल की कुल पुरस्कार राशि 450,000 अमेरिकी डॉलर है जिसमें से 200,000 अमेरिकी डॉलर विजेता को मिलेंगे। फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को125,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। तीसरे स्थान के लिए होने वाले प्ले-ऑफ में कीमर का मुकाबला वेस्ली सो से होगा। यहां शीर्ष पर रहने वाले तीन खिलाड़ी अगले साल होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे।

एशियाई खेल : 5 टेनिस खिलाड़ी चयन मानदंड पूरे नहीं कर पाए

नयी दिल्ली, 25 अगस्त भारत की एशियाई खेलों की टेनिस टीम से बाहर किए गए पांच खिलाड़ियों के नाम अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) द्वारा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को भेजी गई संक्षिप्त सूची में शामिल नहीं थे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के एक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी और कहा कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग मानदंड पूरा नहीं करने के कारण उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। मानस धामने (पुरुष एकल), वैष्णवी अडकर (महिला एकल), सहजा यमलापल्ली (महिला एकल), वैदेही चौधरी (महिला युगल) और प्रार्थना थोम्बारे (महिला युगल) सात सदस्यीय भारतीय टेनिस टीम में जगह नहीं बना सके क्योंकि वे महाद्वीपीय रैंकिंग में शीर्ष आठ में होने के मानदंड को पूरा नहीं करते थे। ''खेल मंत्रालय को आईओए द्वारा साझा की गई अंतिम सूची में उनके नाम नहीं मिले थे। असल में एआईटीए द्वारा आईओए को भेजी गई संक्षिप्त सूची में भी उनके नाम नहीं थे।'' सूत्र के अनुसार इन खिलाड़ियों को बाहर किया जाना उचित है क्योंकि उनके हालिया प्रदर्शन से भी पदक जीतने की संभावना या प्रतियोगिता में प्रभावी भागीदारी की क्षमता नहीं झलकती। खेल मंत्रालय के चयन मानदंड के अनुसार एकल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों का एशिया में शीर्ष छह में और युगल में शीर्ष आठ में होना जरूरी था। इसके लिए 12 महीने की अवधि में प्रदर्शन का आकलन किया गया। खेल मंत्रालय ने यह मानदंड पिछले साल सितंबर में जारी किया था। इन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किए जाने की दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रोहन बोपन्ना ने कड़ी आलोचना की थी।

इंग्लैंड क्रिकेट में बड़ा बवाल, नाइटक्लब के बाहर हथकड़ी में दिखे ब्रायडन कार्स टेस्ट मैच से बाहर

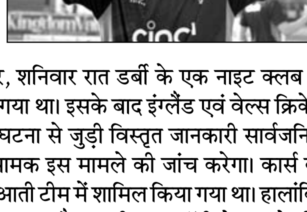

नई दिल्ली, 25 अगस्त। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को नाइटक्लब विवाद और ईसीबी जांच के चलते पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से निलंबित कर दिया गया है। सॉनी बेकर को उनके स्थान पर शामिल करना टीम की गेंदबाजी गहराई और अनुशासनात्मक प्रतिबद्धता का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, शनिवार रात डर्बी के एक नाइट क्लब के बाहर ब्रायडन कार्स को हथकड़ी लगाए देखा गया था। इसके बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मामले की जांच शुरू कराई। बोर्ड ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बताया है कि क्रिकेट नियामक इस मामले की जांच करेगा। कार्स को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए शुरुआती टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, जांच शुरू होने के बाद उन्हें टीम से हटा दिया गया है। उनकी जगहसॉनी बेकर को टीम में शामिल किया गया है। बेकर ने अब तक इंग्लैंड के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। उनका यह मुकाबला जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई श्रृंखला के दौरान हुआ था। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि जांच जारी रहने और मामले से जुड़े सभी तथ्यों के सामने आने तक ब्रायडन कार्स दूसरे पुरुष टेस्ट मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

जोआओ फोंसेका पेट की चोट के कारण अमेरिकी ओपन से बाहर

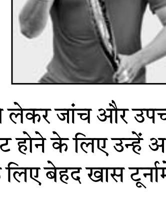

न्यूयॉर्क, 25 अगस्त। ब्राजील के युवा टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोंसेका पेट की चोट के कारण अमेरिकी ओपन 2026 से बाहर हो गए हैं। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। 20 वर्षीय फोंसेका इस साल शानदार प्रदर्शन के बाद अमेरिकी ओपन में खिताब के दावेदारों में शामिल थे। उन्होंने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्होंने दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को भी हराया था। फोंसेका ने कहा कि पेट की चोट को लेकर जांच और उपचार शुरू होने के बाद उन्हें और उनकी टीम को लगा कि पूरी तरह फिट होने के लिए उन्हें अभी और समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी ओपन उनके लिए बेहद खास टूर्नामेंट है और इससे हटने का फैसला आसान नहीं था।

फोंसेका ने कहा कि वह जल्द से जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखेंगे। फोंसेका अमेरिकी ओपन से हटने वाले प्रमुख पुरुष खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। इससे पहले जैनिक सिनर, होल्गर रूने और जैक ड्रेपर भी चोटों के कारण टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले चुके हैं।

पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन बच्चों के यौन शोषण में दोषी

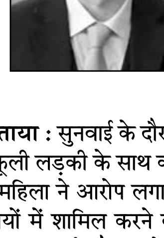

नई दिल्ली, 25 अगस्त। पूर्व वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन ग्रेम डॉट को बच्चों के यौन शोषण के दो मामलों में दोषी पाया गया है। 49 साल के डॉट के खिलाफ ग्लासगो हाई कोर्ट में पांच दिन तक सुनवाई चली। ज्यूरी ने उन्हें 1993 से 1996 के बीच एक लड़की और 2006 से 2010 के बीच एक लड़के के साथ किए गए यौन दुर्व्यवहार से जुड़े दोनों मामलों में दोषी माना। अदालत ने डॉट की सजा पर फैसला अगली सुनवाई में करने का आदेश दिया है। यह सुनवाई 29 सितंबर 2026 को एडिनबर्ग में होगी। तब तक डॉट हिरासत में रहेंगे।

लड़की ने 1990 के दशक के दुर्व्यवहार के बारे में बताया : सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि डॉट ने 1990 के दशक में एक स्कूली लड़की के साथ कई बार अनुचित व्यवहार किया। अब 40 की उम्र में पहुंच चुकी महिला ने आरोप लगाया कि डॉट ने उसे गलत तरीके से छुआ और उसे यौन गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की। महिला ने अदालत में बताया कि इन घटनाओं से वह डर गई और सदमे में थी। डॉट ने उसे एक टेडी बियर भी दिया था। पुलिस ने 2001 में इन आरोपों को लेकर डॉट से संपर्क किया था, लेकिन उस समय कोई चार्ज नहीं लगाया गया।

बालाजी-चंद्रशेखर ने कानकुन टेनिस ओपन जीता

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली। फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 और दूसरी सर्विस पर 81 अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।

त्योहारों के अवसर पर आमजन को पौधारोपण के लिए प्रेरित करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा की व पौधों की उचित देखभाल के निर्देश दिए

जयपुर, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत इस वर्ष भी 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएं। उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि समन्वय के साथ पौधे लगाएं एवं उनकी उचित देखभाल भी की जाए। साथ ही, उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस वर्ष भी हरियालो राजस्थान में 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य है तथा अब तक 7 करोड़ 58 लाख पौधे लगाये जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में "हरियालो राजस्थान" अभियान की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि अब तक 7 करोड़ 58 लाख से अधिक पौधारोपण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को भी त्योहारों के अवसर पर पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने आमजन से रक्षाबंधन के अवसर पर एक पेड़ भाई-बहन के नाम पर लगाने का आव्हान भी किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर पौधारोपण करने वाले भाई-बहनों को सम्मानित भी किया जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार सहित, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। वहीं, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश कुमार यादव, शासन सचिव ग्रामीण विकास कृष्ण कुणाल सहित, विभिन्न अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया

नई दिल्ली, 25 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों को अयोग्य करार देने की मांग पर सुनवाई करते हुए 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया।

याचिका तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने दायर की है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी नहीं किया जाए।

उन्होंने कहा कि वे लोकसभा अध्यक्ष की ओर से पेश होंगे। मेहता ने कहा कि उन्हें निर्देश मिले हैं कि लोकसभा अध्यक्ष ने अयोग्यता याचिकाओं पर नोटिस जारी कर दिए हैं। याचिका में बागी सांसदों के खिलाफ अयोग्यता कार्यवाही पर फैसले में हो रही देरी को चुनौती दी गई है।

'नीट प्रदर्शन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका का जोरदार विरोध करते हुए इसे बेहद शरारतपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, मांग यह है कि आपकी बनाई समिति का पुनर्गठन किया जाए और किसी मंत्री वगैरह की जांच की जाए।

केन्द्र सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बफर स्टॉक का भी इस्तेमाल कर रही है और जरूरत पड़ने पर इसकी आपूर्ति बढ़ाई जाएगी।

पीटीआई में फर्जी डिग्री प्रकरण में कुलपति, परीक्षा नियंत्रक व कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

एसओजी ने फ़र्ज़ी व बैकडेटे बीपीएड डिग्री के मामले में मध्य प्रदेश के एक विश्वविद्यालय पर कार्यवाही की

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी और बैकडेटेड बीपीएड डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के सीहोर स्थित श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के कुलपति मुकेश तिवाड़ी, परीक्षा नियंत्रक संजय राठौड़ और कंप्यूटर ऑपरेटर आनंद शर्मा को को गिरफ्तार किया है। तीनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि मुख्यमंत्री की भर्ती परीक्षाओं में ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की गई है। प्रकरण की जांच आईजी अजय पाल लाम्बा, डीआईजी भुवन भूषण यादव और एसपी कुंदन कंवरिया के नेतृत्व में की जा रही है।

जांच में सामने आया कि सांचौर जिले के धानता निवासी अभ्यर्थी भारमल राम ने पीटीआई भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के जरिए परीक्षा दी थी। आवेदन के समय उसने ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चूरू की डिग्री का

■ जाँच के अनुसार, सांचोर जिले के भारमल राम ने पीटीआई भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के जरिए परीक्षा दी। आवेदन के समय उसने ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चूरू की डिग्री का उल्लेख किया, पर दस्तावेज सत्यापन के समय श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री प्रस्तुत की।

उल्लेख किया था, जबकि दस्तावेज सत्यापन के दौरान मध्यप्रदेश के श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री प्रस्तुत की।

एसओजी ने न्यायालय से वारंट लेकर विश्वविद्यालय में तलाशी ली और कंप्यूटर डेटा जब्त किया। फॉरेंसिक वित्तीय ऑडिट में भारमल राम के नाम से फीस के दो अलग-अलग लेज़र खाते सामने आए। जांच में यह भी पाया गया कि परीक्षा परिणाम 21 अक्टूबर 2022 को जारी हुआ था, जबकि फीस से संबंधित प्रविष्टियां बाद की तारीखों में बैकडेट करके दर्ज की गई थीं।

एसओजी की जांच में सामने आया कि विश्वविद्यालय में बीपीएड की 100 सीटें स्वीकृत हैं। इसके बावजूद पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में 66 अभ्यर्थियों ने इसी विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री प्रस्तुत की। जांच एजेंसी को आशंका है कि इनमें से अधिकांश डिग्रियां बैकडेट में जारी की गईं। अब एसओजी इन सभी अभ्यर्थियों की डिग्रियों और उनसे जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है।

तरुण तेजपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सरेंडर करने की कोई जरुरत नहीं है, क्योंकि बांबे उच्च न्यायालय की गोवा बेंच ने अपने 6 अगस्त के फैसले में सरेंडर करने पर एक महीने की रोक रखी है। तेजपाल ने उन्हें दी गई दस साल की सजा को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। तरुण तेजपाल के पहले गोवा सरकार ने भी उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल कर तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की है।

एच 1 एन 1 से घबराने की जरुरत नहीं है- आईसीएमआर

आईसीएमआर महानिदेशक ने कहा कि वायरस में पाया गया अनुवांशिक बदलाव सामान्य मौसमी बदलाव है

नई दिल्ली, 25 अगस्त। देश में मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों के बीच केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। आईसीएमआर के महानिदेशक और डीएचआर सचिव डॉ. राजीव बहल ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है।

■ डॉ. राजीव बहल ने कहा कि ज्यादातर लोगों में सही देखभाल, भरपूर आराम और शरीर में पानी सही मात्रा रखने से लक्षण बेहतर हो जाते हैं।

डॉ. राजीव बहल के अनुसार, यह वायरस वंशावली भारत में साल 2025 से लगातार प्रसारित हो रही है। वायरस में पाए गए आनुवंशिक बदलाव सामान्य मौसमी बदलाव हैं, जिन्हें एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहा जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन बदलावों से किसी नए या अधिक खतरनाक वायरस के उभरने का संकेत नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि ज़्यादातर लोगों में, सही देखभाल, भरपूर आराम और शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखने से लक्षण बेहतर हो जाते हैं। सिर्फ़ एच1एन1 होने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को गंभीर बीमारी हो जाएगी या उसे अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत पड़ेगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा, जिसमें एच1एन1 भी शामिल है, स्वस्थ लोगों में आमतौर पर हल्का और स्व-सीमित संक्रमण होता है। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। हालांकि, बुजुर्गों, छोटे बच्चों, पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। ऐसे लोगों को फ्लू जैसे लक्षण होने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह दी गई है। सरकार ने लोगों को खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढंकने, नियमित रूप से हाथ धोने, बीमार होने पर घर पर रहने, पर्याप्त पानी पीने और आराम की सलाह दी है।

राम रहीम को फिर 21 दिन की फरलो मिली

रोहतक, 25 अगस्त। यौन शोषण और हत्या मामले में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर सुनारिया जेल से बाहर आ गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, राम रहीम को 21 दिन की फरलो मंजूर की गई है, जिसके बाद मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे जेल से बाहर निकाला गया और वह सिरसा के लिए रवाना हो गया। गुरमीत राम रहीम 17वीं बार रोहतक की सुनारिया जेल से पैरोल या फरलो पर बाहर आया है। गुरमीत राम रहीम को अगस्त 2017 में साध्वियों के यौन शोषण मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनारिया जेल भेजा गया था। इसके अलावा, पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी उसे सजा हो चुकी है। वर्ष 2026 में राम रहीम को इससे पहले दो बार जेल से बाहर आने का अवसर मिला। अब एक बार फिर 21 दिन की फरलो मिलने के बाद राम रहीम जेल से बाहर आया है। राम रहीम के 17वीं बार जेल से बाहर आने के बाद एक बार फिर उसकी पैरोल और फरलो को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

डीआरडीओ की मिसाइल टैक्नॉलजी स्वदेशी रक्षा उद्योग को ट्रांसफर होगी

सरकार के इस फैसले से मिसाइल प्रणाली का विकास औद्योगिक उत्पादन में सफलतापूर्वक परिवर्तित होगा

नई दिल्ली, 25 अगस्त। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की टैक्नॉलजीज़ को भारतीय रक्षा उद्योग को स्वदेश में ही उत्पादन के लिए हस्तांतरित करने की स्वीकृति दे दी है। स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ाने की दिशा में इस फैसले से भारतीय कंपनियों को रेगुलेटरी नियमों का पालन करने वाले एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम बनाने में बढ़ावा मिलेगा। घरेलू क्षमताओं को मजबूत करके सरकार न केवल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि देश के डिफेंस सेक्टर को भी बेहतर बना रही है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस फैसले से मिसाइल प्रणाली के विकास को औद्योगिक उत्पादन में सफलतापूर्वक

■ स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ाने के फैसले से घरेलू क्षमताओं को मजबूती मिलेगी, आत्मनिर्भरता बढ़ेगी तथा देश का डिफेन्स सैक्टर बेहतर बनेगा।

परिवर्तित करना संभव होगा। इससे उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और विनिर्माण के उद्देश्य से भारतीय उद्योग जगत की क्षमताओं का लाभ उठाया जा सकेगा। इसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण क्षमताओं में वृद्धि करना, रक्षा क्षेत्र के औद्योगिक आधार को सुदृढ़ करना और आपूर्ति श्रृंखला में भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा अन्य प्रौद्योगिकी साझेदारों की भागीदारी के अवसर उत्पन्न करना है।

इस पहल का उद्देश्य परिचालन क्षमता में वृद्धि करना, आयात पर निर्भरता घटाना तथा गुणवत्ता और उपयोगिता बढ़ाने के लिए घरेलू स्तर पर सुधार या बदलाव को बढ़ावा देने के साथ ही, भारत के डिफेंस मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र के विकास में सहयोग करना है। डीआरडीओ उन्नत डिफेंस टैक्नॉलजीज़ के हस्तांतरण, उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ढालने और रक्षा प्रणाली में शामिल करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रौद्योगिकी का यह हस्तांतरण घरेलू उद्योगों को निर्धारित योग्यताओं, प्रमाणन और विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार, स्वदेशी उत्पादन में सक्षम बनाकर रक्षा क्षेत्र के अनुकूल परिवेश में उनकी अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस पहल के तहत घरेलू कंपनियां डीआरडीओ के मानकों पर मिसाइल सिस्टम बना पाएंगी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीआरडीओ के बनाए मिसाइल सिस्टम का घरेलू उत्पादन शुरू करने के इस कदम का मकसद आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू वैल्यू एडिशन का हिस्सा बढ़ाना और भारत की स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत करना है।

क्रीमी लेयर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि 11 मार्च के फैसले में स्पष्टीकरण दिया जाए, क्योंकि इस फैसले को लागू करने से बड़े स्तर पर असर पड़ सकता है।

इसके तहत उन उम्मीदवारों को भी गैर क्रीमी लेयर माना जा सकता है, जिनके माता-पिता की आय अधिक है। सरकार ने मांग की है कि इसके लिए दो साल का समय दिया जाए, ताकि इस दौरान उन पदों की समानता तय करने की जरुरी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन से पहले आतंकी हमले की आशंका

नई दिल्ली, 25 अगस्त। राजधानी में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। खुफिया इनपुट के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठा आतंकी शहजाद भट्टी दिल्ली के बाहरी इलाकों में कम तीव्रता वाले विस्फोट करने या पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने की साजिश रच सकता है।

इनपुट मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है और एहतियाती तौर पर दो हजार से अधिक लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, निगरानी के दायरे में घोषित अपराधी, जमानत पर बाहर चल रहे संदिग्ध और सबूतों के अभाव में रिहा किए गए ऐसे लोग शामिल हैं, जिनकी

■ खुफिया इनपुट पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाई, दो हजार लोगों की गतिविधियों पर नजर

गतिविधियां सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का कारण बन सकती हैं।

अधिकारी के मुताबिक, खुफिया जानकारी का विश्लेषण इस आशंका की ओर इशारा करता है कि सम्मेलन के दौरान दहशत फैलाने और सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से कम तीव्रता वाला हमला किया जा सकता है।

उनके मुताबिक, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, सम्मेलन स्थल और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा पहले से कड़ी है, लेकिन राजधानी के हर हिस्से को पूरी तरह सुरक्षित रखना संभव नहीं है। ऐसे में बाहरी और सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

एक अन्य इनपुट में दिल्ली समेत एनसीआर में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि भट्टी इस साजिश को अंजाम देने के लिए प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े लोगों की मदद ले सकता है।

यह अलर्ट भट्टी के नेटवर्क के खिलाफ हाल में देशभर में हुई कार्रवाई के बाद सामने आया है। केन्द्र सरकार के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस से पहले इस सिंडिकेट से जुड़े 200 से अधिक संदिग्ध गुर्गों को गिरफ्तार किया गया था।

प्र.मंत्री न तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका में वे संघ के प्रवासी भारतीय नेटवर्क के साथ विचार-विमर्श करेंगे। वहां होने वाली बैठकों और विचार-मंथन के बाद मोहन भागवत आगे की रणनीति तैयार करेंगे कि मोदी-शाह की जोड़ी से कैसे निपटा जाए और ऐसी स्थिति में, जब मोदी के लिए राजनीतिक परिस्थितियां मुश्किल हों, सरकार के संचालन में संघ की भूमिका को एक महत्वपूर्ण निर्णायक शक्ति के रूप में कैसे स्थापित किया जाए।

कांग्रेस ने सोच समझकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोशिश की, जो उनके अनुसार, भाजपा-आरएसएस की उस सोच को चुनौती दे रही हैं, जिसमें महिलाओं को सीमित और नियंत्रित रखने की अपेक्षा की जाती है।

6 अगस्त को राहुल द्वारा छात्रों के लिए आयोजित इंस्टाग्राम के 'आस्क मी एनीथिंग' कार्यक्रम के साथ पुणे के आयोजन को देखा जाए तो कांग्रेस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर अपनी रणनीति काफी हद तक तय कर ली है।

कांग्रेस ने निष्कर्ष निकाला है कि वह सीजेपी को उसके ही खेल में नहीं हरा सकती, न ही उसके साथ खड़ी होगी। इसके बजाय पार्टी ने उस संचार रणनीति से सीख लेने का फैसला किया है, जिसने इस नई राजनीतिक संस्था को बेहद कम समय में लोकप्रिय बना दिया।

'छात्रों की गूंज' को पारंपरिक राजनीतिक रैली की बजाय, एक इंटरैक्टिव मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें राहुल गांधी युवाओं की बातें सुनते हैं, प्रस्तुतियों और आंकड़ों का इस्तेमाल करते हैं, युवा प्रतिभागियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर देते हैं और दर्शकों के अनुरुप अपनी भाषा में बदलाव करते हैं।

कांग्रेस अब जेन ज़ैड को अलग-अलग वर्गों में बांटकर संवाद शुरू करने की दिशा में भी बढ़ रही है। मसलन, युवाओं को एक एकल राजनीतिक समूह मानने के बजाय, युवा महिलाओं जैसे विशिष्ट वर्गों के मुद्दों पर अलग बातचीत की जा रही है।

सीजेपी को खत्म करने या बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने कोई 'वार रूम' रणनीति नहीं बनाई है। पार्टी की रणनीति कहीं अधिक सूक्ष्म है और जून से अगस्त के बीच कई चरणों में विकसित हुई है।

इस रणनीति के प्रमुख हिस्से हैं- सीजेपी द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों का समर्थन करना, राजनीतिक उपलब्धि में अपनी हिस्सेदारी का दावा करना, संगठनात्मक दूरी बनाए रखना, राहुल के नेतृत्व में समानांतर युवा मंच तैयार करना और धीरे-धीरे कांग्रेस की भाषा को उन रोजमर्रा के मुद्दों के करीब ले जाना, जिन्होंने सीजेपी को सफलता दिलाई।

हालांकि कांग्रेस का जोर इस बात पर है कि यह रणनीति सीजेपी के जवाब में शुरू नहीं हुई थी। राहुल गांधी ने 17 जून को कोटा में 'छात्रों की गूंज' शुरू की थी, यानी सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर लम्बा आंदोलन शुरू करने से तीन दिन पहले।

कांग्रेस नेता शशि थरूर भी सार्वजनिक रूप से यह बात कह चुके हैं और यह पार्टी का मुख्य बचाव बन चुका है कि कांग्रेस ने सीजेपी के लोकप्रिय होने के बाद छात्र राजनीति की ओर रुख नहीं किया। राहुल गांधी पहले से ही परीक्षा प्रश्नपत्र लीक और चरमराई परीक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दे उठा रहे थे।

लेकिन सीजेपी आंदोलन के पहले महीने के दौरान, कांग्रेस ने जानबूझकर जंतर-मंतर से दूरी बनाए रखी।

इस फैसले के पीछे दो तरह की आशंकाएं थीं। पहली आशंका, जिसे उस समय पार्टी के कई पदाधिकारियों ने खुले तौर पर व्यक्त किया था, यह थी कि सीजेपी भाजपा द्वारा प्रायोजित एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला अभियान हो सकता है, जिसका उद्देश्य पेपर लीक और अयोध्या राम मंदिर के चंदे से जुड़े आरोपों पर कांग्रेस के अपने अभियानों को कमजोर करना हो।

ईरान से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन कंपनियों को उस सूची में शामिल किया गया है, जिन पर ईरान से पेट्रोलियम या पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद, अधिग्रहण, बिक्री, परिवहन अथवा विपणन से जुड़े महत्वपूर्ण लेन-देन में जानबूझकर शामिल होने का आरोप है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने सोमवार को एक बयान में कहा, आज अमेरिका ने ईरानी शासन की अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों को सक्षम बनाने वाली कई संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की है।

उन्होंने आगे कहा कि "इन गतिविधियों में इस इलाके में अमेरिकी सैनिकों और सहयोगियों पर हमले, अवैध हथियारों की खरीद, अमेरिकी बुनियादी ढांचे में साइबर घुसपैठ तथा ऊर्जा उत्पादों और थोक धन के ऐसे हस्तांतरण शामिल हैं, जिसमें दुनियाभर में आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है।

अब देखना यह है कि मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन की इस खुली दबंगई के खिलाफ विरोध दर्ज कराती है या फिर अमेरिकी दबाव के आगे झुककर इस चोट को भी चुपचाप सहन कर लेती है।

अमेरिका और चीन के संबंध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अपने अधिकारों और हितों की मजबूती से रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।" उन्होंने संकेत दिया कि अगर वॉशिंगटन चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करता है तो बीजिंग जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है।

इसके बावजूद, चीन के लिए तत्काल आर्थिक जोखिम उतना बड़ा नहीं हो सकता, जितना वॉशिंगटन उम्मीद कर रहा है। चीन के ईरान से कच्चे तेल के आयात में पहले ही काफी गिरावट आ चुकी है। वॉर्टेक्सा कंपनी द्वारा जुटाए और विश्लेषण किए गए तेल आवाजाही के आंकड़ों के अनुसार, युद्ध से पहले ईरान से कच्चे तेल की आपूर्ति औसतन करीब 14 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो हाल के महीनों में घटकर लगभग 7 लाख बैरल प्रतिदिन रह गई है।

रिफाइनरी में कम कामकाज और घरेलू स्टॉक का इस्तेमाल करने से ईरान की आपूर्ति पर चीन की तत्काल निर्भरता कम हो गई है। इसलिए विश्लेषकों का मानना है कि बीजिंग अपनी कुल ऊर्जा सुरक्षा के लिए किसी तत्काल खतरे के बिना ईरान से तेल के आयात में और कमी को भी झेल सकता है।

■ चीन ने अमेरिकी दबाव को नकार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन अपने अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा। संकेत साफ है कि चीन भी जवाबी कार्यवाही के लिए तैयार है।

एक स्वतंत्र ऊर्जा अनुसंधान और परामर्श कंपनी रिस्टैड की तियान्यू हू के अनुसार, ईरान से कच्चे तेल के आयात को " पूरी तरह रोकने" का चीन की तेल सुरक्षा पर शायद ही कोई बड़ा या तुरंत असर पड़े, क्योंकि ईरान से तेल की खरीद पहले ही काफी कम हो चुकी है और चीन के पास अभी भी कच्चे तेल का अपेक्षाकृत बड़ा भंडार है।

लेकिन वॉशिंगटन के लिए मामला केवल चीन की ऊर्जा सुरक्षा का नहीं है। मुद्दा ईरान की सरकार और सेना को आर्थिक रूप से चलाने वाली आय के मुख्य स्रोत को बंद करना है।

इससे ट्रंप प्रशासन के सामने एक मुश्किल रणनीतिक फैसला खड़ा हो गया है। अगला कदम चीनी "टीपॉट" रिफाइनरियों (छोटी और स्वतंत्र तेल रिफाइनरियाँ), तेल कारोबारियों, शिपिंग कंपनियों और ईरान के कच्चे तेल का कारोबार करने वाले अन्य बिचौलियों पर प्रतिबंध लगाना हो सकता है। ऐसे कदमों से चीनी वित्तीय व्यवस्था पर सीधे हमला किए बिना बीजिंग पर दबाव बढ़ाया जा सकता है।

लेकिन बड़ा टकराव तब होगा, जब वॉशिंगटन बड़े चीनी बैंकों को निशाना बनाएगा या उन्हें अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से बाहर करने की धमकी देगा। इससे ईरान पर प्रतिबंध लगाने का अभियान अमेरिका-चीन के बहुत बड़े आर्थिक टकराव में बदल सकता है। इसका असर वैश्विक व्यापार और वित्तीय बाजारों पर भी पड़ सकता है।

ऊर्जा के क्षेत्र में इसके नतीजे चीन से आगे भी जा सकते हैं। ईरान के तेल निर्यात में बड़ी गिरावट और साथ ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास जारी रुकावटों के कारण दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। चीन खुद इस समुद्री मार्ग में किसी भी रुकावट से खास तौर पर प्रभावित हो सकता है, क्योंकि उसके तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (लिक्विफाइड नैचुरल गैस) के आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।

कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का असर अमेरिका, भारत और तेल आयात करने वाले अन्य बड़े देशों की अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ताओं के लिए ईंधन लागत पर भी पड़ेगा।

इसलिए ट्रंप प्रशासन के सामने एक नाज़ुक संतुलन बनाने की कठिन चुनौती है। उसे चीन पर इतना दबाव डालना है कि ईरान की तेल से होने वाली आय को रोका जा सके, लेकिन इतना ज्यादा दबाव भी नहीं डालना है कि यह अभियान बीजिंग के साथ पूर्ण आर्थिक टकराव में बदल जाए या दुनिया में तेल की कीमतों को लेकर एक और बड़ा संकट पैदा हो जाए।

सोमवार को उठाए गए कदम फिलहाल व्यापक टकराव की शुरुआत के बजाय, चेतावनी देने वाले कदम लगते हैं। लेकिन अगर वॉशिंगटन चीन की बड़ी तेल कंपनियों या बैंकों के खिलाफ अगला कदम उठाता है, तो ईरान का युद्ध तेजी से अमेरिका-चीन के बीच बड़े आर्थिक टकराव का रूप ले सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908